भजन के बारे में बतावल गइल बा

अध्याय 1 के बा

1 धन्य बा ऊ आदमी जे अभक्त के सलाह पर ना चले, ना पापी लोग के रास्ता में खड़ा होखे आ ना ही तिरस्कार करे वाला लोग के आसन पर बइठेला।
2 लेकिन ओकर खुशी यहोवा के व्यवस्था में बा। आ दिन रात अपना नियम में मनन करेला।
3 उ पानी के नदी के किनारे लगावल पेड़ निहन होई, जवन कि समय में आपन फल देवेला। ओकर पत्ता भी मुरझा ना जाई। आ ऊ जवन कुछ करी, ओकरा में सफलता मिली।
4 अभक्त लोग अइसन ना होला, बलुक ऊ भूसा जइसन होला जवन हवा भगावेला।
5 एह से अभक्त लोग न्याय के समय में ना खड़ा होईहे, ना पापी लोग धर्मी लोग के मंडली में।
6 काहेकि यहोवा धर्मी लोग के रास्ता जानत हउवें, लेकिन अभक्त के रास्ता नाश हो जाई।

अध्याय 2 के बा

1 गैर-यहूदी लोग काहे नाराज हो जाला आ लोग बेकार के कल्पना करेला?
2 धरती के राजा लोग अपना के खड़ा कर के शासक लोग यहोवा आ उनकर अभिषिक्त के खिलाफ एक साथ सलाह लेत रहे।
3 हमनी के ओह लोग के पट्टी तोड़ के ओह लोग के डोरी हमनी से दूर कर दीं।
4 जे आकाश में बइठल बा ऊ हँसत होई, प्रभु ओह लोग के मजाक उड़ाईहें।
5 तब ऊ अपना क्रोध में ओह लोग से बात करी आ अपना बहुते नाराजगी में ओह लोग के परेशान करी.
6 तबो हम अपना राजा के अपना पवित्र पहाड़ सिय्योन पर रखले बानी।
7 हम फरमान के घोषणा करब, यहोवा हमरा से कहले बाड़न कि तू हमार बेटा हउअ। आज हम तोहरा के जनम देले बानी।
8 हमरा से माँगS, हम तोहरा के तोहरा विरासत के रूप में गैर-यहूदी आ धरती के अंतिम भाग तोहरा के दे देब।
9 लोहा के छड़ी से ओह लोग के तोड़ दीं। तूँ ओकरा के कुम्हार के बर्तन नियर टुकड़ा-टुकड़ा करS।
10 हे राजा लोग, अब बुद्धिमान होखS।
11 डर से प्रभु के सेवा करीं आ काँपत-काँपत आनन्दित हो जा।
12 बेटा के चुम्मा लीं कि कहीं ऊ नाराज हो जाव आ तू लोग रास्ता से नाश हो जाइब, जब ओकर क्रोध तनी-मनी भड़क जाई। धन्य हवें उ सब जे उनकरा पर भरोसा करेला।

अध्याय 3 के बा

1 (दाऊद के एगो भजन, जब उ अपना बेटा अबशालोम से भाग गईले।) प्रभु, उ लोग हमरा के परेशान करे वाला कईसे बढ़ गईले! बहुत लोग हमरा खिलाफ उठत बाड़े।
2 बहुत लोग बा जे हमरा जान के बारे में कहत बा कि, “परमेशवर में ओकर कवनो मदद नइखे।” सेलाह के बा।
3 हे प्रभु, तू हमरा खातिर ढाल हउअ। हमार महिमा आ हमार माथा उठावे वाला।
4 हम अपना आवाज से यहोवा से पुकारनी, त उ अपना पवित्र पहाड़ी से हमार बात सुनले। सेलाह के बा।
5 हम अपना के सुता के सुत गईनी। हम जाग गइनी; काहे कि यहोवा हमरा के सहारा देले रहले।
6 हम दस हजार लोग से ना डेराएब, जवन हमरा खिलाफ चारो ओर खड़ा हो गईल बाड़े।
7 हे प्रभु, उठS। हे हमार भगवान, हमरा के बचाS, काहे कि तू हमरा सब दुश्मनन के गाल के हड्डी पर मार दिहले बाड़S। तू अभक्त के दाँत तूड़ देले बाड़ू।
8 उद्धार प्रभु के ह, तोहार आशीष तोहरा लोग पर बा। सेलाह के बा।

अध्याय 4 के बा

1 (नेगिनोथ के प्रमुख संगीतकार के, दाऊद के एगो भजन।) हे हमरा धार्मिकता के परमेश्वर, जब हम पुकारत बानी त हमार बात सुन, जब हम संकट में रहनी त तू हमरा के बड़ कर देले बाड़ू। हमरा पर दया करS आ हमार प्रार्थना सुनS।
2 हे मनुष्य के बेटा, कब तक हमार महिमा के शर्म में बदल देब? कब तक तू लोग आडंबर से प्यार करब आ पट्टा के तलाश में रहबS? सेलाह के बा।
3 लेकिन जान लीं कि परमेश् वर अपना खातिर अलगा रखले बाड़न, जब हम ओकरा के पुकारब त यहोवा सुन जइहें।
4 भय से खड़ा रहS आ पाप मत करS, अपना बिछौना पर अपना मन से बात करीं आ चुप रहS। सेलाह के बा।
5 धर्म के बलिदान चढ़ा के प्रभु पर भरोसा करीं।
6 बहुत लोग कहत बा कि हमनी के कवनो भलाई के देखावेला? प्रभु, तू अपना चेहरा के रोशनी हमनी पर उठावS।
7 तू हमरा दिल में उल्लास डालले बाड़ू, जवन समय से जादे उनके धान आ शराब बढ़ल रहे।
8 हम हमरा के शांति से सुता देब आ सुतब, काहे कि हे प्रभु, तू हमरा के खाली सुरक्षित रहवा देत बाड़ू।

अध्याय 5 के बा

1 (नेहिलोत के प्रमुख संगीतकार के, दाऊद के भजन।) हे प्रभु, हमार बात पर सुनीं, हमार मनन पर विचार करीं।
2 हे हमार राजा आ हमार भगवान, हमार पुकार के आवाज सुन, काहे कि हम तोहसे प्रार्थना करब।
3 हे प्रभु, तू सबेरे हमार आवाज सुनब। सबेरे हम आपन प्रार्थना तोहरा ओर निर्देशित करब आ आँख उठा के देखब।
4 काहे कि तू अइसन भगवान ना हउअ जेकरा के बुराई में प्रसन्नता होखे, आ ना तोहरा साथे बुराई रही।
5 मूर्ख तोहरा सोझा ना खड़ा होई, तू सब अधर्म करे वाला से घृणा करेलS।
6 तू पट्टा के बात करे वाला के नाश करS, खूनी आ धोखेबाज से प्रभु घृणा करीहें।
7 लेकिन हम तोहरा दया के भरमार से तोहरा घर में आ जाईब आ तोहरा डर से तोहार पवित्र मंदिर के ओर पूजा करब।
8 हे प्रभु, हमरा के अपना दुश्मनन के चलते अपना धार्मिकता में अगुवाई करS। हमरा चेहरा के सोझा आपन रास्ता सीधा करS।

9 काहेकि उनकरा मुँह में कवनो विश्वास नइखे। उनकर भीतर के हिस्सा बहुते दुष्टता ह; उनकर गला एगो खुला कब्र ह। जीभ से चापलूसी करेले।
10 हे भगवान, तू ओह लोग के नाश करऽ। उ लोग के अपना सलाह से गिर जाए। ओह लोग के अपराध के भीड़ में ओकरा के बाहर निकाल दीं। काहे कि ऊ लोग तोहरा खिलाफ विद्रोह कइले बा.
11 लेकिन जे भी तोहरा पर भरोसा करेला, उ लोग खुश रहस, उ लोग हमेशा खुशी से चिल्लात रहस, काहेकि तू ओकर बचाव करत बाड़ू, तोहरा नाम से प्रेम करे वाला लोग भी तोहरा में खुश रहस।
12 काहे कि हे प्रभु, तू धर्मी लोग के आशीष देबऽ। अनुग्रह से ओकरा के ढाल निहन घेरब।

अध्याय 6 के बा

1 (शेमिनिथ पर नेगिनोथ के प्रमुख संगीतकार के, दाऊद के भजन।) हे प्रभु, हमरा के अपना क्रोध में मत डांटऽ, आ ना ही हमरा के अपना गरम नाराजगी में ताड़ना।
2 हे प्रभु, हमरा पर दया करऽ। काहे कि हम कमजोर बानी, हे प्रभु, हमरा के ठीक करऽ। काहे कि हमार हड्डी परेशान बा।
3 हमार प्राण भी बहुत परेशान बा, लेकिन तू, हे प्रभु, कब तक?
4 हे प्रभु, लवट आवऽ, हमरा जान के बचाऽ, हे अपना दया के खातिर हमरा के बचाऽ।
5 काहेकि मरला में तोहार याद ना होला, कब्र में तोहरा के के धन्यवाद दी?
6 हम अपना कराह से थक गइल बानी। रात भर हमरा के तैरे खातिर आपन बिछौना बना दीं; हम अपना सोफा के लोर से पानी देत बानी।
7 दुख के चलते हमार आँख भस्म हो गईल बा। हमरा सब दुश्मनन के चलते ई बूढ़ हो जाला।
8 हे सब अधर्म के काम करे वाला, हमरा से दूर हो जा। काहे कि यहोवा हमरा रोवे के आवाज सुनले बाड़न।
9 प्रभु हमार निहोरा सुनले बाड़न। प्रभु हमार प्रार्थना ग्रहण करीहे।
10 हमार सब दुश्मन शर्मिंदा होखस आ बहुत परेशान होखस, उ लोग वापस लवट के अचानक लजा जास।

अध्याय 7 के बा

1 (दाऊद के शिग्गियोन, जवन उ बेंजामिन के कुश के बात के बारे में यहोवा खातिर गवले रहले।) हे हमार परमेश्वर यहोवा, हम तोहरा पर भरोसा करत बानी, हमरा के सतावे वाला सब लोग से बचाईं आ हमरा के बचाईं।
2 कहीं उ हमरा प्राण के शेर निहन फाड़ देवे अवुरी ओकरा के टुकड़ा-टुकड़ा क देवे, जबकि बचावे वाला केहु नईखे।
3 हे हमार परमेश्वर यहोवा, अगर हम अइसन कइले बानी। अगर हमरा हाथ में अधर्म होखे त;
4 अगर हम ओह आदमी के बुराई के इनाम देले बानी जे हमरा साथे शांति से रहे। (हँ, हम ओकरा के बचा लेले बानी जे बेवजह हमार दुश्मन ह।)
5 दुश्मन हमरा आत्मा के सतावे आ ओकरा के ले लेव। हँ, ऊ हमार जान धरती पर रौंद लेव आ हमार इज्जत धूल में डाल देव. सेलाह के बा।
6 हे प्रभु, अपना क्रोध में उठ के हमरा दुश्मनन के क्रोध के चलते उठ जा, आ हमरा खातिर ओह न्याय खातिर जाग जा, जवन तू आज्ञा देले बाड़ू।
7 एही तरे लोग के मंडली तोहरा के चक्कर लगाई।
8 यहोवा लोग के न्याय करीहें, हे प्रभु, हमरा धार्मिकता आ हमरा में जवन अखंडता बा ओकरा हिसाब से हमार न्याय करऽ।
9 अरे दुष्टन के दुष्टता के अंत होखे। लेकिन धर्मी के स्थापित करीं, काहेकि धर्मी परमेश्वर दिल आ लगाम के परीक्षण करेलन।
10 हमार बचाव परमेश्वर के ओर से बा, जे सोझ दिल के लोग के बचावेला।
11 परमेस् वर धर्मी लोग के न् याय करेलन आउर परमेस् वर हर दिन दुष्टन पर क्रोधित रहेलन।
12 अगर उ ना मुड़ल त तलवार के चकनाचूर करी। ऊ आपन धनुष मोड़ के तइयार कइले बा।
13 ऊ ओकरा खातिर मौत के औजार भी तइयार कइले बा। ऊ सतावे वाला लोग के खिलाफ आपन तीर लगावेला।
14 देखऽ, ऊ अधर्म से प्रसव करत बा आ दुष्टता के गर्भ में आवत बा आ झूठ पैदा कइले बा।
15 ऊ एगो गड्ढा बनवले आ ओकरा के खोद के ओह खाई में गिर गइल बा जवन ऊ बनवले रहले.
16 ओकर बदमाशी ओकरा माथा पर वापस आ जाई आ ओकर हिंसक व्यवहार ओकरा पतई पर उतर जाई।
17 हम प्रभु के धार्मिकता के अनुसार ओकर स्तुति करब, आ सर्वोच्च प्रभु के नाम के स्तुति गाब।

अध्याय 8 के बा

1 (गित्तीथ के प्रमुख संगीतकार के, दाऊद के भजन।) हे हमनी के प्रभु यहोवा, तोहार नाम पूरा धरती में केतना बढ़िया बा! जे तोहार महिमा के आकाश से ऊपर रखले बा।
2 तू अपना दुश्मनन के चलते शिशु आ दूध पियावे वाला के मुँह से ताकत तय कइले बाड़ऽ, ताकि तू दुश्मन आ बदला लेवे वाला के शान्त कर सकीले।
3 जब हम तोहार आकाश के, तोहार अँगुरी के काम, चाँद आ तारा के, जवन तू तय कइले बाड़ऽ, ओकरा पर विचार करीं।
4 आदमी का ह, कि तू ओकर मन में बाड़ऽ? आ आदमी के बेटा, कि तू ओकरा के देखत बाड़ऽ?
5 काहेकि तू ओकरा के स्वर्गदूतन से तनी नीचे बना के ओकरा के महिमा आ आदर के मुकुट पहिनले बाड़ू।
6 तू ओकरा के अपना हाथ के काम पर प्रभुत्व बनवले बाड़ू। तू ओकरा गोड़ के नीचे सब कुछ रखले बाड़ू।
7 सब भेड़ आ बैल, हँ, आ खेत के जानवर।
8 हवा के चिरई, समुंदर के मछरी आ जवन कुछ भी समुंदर के रास्ता से गुजरेला।
9 हे हमनी के प्रभु, तोहार नाम पूरा धरती में केतना बढ़िया बा!

अध्याय 9 के बा

1 (मुथलाबेन के प्रमुख संगीतकार के, दाऊद के एगो भजन।) हे प्रभु, हम तोहार पूरा मन से स्तुति करब। हम तोहार सब अचरज के काम देखा देब।
2 हम तोहरा पर खुश होखब आ आनन्दित होखब, हे परमात्मा, हम तोहार नाम के गुणगान करब।
3 जब हमार दुश्मन पीछे हट जइहें त तोहरा सामने गिर के नाश हो जइहें।
4 काहेकि तू हमार अधिकार आ हमार मुद्दा के कायम रखले बाड़। तू सही न्याय करत सिंहासन पर बइठल बाड़ऽ।
5 तूं गैर-यहूदी के डांटले बाड़, दुष्टन के नाश क देले बाड़ू, उनुकर नाम हमेशा खातिर खतम क देले बाड़ू।
6 हे दुश्मन, विनाश हमेशा खातिर खतम हो गइल बा, आ तू शहरन के नाश कर देले बाड़ऽ। उनकर स्मारक भी ओह लोग के साथे नाश हो जाला।
7 लेकिन यहोवा हमेशा खातिर टिकल रहिहे, उ आपन सिंहासन न्याय खातिर तैयार कर लेले बाड़े।
8 उ दुनिया के धार्मिकता से न्याय करीहे, उ लोग के न्याय के सेवा सीधा-सीधा करीहे।
9 परमेस् वर दबल-कुचलल लोग के शरण भी होईहे, विपत्ति के समय में भी शरण होईहे।
10 तोहार नाम के जाने वाला लोग तोहरा पर भरोसा करी काहे कि हे प्रभु, तू तोहरा के खोजे वाला के ना छोड़ले बाड़ू।
11 सिय्योन में रहे वाला यहोवा के स्तुति गाईं, लोग के बीच उनकर काम सुनाईं।
12 जब उ खून खातिर पूछताछ करेला त उ लोग के याद करेला।
13 हे प्रभु, हमरा पर दया करऽ। हमरा से नफरत करे वाला, तू जे हमरा के मौत के फाटक से उठावेला, ओकरा से हम जवन परेशानी उठावत बानी, ओकरा के सोची।
14 ताकि हम सिय्योन के बेटी के फाटक में तोहार सब स्तुति कर सकीले।
15 गैर-यहूदी लोग जवन गड्ढा बनवले रहे, ओकरा में डूब गईल बा, जवना जाल में उ लोग लुकाईल रहे, ओकरा में उनुकर गोड़ पकड़ल गईल बा।
16 प्रभु के जवन न्याय करेला ओकरा से जानल जाला, दुष्ट अपना हाथ के काम में फंसल बा। हिग्गैओन के बा। सेलाह के बा।
17 दुष्ट लोग नरक में बदल जाई, आऊ सब राष्ट्र जे परमेश्वर के भुला जाई।
18 जरूरतमंद के हमेशा ना भुलाए के होई, गरीब के उम्मीद हमेशा खातिर ना खतम होई।
19 हे प्रभु, उठऽ। आदमी के जीत ना होखे, तोहरा नजर में गैर-यहूदी के न्याय होखे।
20 हे प्रभु, ओह लोग के डेरा द, ताकि जाति लोग अपना के खाली आदमी के रूप में जान सके। सेलाह के बा।

अध्याय 10 के बा

1 हे प्रभु, तू दूर काहे खड़ा बाड़ऽ? तू विपत्ति के समय में काहे लुकाइल बाड़ू?
2 दुष्ट अपना घमंड से गरीबन के सतावेला, उ लोग के उ षड्यंत्र में पकड़ल जाव जवन उ लोग सोचले बाड़े।
3 काहे कि दुष्ट अपना मन के इच्छा के बड़ाई करेला आ लालची के आशीष देला, जेकरा से प्रभु घृणा करेलन।
4 दुष्ट अपना चेहरा के घमंड से भगवान के खोज ना करी।
5 उनकर रास्ता हमेशा दुखद रहेला। तोहार न्याय ओकरा नजर से बहुत ऊपर बा, जइसे कि ओकर सब दुश्मनन के बारे में ऊ ओकरा पर फुफकारत बा।
6 उ मन में कहले बा कि हम कवनो हिलब ना होखब, काहेकि हम कबो विपत्ति में ना पड़ब।
7 ओकर मुँह गारी, धोखा आ धोखा से भरल बा, ओकरा जीभ के नीचे बदमाशी आ आडंबर बा।
8 गाँव के लुकाइल जगहन पर बइठल रहेला, गुप्त जगहन पर निर्दोष के हत्या करेला, ओकर नजर गरीबन पर गुप्त रूप से बा।
9 ऊ अपना मांद में शेर नियर गुप्त रूप से लेटत रहेला, गरीब के पकड़े खातिर बेहाल रहेला, गरीब के पकड़ लेला, जब ऊ ओकरा के अपना जाल में खींच लेला।
10 ऊ कुबड़ा होके अपना के नम्र हो जाला, ताकि गरीब लोग अपना मजबूत लोग के साथ गिर सके।
11 ऊ मन में कहले बा कि भगवान भुला गइल बाड़न। ऊ एकरा के कबो ना देख पाई।
12 हे प्रभु, उठऽ। हे भगवान, आपन हाथ उठाईं, विनम्र लोग के मत भुलाईं।
13 दुष्ट भगवान के काहे तिरस्कार करेला? ऊ मन में कहले बा कि तू एकर माँग ना करबऽ।
14 तूँ एकरा के देखले बाड़ऽ। काहे कि तूँ बदमाशी आ घृणा देखत बाड़ऽ कि ओकर बदला अपना हाथ से मिल जाव. तूँ अनाथ के सहायक हउअ।
15 दुष्ट आ दुष्ट के बाँहि तूड़ऽ, जबले कवनो ना मिल जाव तबले ओकर दुष्टता के खोजत रहऽ।
16 यहोवा हमेशा खातिर राजा हवें, उनकरा देश से गैर-यहूदी नाश हो गइल बा।
17 प्रभु, तू विनम्र लोग के इच्छा सुनले बाड़ू, तू ओह लोग के दिल तइयार करबऽ, तू आपन कान सुनवा देबऽ।
18 बाप-बाप आ दबल-कुचलल लोग के न्याय करे के ताकि धरती के आदमी अब अत्याचार ना करे।

अध्याय 11 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के, दाऊद के भजन।) हम प्रभु पर भरोसा रखले बानी, तू लोग हमरा आत्मा से कइसे कहत बाड़ू कि चिरई निहन भाग जा, अपना पहाड़ प?
2 काहे कि देखऽ, दुष्ट लोग आपन धनुष मोड़ के तार पर आपन तीर तइयार करेला, ताकि ऊ लोग सोझ दिल वाला लोग पर गुप्त रूप से गोली चला सके।
3 अगर नींव नष्ट हो जाई त धर्मी लोग का कर सकेला?
4 प्रभु अपना पवित्र मंदिर में बा, प्रभु के सिंहासन स्वर्ग में बा, आदमी के संतान, ओकर आँख देखत बा, ओकर पलक परीक्षा में बा।
5 परमेस् वर धर्मी के परीक्षा करेलन, लेकिन दुष्ट आ हिंसा से प्रेम करे वाला से ओकर जान नफरत करेला।
6 दुष्टन पर ऊ जाल, आग आ गंधक आ भयावह तूफान बरसावेला, ई ओह लोग के प्याला के हिस्सा होई।
7 काहेकि धर्मी प्रभु धार्मिकता से प्यार करेलन। ओकर चेहरा सोझ लोग के देखत बा।

अध्याय 12 के बा

1 (शेमिनिथ पर प्रमुख संगीतकार के, दाऊद के एगो भजन।) हे प्रभु, मदद करऽ; काहे कि भक्तिमान आदमी बंद हो जाला; काहेकि विश्वासी लोग मनुष्य के संतान में से असफल हो जाला।
2 ऊ लोग हर केहू अपना पड़ोसी के साथे व्यर्थ बोलेला, चापलूसी करे वाला होंठ आ दोग दिल से बोलेला।
3 प्रभु सब चापलूसी करे वाला होठ आ घमंडी बात कहे वाला जीभ के काट दिहे।
4 ऊ लोग कहले बा कि हमनी के जीभ से जीत होखब जा। हमनी के होठ हमनी के आपन ह, हमनी के मालिक के बा?
5 गरीबन के अत्याचार आ जरूरतमंद के आह खातिर अब हम उठब, यहोवा कहत बाड़न। जे ओकरा पर फुफकारत ओकरा से हम ओकरा के सुरक्षित राखब।
6 यहोवा के वचन शुद्ध वचन ह, जइसे चाँदी माटी के भट्ठी में परीक्षण कइल जाला आ सात बेर शुद्ध कइल जाला।
7 हे प्रभु, तूँ ओह लोग के रखबऽ, तूँ ओह लोग के एह पीढ़ी से हमेशा खातिर बचाइबऽ।
8 दुष्ट लोग चारो ओर चलेला, जब सबसे नीच आदमी के ऊपर उठावल जाला।

अध्याय 13 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के, दाऊद के एगो भजन।) हे प्रभु, तू हमरा के कब तक भुलाएब? हरमेशा खातिर? कब ले आपन मुँह हमरा से छिपा के रहबऽ?
2 हम कब तक अपना मन में सलाह लेब, हमरा मन में रोज दुख रहे? कब तक हमार दुश्मन हमरा ऊपर ऊँच होई?
3 हे हमार परमेश्वर यहोवा, हमरा पर विचार करऽ आ सुनऽ, हमार आँख हल्का करऽ, कहीं हम मौत के नींद ना सुत जाईं।
4 कहीं हमार दुश्मन ई ना कहे कि हम ओकरा से जीत हासिल कइले बानी। आ हमरा के परेशान करे वाला लोग जब हम हिल जानी त खुश हो जाला।
5 लेकिन हम तोहरा दया पर भरोसा कइले बानी। तोहरा उद्धार में हमार मन खुश हो जाई।
6 हम यहोवा के गाना गाब, काहेकि उ हमरा साथे भरपूर व्यवहार कईले बाड़े।

अध्याय 14 के बा

1 (मुख्य संगीतकार से, दाऊद के एगो भजन।) मूर्ख मन में कहले बा कि, "परमेशवर कवनो नइखन।" ऊ लोग भ्रष्ट बा, घिनौना काम कइले बा, भलाई करे वाला केहू नइखे।
2 प्रभु स्वर्ग से आदमी के संतान के ओर देखत रहले कि का केहू समझत बा आ भगवान के खोजत बा।
3 उ सब एक ओर चल गईल बाड़े, सब मिल के गंदा हो गईल बाड़े, भलाई करे वाला केहु नईखे, ना एकहू।
4 का सब अधर्म के काम करे वाला के कवनो ज्ञान नइखे? जे हमार लोग के रोटी खात घरी खात बा आ प्रभु के ना पुकारत बा।
5 उहाँ उ लोग बहुत डेरात रहले, काहेकि परमेश्वर धर्मी लोग के पीढ़ी में बाड़े।
6 तूँ गरीबन के सलाह के शर्मिंदा कर दिहलऽ काहे कि यहोवा ओकर शरण हउवन।
7 काश इस्राएल के उद्धार सिय्योन से निकल गइल होखे! जब यहोवा अपना लोग के बंदी के वापस ले अइहें त याकूब खुश हो जइहें आ इस्राएल खुश हो जइहें।

अध्याय 15 के बा

1 (दाऊद के भजन।) प्रभु, तोहरा तम्बू में के रहेला? तोहरा पवित्र पहाड़ी में के रह जाई?
2 जे सीधा-सीधा चलेला आ धार्मिकता के काम करेला आ अपना मन में सच्चाई के बात करेला।
3 जे अपना जीभ से ना कटावेला आ ना ही अपना पड़ोसी के बुराई करेला आ ना ही अपना पड़ोसी के निंदा करेला।
4 जेकरा नजर में नीच आदमी के तिरस्कार कइल जाला। लेकिन उ प्रभु से डेराए वाला के आदर करेला। जे अपना नुकसान के किरिया खाला आ बदलत नइखे।
5 जे आपन पइसा सूद में ना निकालेला आ ना ही निर्दोष के इनाम लेला। जे इ काम करी, उ कबो हिल ना पाई।

अध्याय 16 के बा

1 (दाऊद के मिचतम।) हे परमेश्वर, हमरा के बचाईं, काहेकि हम तोहरे पर भरोसा करत बानी।
2 हे हमार प्राण, तू प्रभु से कहले बाड़ू कि तू हमार प्रभु हउअ, हमार भलाई तोहरा तक नइखे।
3 लेकिन धरती पर मौजूद पवित्र लोग आ श्रेष्ठ लोग खातिर, जेकरा में हमार पूरा खुशी बा।
4 दोसरा देवता के पाछे जल्दी आवे वाला लोग के दुख बढ़ जाई, हम ओह लोग के खून के पेय बलि ना चढ़ब आ ना ही ओह लोग के नाम अपना होंठ में उठाइब।
5 हमार उत्तराधिकार आ प्याला के हिस्सा यहोवा हउवें, तू हमार भाग्य के पालन करत बाड़ऽ।
6 लाइन हमरा खातिर सुखद जगह पर गिर गइल बा। हँ, हमरा लगे एगो बढ़िया विरासत बा.
7 हम यहोवा के आशीष देब, जे हमरा के सलाह देले बाड़े।
8 हम हमेशा प्रभु के अपना सोझा रखले बानी, काहे कि उ हमरा दाहिना ओर बाड़े, एहसे हम ना हिलब।
9 एही से हमार मन खुश बा आ हमार महिमा खुश बा, हमार शरीर भी आशा में आराम करी।
10 काहे कि तू हमरा प्राण के नरक में ना छोड़ब। ना त तू अपना पवित्र के विनाश देखे देबऽ।
11 तू हमरा के जीवन के रास्ता देखा देबऽ, तोहरा सान्निध्य में आनन्द के पूर्णता बा। तोहरा दाहिना हाथ में हमेशा खातिर सुख बा।

अध्याय 17 के बा

1 (दाऊद के एगो प्रार्थना।) हे प्रभु, सही सुन, हमार पुकार पर ध्यान दीं, हमार प्रार्थना पर कान दीं, जवन नकली होंठ से ना निकले।
2 हमार वाक्य तोहरा सोझा से निकले। तोहार आँख बराबर के चीजन के देख लेव।

3 तू हमार दिल के परखले बाड़ू। तू रात में हमरा से भेंट कइले बाड़ऽ। तू हमरा के परखले बाड़ू, लेकिन कुछुओ ना मिली। हमार उद्देश्य बा कि हमार मुँह उल्लंघन ना करे।
4 आदमी के काम के बारे में तोहरा होठ के वचन से हम हमरा के नाश करे वाला के रास्ता से बचा लेले बानी।
5 हमार रास्ता अपना रास्ता में ऊपर उठाईं, ताकि हमार कदम ना फिसल जाव।
6 हम तोहरा के पुकारले बानी, काहे कि हे भगवान, तू हमार बात सुनब, हमरा ओर कान झुका के हमार बात सुनऽ।
7 हे जे तोहरा पर भरोसा करे वाला लोग के अपना दहिना हाथ से बचावत बा, ओकरा खिलाफ उठल लोग से आपन अद्भुत दया देखाईं।
8 हमरा के आँख के सेब निहन राख, हमरा के अपना पाँख के छाया में छिपा द,
9 हमरा पर अत्याचार करे वाला दुष्टन से, हमरा के चारों ओर घूमे वाला हमरा जानलेवा दुश्मनन से।
10 ऊ लोग अपना चर्बी में बंद बा, मुँह से घमंड से बोलत बा।
11 उ लोग अब हमनी के कदम से घेर लेले बाड़े, उ लोग धरती के ओर झुक के आपन नजर रखले बाड़े।
12 जइसे शेर अपना शिकार के लालची होखे आ जइसे कवनो शेर के बच्चा गुप्त जगहन पर लुकाइल होखे।
13 हे प्रभु, उठ के ओकरा के निराश करऽ, ओकरा के गिरा दऽ, हमरा प्राण के दुष्ट से बचावऽ, जवन तोहार तलवार ह।
14 हे यहोवा, दुनिया के आदमी से जवन तोहार हाथ ह, जेकरा एह जीवन में आपन हिस्सा बा, आ जेकर पेट तू अपना छिपल खजाना से भरत बाड़ू, उ लोग लइका से भरल बा आ आपन बाकी संपत्ति अपना हाथ में छोड़ देले बा बेबस के बा।
15 रहल बात हमरा त हम तोहार चेहरा के धार्मिकता से देखब, जब हम जागब त तोहार नकली से तृप्त होखब।

अध्याय 18 के बा

1 (प्रमुख संगीतकार, दाऊद के एगो भजन, जे यहोवा के सेवक ह, जे ओह दिन यहोवा से एह गीत के बात कहले रहे जब यहोवा ओकरा के अपना सब दुश्मनन के हाथ से आ शाऊल के हाथ से बचा लिहले रहले : आ ऊ कहले,) हम तोहरा से प्यार करब, हे प्रभु, हमार ताकत।
2 यहोवा हमार चट्टान, हमार किला आ हमार उद्धारकर्ता हवें। हमार भगवान, हमार ताकत, जेकरा पर हम भरोसा करब। हमार बकसुआ, आ हमरा उद्धार के सींग आ हमार ऊँच बुर्ज।
3 हम यहोवा के पुकारब, जे स्तुति करे लायक हउवें, ओइसहीं हम अपना दुश्मनन से मुक्त होखब।
4 मौत के दुख हमरा के घेरले रहे आ अभक्त लोग के बाढ़ हमरा के डेरा दिहलस।
5 नरक के दुख हमरा के घेरले रहे, मौत के जाल हमरा के रोकत रहे।
6 हम अपना संकट में यहोवा के पुकारनी आ अपना भगवान से पुकारनी, उ अपना मंदिर से हमार आवाज सुनले अवुरी हमार पुकार उनुका सोझा उनुका कान में आ गईल।
7 तब धरती हिलल आ काँप गइल। पहाड़ी के नींव भी हिलल आ हिल गईल, काहे कि उ गुस्सा में रहले।
8 उनकर नाक के छेद से धुँआ निकलल आ उनकर मुँह से आग भस्म हो गइल आ ओकरा से कोयला जर गइल।
9 ऊ आकाश के भी झुका के उतरलन आ उनकर गोड़ के नीचे अन्हार हो गइल।
10 ऊ एगो करुब पर सवार होके उड़त रहले आ हवा के पाँख पर उड़त रहले।
11 ऊ अन्हार के आपन गुप्त जगह बनवले। चारो ओर उनकर मंडप करिया पानी आ आसमान के मोट बादल रहे।
12 ओकरा सामने जवन चमक रहे ओकरा पर ओकर मोट बादल बीत गइल, ओला पड़ल पत्थर आ आग के कोयला।
13 परमेश् वर आकाश में गरजत रहलन आ परमात्मा आपन आवाज दिहलन। ओला के पत्थर आ आग के कोयला।
14 हँ, ऊ आपन तीर भेज के ओकरा के तितर-बितर कर दिहलन। आ बिजली गिरा के ओह लोग के बेचैन कर दिहलन.
15 हे परमेस् वर, तोहरा डांटला पर पानी के नाला देखाई पड़ल आ दुनिया के नींव के पता चलल।
16 ऊ ऊपर से भेजलन, हमरा के ले गइलन, हमरा के बहुत पानी से निकाल दिहलन।
17 उ हमरा के हमरा मजबूत दुश्मन से अवुरी हमरा से नफरत करेवाला लोग से बचा लेले, काहेंकी उ लोग हमरा खाती बहुत मजबूत रहले।
18 हमरा विपत्ति के दिन उ लोग हमरा के रोकले, लेकिन यहोवा हमार ठहराव रहले।
19 उ हमरा के एगो बड़हन जगह पर ले अइले। उ हमरा के बचा लिहले, काहे कि उ हमरा में खुश रहले।
20 प्रभु हमरा धार्मिकता के हिसाब से इनाम दिहलन। हमरा हाथ के साफ-सफाई के हिसाब से उ हमरा के बदला देले बाड़े।
21 काहेकि हम प्रभु के रास्ता के पालन कइले बानी आ अपना भगवान से दुष्टता से ना हटनी।
22 काहेकि उनकर सब फैसला हमरा सामने रहे आ हम उनकर नियम हमरा से ना छोड़ले रहनी।
23 हमहूँ ओकरा सामने सीधा रहनी आ अपना अधर्म से अपना के बचावत रहनी।
24 एही से परमेस् वर हमरा के अपना धार्मिकता के हिसाब से बदला देले बाड़े, जवन कि उनुका नजर में हमार हाथ के साफ-सफाई के मुताबिक बा।
25 दयालु लोग के साथे तू अपना के दयालु देखबऽ। सोझ आदमी के साथे तू अपना के सीधा देखावेबऽ।
26 शुद्ध के साथे तू अपना के शुद्ध देखावेब। आ फूहड़ के साथे तू अपना के खिसियाह देखावेब।
27 काहे कि तू दुखी लोग के बचाइबऽ। लेकिन मुरझा ऊँच देखाई देवे के नीचे ले आई।
28 काहे कि तू हमार दीया जरा देबऽ, हमार परमेस् वर यहोवा हमरा अन्हार के रोशन करीहें।
29 काहे कि तोहरा से हम एगो दल के बीच से दौड़ल बानी। आ हम अपना भगवान के द्वारा एगो देवाल पर कूद गइल बानी।
30 रहल बात परमेश्वर के त उनकर रास्ता सिद्ध बा, यहोवा के वचन परखल जाला, उ सब लोग खातिर बकरी हवे जे उनकरा पर भरोसा करेला।
31 काहे कि प्रभु के छोड़ के भगवान के हवें? भा हमनी के भगवान के छोड़ के के चट्टान ह?
32 ई परमेस् वर हवें जे हमरा के ताकत से बान्हले बाड़न आ हमरा रास्ता के सिद्ध बनावेलन।
33 उ हमरा गोड़ के पिछड़ा के गोड़ निहन बनावेले अवुरी हमरा ऊँच जगह प बईठावेले।

34 उ हमरा हाथ के युद्ध के सिखावेला, ताकि फौला के धनुष हमरा बांह से टूट जाला।
35 तू हमरा के आपन उद्धार के ढाल भी देले बाड़ू, आ तोहार दाहिना हाथ हमरा के ऊपर उठा के रखले बा आ तोहार कोमलता हमरा के महान बना देले बा।
36 तू हमरा नीचे हमार कदम बढ़ा देले बाड़ू कि हमार गोड़ ना फिसल जाव।
37 हम अपना दुश्मनन के पीछा क के ओह लोग के पकड़ले बानी आ जबले ऊ लोग ना ना हो गइल तबले हम फेर से ना मुड़नी।
38 हम ओह लोग के घायल क देले बानी कि उ लोग उठ ना पवले, उ लोग हमरा गोड़ के नीचे गिर गईल बाड़े।
39 काहेकि तू हमरा के लड़ाई में ताकत से बान्हले बाड़ू, हमरा खिलाफ उठल लोग के हमरा अपना अधीन क देले बाड़ू।
40 तू हमरा के दुश्मनन के गरदन भी देले बाड़ू। ताकि हम ओह लोग के नाश कर सकीले जवन हमरा से नफरत करेला।
41 उ लोग चिल्लात रहले, लेकिन उ लोग के बचावे वाला केहु ना रहे, लेकिन उ लोग के जवाब ना देले।
42 तब हम ओह लोग के हवा के सामने धूल निहन छोट-छोट पीट देनी अवुरी गली में गंदगी निहन बाहर निकाल देनी।
43 तू हमरा के लोग के झगड़ा से बचा लेले बाड़ू। आ तू हमरा के गैर-यहूदी के मुखिया बनवले बाड़ू, जवना लोग के हम नइखी जानत, उ हमार सेवा करी।
44 जइसहीं उ लोग हमरा बारे में सुन के हमार बात मान लिहे, परदेसी लोग हमरा अधीन हो जाई।
45 परदेसी लोग फीका हो जाई आ अपना नजदीकी जगह से डेरा जाई।
46 यहोवा जिंदा बाड़े। आ धन्य होखे हमार चट्टान। आ हमरा उद्धार करे वाला भगवान के ऊँचाई दिहल जाव.
47 ई परमेस् वर हवें जे हमरा के बदला लेत बाड़न आ हमरा अधीन लोग के अपना वश में कर देत बाड़न।
48 ऊ हमरा के हमरा दुश्मनन से बचावेला, हँ, तू हमरा के हमरा खिलाफ उठल लोग से ऊपर उठावत बाड़ऽ, तू हमरा के हिंसक आदमी से बचा लेले बाड़ऽ।
49 एही से हे परमेस् वर, हम तोहरा के जाति-जाति के बीच धन्यवाद देब आ तोहार नाम के गुणगान करब।
50 ऊ अपना राजा के बहुते मुक्ति देत बा. आ अपना अभिषिक्त, दाऊद आ अपना संतान पर हमेशा खातिर दया करेला।

अध्याय 19 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के, दाऊद के एगो भजन।) आकाश परमेश्वर के महिमा के घोषणा करेला। आ आकाश में उनकर हाथ के काम देखावल गइल बा।
2 दिन-प्रतिदिन बात बोलेला आ रात-रात ज्ञान के बात करेला।
3 ना बोलल बा ना भाषा, जहाँ उनकर आवाज ना सुनाई देला।
4 उनकर वंश पूरा धरती में आउर उनकर बात दुनिया के अंत तक चल गईल बा। ओहमें ऊ सूरज खातिर एगो तम्बू बनवले बाड़न.
5 ऊ दूल्हा नियर होला जे अपना कोठरी से निकल के एगो ताकतवर आदमी के दौड़ दौड़ावे खातिर खुश होला।
6 ओकर निकलल आकाश के छोर से आ ओकर चक्कर ओकरा छोर तक बा, आ ओकरा गर्मी से कुछुओ छिपल नइखे।
7 प्रभु के व्यवस्था सिद्ध बा, जवन आत्मा के बदल देवेला, प्रभु के गवाही पक्का बा, जवन कि सरल लोग के बुद्धिमान बनावेला।
8 यहोवा के नियम सही बा, जवन दिल के खुश करेला, यहोवा के आज्ञा शुद्ध बा, जवन आँख के रोशन करेला।
9 यहोवा के भय साफ बा, हमेशा खातिर बनल रहेला, यहोवा के न्याय सही आ एकदम से धर्मी बा।
10 सोना से भी जादा महीन सोना से भी जादा इच्छुक बा।
11 आऊ ओह लोग के द्वारा तोहार सेवक के चेतावल जाला आ ओह लोग के पालन करे में बहुत इनाम मिलेला।
12 ओकर गलती के समझ सकेला? तू हमरा के गुप्त दोष से साफ करऽ।
13 अपना सेवक के भी घमंडी पाप से बचाव; हमरा पर उ लोग के राज ना होखे, तब हम सीधा होखब, अवुरी बड़ अपराध से निर्दोष होखब।
14 हे प्रभु, हमार ताकत आ हमरा मुक्तिदाता, हमरा मुँह के बात आ मन के मनन तोहरा नजर में स्वीकार्य होखे।

अध्याय 20 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के, दाऊद के भजन।) विपत्ति के दिन तोहार बात सुनस। याकूब के भगवान के नाम तोहार बचाव करेला;
2 पवित्र स्थान से तोहरा के सहायता भेजऽ आ सिय्योन से तोहरा के मजबूत करऽ।
3 आपन सब बलिदान के याद करऽ आ आपन होमबलि स्वीकार करऽ। सेलाह के बा।
4 अपना मन के हिसाब से तोहरा के दान करऽ आ आपन सब सलाह पूरा करऽ।
5 हमनी के तोहार उद्धार में आनन्दित होखब जा आ अपना परमेश्वर के नाम से आपन झंडा लगा देब जा।
6 अब हम जान गईनी कि यहोवा अपना अभिषिक्त के बचावेले। ऊ अपना दाहिना हाथ के उद्धार शक्ति से अपना पवित्र स्वर्ग से ओकर बात सुनत होई।
7 केहू रथ पर भरोसा करेला आ कुछ घोड़ा पर, लेकिन हमनी के अपना परमेश्वर यहोवा के नाम याद करब जा।
8 उ लोग गिर के गिर गईल बाड़े, लेकिन हमनी के जी उठ के सीधा खड़ा बानी जा।
9 हे प्रभु, बचाव, जब हमनी के पुकारत बानी जा त राजा हमनी के बात सुनस।

अध्याय 21 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के, दाऊद के एगो भजन।) हे प्रभु, राजा तोहरा ताकत में आनन्दित होई। आ तोहरा उद्धार में ऊ केतना खुश होई!
2 तू ओकरा के दिल के इच्छा देले बाड़ू, आ ओकरा होठ के निहोरा के ना रोकले बाड़ू। सेलाह के बा।
3 तू ओकरा के भलाई के आशीष से रोकत बाड़ऽ, ओकरा माथा पर शुद्ध सोना के मुकुट लगावत बाड़ऽ।
4 ऊ तोहरा से जान मँगलन आ तू ओकरा के हमेशा खातिर दिन के लंबाई दे दिहनी।
5 उनकर महिमा तोहरा उद्धार में बहुत बा, तू ओकरा पर आदर आ महिमा रखले बाड़ू।

6 काहेकि तू ओकरा के हमेशा खातिर सबसे ज्यादा धन्य बनवले बाड़ू, ओकरा के अपना चेहरा से बहुत खुश कर देले बाड़ू।
7 काहेकि राजा परमेश् वर पर भरोसा करेला आ परम ऊंचा के दया से ऊ कवनो हिलल ना जाई।
8 तोहार हाथ तोहार सब दुश्मन के पता लगाई, तोहार दाहिना हाथ तोहरा से नफरत करे वाला के पता लगाई।
9 तू अपना क्रोध के समय ओह लोग के आग के भंडार निहन बना देब, प्रभु अपना क्रोध में ओ लोग के निगल जईहे अवुरी आग ओ लोग के खा जाई।
10 तू ओह लोग के फल के धरती से आ ओह लोग के संतान के मनुष्य के संतान के बीच से नष्ट कर देब।
11 काहेकि उ लोग तोहरा खिलाफ बुराई के इरादा रखले रहले, उ लोग एगो बदमाश के कल्पना कईले रहले, जवना के उ लोग पूरा नईखन क सकत।
12 एही से तू ओह लोग के पीठ फेरबऽ जब तू ओह लोग के मुँह पर आपन तार पर आपन तीर तइयार करबऽ।
13 हे प्रभु, तू अपना बल से ऊँच हो जा, हमनी के गावत रहब जा आ तोहार शक्ति के स्तुति करब जा।

अध्याय 22 के बा

1 (दाऊद के एगो भजन ऐजेलेथ शहर के प्रमुख संगीतकार के।) हे भगवान, हे हमार परमेश्वर, तू हमरा के काहे छोड़ देले बाड़ू? तू हमरा मदद करे से आ हमरा गर्जना के बात से काहे एतना दूर बाड़?
2 हे भगवान, हम दिन में चिल्लात बानी, लेकिन तू सुनत नईखू। आ रात के मौसम में, आ चुप नइखी।
3 हे इस्राएल के स्तुति में रहे वाला, तू पवित्र बाड़ू।
4 हमनी के पुरखन तोहरे पर भरोसा करत रहले, उ लोग भरोसा कईले अवुरी तू ओ लोग के बचा लेले।
5 उ लोग तोहरा से चिल्ला के मुक्त हो गईले, उ लोग तोहरा प भरोसा कईले, लेकिन उ लोग के कवनो शर्मिंदगी ना भईल।
6 लेकिन हम कीड़ा हईं, आ आदमी ना हईं। आदमी के निंदा, आ लोग के तिरस्कार कइल।
7 हमरा के देखे वाला सब हमरा के तिरस्कार करत हँसत बाड़े, होंठ से गोली मारत बाड़े, माथा हिला के कहत बाड़े।
8 ऊ प्रभु पर भरोसा कइलन कि ऊ ओकरा के बचावे, काहे कि ऊ ओकरा में खुश होके ओकरा के बचावे।
9 लेकिन तू उहे हई जे हमरा के पेट से निकालले बाड़ू, जब हम माई के छाती प रहनी त तू हमरा के आशा देले रहलू।
10 हम पेट से तोहरा पर फेंकल बानी, तू हमरा माई के पेट से हमार भगवान हउअ।
11 हमरा से दूर मत रहऽ। काहे कि मुसीबत नजदीक आ गइल बा; काहे कि कवनो मदद करे वाला नइखे.
12 बहुत बैल हमरा के घेरले बाड़े, बाशान के मजबूत बैल हमरा के घेरले बाड़े।
13 ऊ लोग हमरा पर आपन मुँह से फाड़ दिहल, जइसे कि एगो खरखर आ गर्जत शेर।
14 हम पानी निहन उझल गईल बानी अवुरी हमार सभ हड्डी जोड़ से निकल गईल बा, हमार दिल मोम निहन बा। हमरा आंत के बीच में पिघल जाला।
15 हमार ताकत बर्तन के टुकड़ा निहन सूख गईल बा। आ हमार जीभ हमरा जबड़ा से चिपक जाला। आ तू हमरा के मौत के धूल में डाल देले बाड़ू।
16 काहे कि कुकुर हमरा के घेरले बाड़े, दुष्टन के भीड़ हमरा के घेर लेले बाड़े अवुरी हमरा हाथ अवुरी गोड़ में छेद कईले बाड़े।
17 हम अपना सब हड्डी के बता सकत बानी, उ हमरा के देखत बाड़े अवुरी एकटक देखत बाड़े।
18 उ लोग हमरा कपड़ा के बांट के हमरा कपड़ा प चिट्ठी डालत रहले।
19 हे प्रभु, तू हमरा से दूर मत रहऽ, हे हमार ताकत, हमरा मदद करे में जल्दी करऽ।
20 हमरा प्राण के तलवार से बचाव; कुकुर के ताकत से हमार प्रियतम।
21 हमरा के शेर के मुँह से बचाव, काहे कि तू हमरा के गेंडा के सींग से सुनले बाड़ू।
22 हम अपना भाई लोग के सामने तोहार नाम बताइब, हम मंडली के बीच तोहार स्तुति करब।
23 हे जे प्रभु से डेरात बानी, ओकर स्तुति करीं। याकूब के वंशज सब, उनकर महिमा करीं। आऊ सब इस्राएल के वंशज, ओकरा से डेराईं।
24 काहे कि ऊ दुखी लोग के दुख के तिरस्कार ना कइले बा आ ना घृणा कइले बा। ना ही उ आपन चेहरा ओकरा से छिपवले बा। लेकिन जब उ ओकरा से पुकारलस त सुनले।
25 हमार स्तुति बड़का मंडली में तोहरा से होई, हम ओकरा से डेराए वाला लोग के सामने आपन व्रत पूरा करब।
26 नम्र लोग खा जाई आ तृप्त होई, उ लोग प्रभु के स्तुति करी जे ओकरा के खोजत होई, तोहार मन हमेशा खातिर जिंदा रही।
27 दुनिया के सब छोर यहोवा के याद करी आ ओकरा ओर मुड़ जाई, आ जाति के सब जाति तोहरा सामने आराधना करी।
28 काहेकि राज्य प्रभु के ह, उ राष्ट्र के बीच के राज्यपाल हवे।
29 धरती पर जे मोट बा ऊ सब खा के पूजा करी, जे भी धूरा में उतरल बा, ओकरा सामने प्रणाम करी आ केहू अपना प्राण के जिंदा ना राख सकेला।
30 एगो संतान ओकर सेवा करी। एक पीढ़ी तक एकर हिसाब प्रभु के सामने होई।
31 उ लोग आके आपन धार्मिकता के बारे में बताईहे जवन जनम होई, कि उ अयीसन कईले बाड़े।

अध्याय 23 के बा

1 (दाऊद के भजन।) यहोवा हमार चरवाहा हवे। हमरा त कवनो कमी ना होई।
2 ऊ हमरा के हरियर चारागाह में सुतावेला आ हमरा के शांत पानी के किनारे ले जाला।
3 उ हमरा प्राण के ठीक करेला, उ हमरा के अपना नाम खातिर धर्म के रास्ता पर ले जाला।
4 हँ, भले हम मौत के परछाई के घाटी में चलब, लेकिन कवनो बुराई से ना डेराएब, काहेकि तू हमरा साथे बाड़ू। तोहार छड़ी आ तोहार डंडा हमरा के दिलासा देत बाड़े।
5 तू हमरा दुश्मनन के सामने एगो मेज तैयार करऽ, तू हमरा माथा पर तेल के अभिषेक करऽ। हमार प्याला दौड़त बा।
6 हमरा जिनिगी भर भलाई आ दया हमरा पीछे-पीछे चलत रही आ हम हमेशा खातिर यहोवा के घर में रहब।

अध्याय 24 के बा

1 (दाऊद के भजन।) धरती प्रभु के ह आ ओकर पूर्णता। दुनिया आ ओकरा में रहे वाला लोग।
2 काहे कि ऊ एकरा के समुंदर पर नींव रखले बाड़न आ जलप्रलय पर स्थापित कइले बाड़न।
3 प्रभु के पहाड़ी पर के चढ़ी? या ओकरा पवित्र स्थान पर के खड़ा होई?
4 जेकर हाथ साफ बा आ मन शुद्ध बा। जे ना त आपन प्राण के आडंबर में उठवले बा आ ना ही धोखा के किरिया खइले बा।
5 ऊ प्रभु से आशीष आउर अपना उद्धार करे वाला परमेश्वर से धार्मिकता पाई।
6 हे याकूब, जे ओकरा के खोजत बा, जे तोहार मुँह खोजत बा, ओकर पीढ़ी इहे ह। सेलाह के बा।
7 हे फाटक, आपन माथा उठाईं। आ अनन्त दरवाजा, तू लोग उठल रहऽ। आ महिमा के राजा भीतर आ जइहें।
8 ई महिमा के राजा के ह? प्रभु बलवान आ पराक्रमी, युद्ध में पराक्रमी प्रभु।
9 हे फाटक, आपन माथा उठाईं। हे अनन्त दरवाजा, ओह लोग के ऊपर उठाईं। आ महिमा के राजा भीतर आ जइहें।
10 ई महिमा के राजा के ह? सेना के प्रभु, उ महिमा के राजा हवे। सेलाह के बा।

अध्याय 25 के बा

1 (दाऊद के भजन।) हे प्रभु, हम तोहरा खातिर आपन प्राण उठावत बानी।
2 हे भगवान, हम तोहरा पर भरोसा करत बानी, हमरा के लाज मत दीं, हमरा दुश्मनन के हमरा पर जीत मत होखे दीं।
3 हँ, जे तोहार इंतजार करत बा, ऊ शर्मिंदा ना होखे, जे बेवजह उल्लंघन करेला।
4 हे प्रभु, हमरा के आपन रास्ता देखा द। हमरा के आपन रास्ता सिखा दऽ।
5 हमरा के अपना सच्चाई में ले जा आ हमरा के सिखाईं, काहेकि तू हमार उद्धार के परमेश्वर हउअ। तोहरा पर दिन भर इंतजार करत बानी।
6 हे प्रभु, आपन कोमल दया आ आपन दया के याद करऽ। काहे कि ऊ लोग कबो पुरान समय के रहल बा.
7 हे प्रभु, हमरा जवानी के पाप के याद मत करऽ आ ना हमरा अपराध के, अपना दया के अनुसार हमरा के याद करऽ, अपना भलाई खातिर।
8 प्रभु अच्छा आ सोझ हउवें, एही से उ पापी लोग के रास्ता में सिखावेला।
9 नम्र लोग के न्याय में मार्गदर्शन करी आ नम्र लोग के आपन रास्ता सिखावेला।
10 प्रभु के सब रास्ता दया आ सच्चाई ह, जे उनकर वाचा आ उनकर गवाही के पालन करेला।
11 हे प्रभु, तोहरा नाम खातिर हमार अपराध माफ करऽ। काहे कि ई बहुते बड़हन बा.
12 ऊ कवन आदमी ह जे प्रभु से डेरात बा? ओकरा के ओह तरीका से सिखावे जवन ऊ चुनी.
13 ओकर आत्मा आराम से रह जाई। आ ओकर संतान धरती के उत्तराधिकारी हो जाई।
14 यहोवा के राज उनकरा से डेरावे वाला लोग के साथे बा। आ ऊ ओह लोग के आपन वाचा देखा दीहें.
15 हमार नजर हमेशा यहोवा के ओर रहेला। काहे कि ऊ हमार गोड़ जाल से उखाड़ दीहें.
16 तू हमरा ओर मुड़ के हमरा पर दया करऽ। काहे कि हम उजाड़ आ दुखी बानी।
17 हमरा मन के परेशानी बढ़ गइल बा, हे हमरा के हमरा संकट से बाहर निकाल द।
18 हमरा दुख आ पीड़ा के देखऽ। आ हमरा सब पाप के माफ कर द।
19 हमरा दुश्मनन पर विचार करीं; काहे कि ऊ लोग बहुते बा. आ उ लोग हमरा से क्रूर नफरत से नफरत करेला।
20 हे हमार जान के रखीं आ हमरा के बचाईं, हमरा के लाज मत होखे दीं। काहे कि हम तोहरा पर भरोसा कइले बानी।
21 अखंडता आ सीधापन हमरा के बचावे। काहे कि हम तोहार इंतजार करत बानी।
22 हे परमेश्वर, इस्राएल के ओकर सब संकट से मुक्त कर द।

अध्याय 26 के बा

1 (दाऊद के भजन।) हे प्रभु, हमरा पर न्याय करऽ। काहे कि हम अपना निष्ठा से चलत बानी, हम प्रभु पर भी भरोसा कइले बानी। एह से हम फिसलत ना रहब।
2 हे प्रभु, हमरा के परखऽ आ हमरा के परखऽ। हमार बागडोर आ दिल के आजमाईं।
3 काहेकि तोहार दया हमरा नजर में बा आ हम तोहार सच्चाई में चलत बानी।
4 हम बेकार लोग के साथे ना बइठल बानी आ ना ही वेशभूषा वाला लोग के साथे भीतर जाईब।
5 हम बुराई करे वाला लोग के मंडली से नफरत करत बानी। आ दुष्टन के साथे ना बइठी।
6 हम निर्दोषता में आपन हाथ धोइब, हे प्रभु, हम तोहार वेदी के चक्कर लगाइब।
7 ताकि हम धन्यवाद के आवाज में प्रचार कर सकीले आ तोहार सब अचरज के काम के बारे में बता सकीले।
8 प्रभु, हम तोहार घर के निवास आ उ जगह से प्यार कइले बानी जहाँ तोहार आदर के निवास बा।
9 हमरा प्राण के पापी लोग के साथे मत बटोरऽ आ ना ही हमार जान खूनी लोग के साथे।
10 जेकरा हाथ में बदमाशी बा, आ ओकर दाहिना हाथ घूस से भरल बा।
11 लेकिन हम अपना निष्ठा से चलब, हमरा के छुड़ा दीं आ हमरा पर दया करीं।
12 हमार गोड़ समतल जगह पर खड़ा बा, हम मंडली में प्रभु के आशीष करब।

अध्याय 27 के बा

1 (दाऊद के भजन।) यहोवा हमार प्रकाश आ उद्धार हवें। हम केकरा से डेराईं? यहोवा हमरा जीवन के ताकत हवे। हम केकरा से डेराएब?
2 जब दुष्ट, हमार दुश्मन आ दुश्मन, हमरा मांस खाए खातिर हमरा पर अइले त ऊ लोग ठोकर खा के गिर गइल।

3 भले सेना हमरा खिलाफ डेरा डाले, लेकिन हमार मन ना डेराई, भले हमरा खिलाफ युद्ध होखे, लेकिन हम एकरा प भरोसा करब।
4 हम यहोवा से एगो बात चाहत बानी कि हम खोजब। ताकि हम अपना जीवन भर यहोवा के घर में रह के प्रभु के सुंदरता के देख सकीले आ उनकर मंदिर में पूछताछ कर सकीले।
5 विपत्ति के समय उ हमरा के अपना मंडप में छिपा दिहे। उ हमरा के एगो चट्टान प खड़ा करीहे।
6 अब हमार माथा हमरा चारो ओर के दुश्मनन से ऊपर उठ जाई, एहसे हम ओकरा तम्बू में आनन्द के बलिदान चढ़ा देब। हम गाब, हँ, हम प्रभु के गुणगान करब।
7 हे प्रभु, जब हम अपना आवाज से चिल्लात बानी त सुनऽ, हमरा पर भी दया करऽ आ हमरा पर जवाब दीं।
8 जब तू कहनी कि तू हमार मुँह खोजऽ। हमार मन तोहरा से कहलस कि, हे प्रभु, हम तोहार चेहरा खोजब।
9 आपन चेहरा हमरा से दूर मत छिपाईं। अपना सेवक के गुस्सा में मत छोड़ीं, तू हमार मदद कइले बाड़ू। हे हमरा मुक्ति के भगवान, हमरा के मत छोड़ऽ आ ना छोड़ऽ।
10 जब हमार बाप-माई हमरा के छोड़ दिहे, त प्रभु हमरा के उठा लीहे।
11 हे प्रभु, हमरा के आपन रास्ता सिखाव, आ हमरा के एगो सादा रास्ता पर ले जा, हमरा दुश्मनन के चलते।
12 हमरा के हमरा दुश्मनन के इच्छा के हाथ में मत सौंपल, काहेकि झूठा गवाह हमरा खिलाफ उठल बाड़े अवुरी जवन कि क्रूरता के सांस लेवेले।
13 हम बेहोश हो गईल रहनी, जब तक कि हम जिंदा लोग के देश में प्रभु के भलाई देखे के विश्वास ना कईले रहनी।
14 प्रभु के इंतजार करीं, हिम्मत राखीं, त ऊ तोहार दिल के मजबूत करीहें, हम कहत बानी कि यहोवा के इंतजार करीं।

अध्याय 28 के बा

1 (दाऊद के भजन।) हे हमार चट्टान प्रभु, हम तोहरा से पुकारब। हमरा से चुप मत रहऽ, कहीं अगर तू हमरा से चुप हो जाईं त हम गड्ढा में उतरे वाला लोग जइसन ना हो जाईं।
2 जब हम तोहरा से पुकारत बानी, जब हम तोहरा पवित्र वचन के ओर हाथ उठावत बानी त हमार निहोरा के आवाज सुनऽ।
3 हमरा के दुष्टन आ अधर्म के काम करे वाला लोग से मत खींचऽ, जे लोग अपना पड़ोसी से शांति के बात करेला, बाकिर ओह लोग के दिल में बदमाशी बा।
4 ओह लोग के काम के हिसाब से आ काम के बुराई के हिसाब से दे दीं। ओह लोग के आपन रेगिस्तान बना दीं।
5 काहे कि उ लोग प्रभु के काम आ हाथ के काम के परवाह ना करेले, एहसे उ ओ लोग के नष्ट क दिहे अवुरी ना बन जईहे।
6 प्रभु के धन्य होखे, काहेकि उ हमरा निहोरा के आवाज सुनले बाड़े।
7 यहोवा हमार ताकत आ ढाल हवे। हमार दिल ओकरा पर भरोसा कइलस आ हमरा मदद मिलत बा, एही से हमार मन बहुत खुश बा। आ अपना गीत से हम उनुकर तारीफ करब।
8 यहोवा उनकर ताकत हवे आ उ अपना अभिषिक्त लोग के उद्धार करे वाला ताकत हवे।
9 अपना लोग के बचाईं आ अपना विरासत के आशीर्वाद दीं, ओह लोग के भी चराईं आ हमेशा खातिर ऊपर उठाईं।

अध्याय 29 के बा

1 (दाऊद के भजन।) हे पराक्रमी, प्रभु के महिमा आ ताकत दीं।
2 प्रभु के नाम के महिमा दे दीं। पवित्रता के सुंदरता में प्रभु के पूजा करीं।
3 प्रभु के आवाज पानी पर बा, महिमा के परमेश्वर गरजत बाड़े, प्रभु बहुत पानी पर बाड़े।
4 प्रभु के आवाज शक्तिशाली बा। प्रभु के आवाज महिमा से भरल बा।
5 प्रभु के आवाज देवदार के गाछ के तोड़ देला। हँ, यहोवा लेबनान के देवदार के पेड़ के तोड़ देला।
6 ऊ ओह लोग के बछड़ा नियर कूदत बाड़न। लेबनान आ सिरियन एगो नवही यूनिकॉर्न नियर।
7 प्रभु के आवाज आग के लौ के बांटत बा।
8 प्रभु के आवाज जंगल के हिला देला। प्रभु कादेश के जंगल के हिला देले।
9 यहोवा के आवाज मुर्गी के बछड़ा पैदा करेला आ जंगल के खोज करेला आ ओकरा मंदिर में हर केहू आपन महिमा के बात करेला।
10 प्रभु जलप्रलय पर बइठल बाड़न। हँ, प्रभु हमेशा खातिर राजा बइठल बाड़न।
11 प्रभु अपना लोग के ताकत दिहे। प्रभु अपना लोग के शांति से आशीर्वाद दिहे।

अध्याय 30 के बा

1 (दाऊद के घराना के समर्पण के समय एगो भजन आ गीत।) हे प्रभु, हम तोहार बड़ाई करब। काहे कि तू हमरा के ऊपर उठा के हमरा पर हमरा दुश्मनन के खुश ना कइले बाड़ू।
2 हे हमार परमेश्वर यहोवा, हम तोहरा से पुकारनी आ तू हमरा के ठीक कर दिहनी।
3 हे प्रभु, तू हमरा के कब्र से ले आइल बाड़ू, तू हमरा के जिंदा रखले बाड़ू कि हम गड्ढा में ना उतरीं।
4 हे उनकर पवित्र लोग, प्रभु के गाईं आ उनकर पवित्रता के याद में धन्यवाद दीं।
5 काहेकि ओकर क्रोध एक पल भर के रहेला। ओकरा पक्ष में जिनगी बा, रोवल एक रात तक टिक सकेला, लेकिन उल्लास सबेरे आवेला।
6 आ अपना समृद्धि में हम कहनी कि हम कबो ना हिलब।
7 प्रभु, तू अपना कृपा से हमार पहाड़ के मजबूत बना देले बाड़ू, तू आपन चेहरा छिपा देले बाड़ू अवुरी हम घबरा गईनी।
8 हे प्रभु, हम तोहरा से पुकारत रहनी। आ हम यहोवा से निहोरा कइनी।
9 जब हम गड्ढा में उतरब त हमरा खून से कवन फायदा बा? का धूल तोहार स्तुति करी? का ऊ तोहार सच्चाई के घोषणा करी?
10 हे प्रभु, सुनऽ आ हमरा पर दया करऽ, प्रभु, तू हमार सहायक बनऽ।
11 तू हमरा खातिर हमार शोक के नाच में बदल देले बाड़ू, तू हमार बोरा उतार के हमरा के खुशी से कमरबंद कर देले बाड़ू।
12 एही खातिर कि हमार महिमा तोहार स्तुति गावे आ चुप ना होखे। हे हमार परमेश्वर यहोवा, हम तोहरा के हमेशा खातिर धन्यवाद देब।

अध्याय 31 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के, दाऊद के भजन।) हे प्रभु, हम तोहरा पर भरोसा करत बानी। हमरा के कबो शर्म ना आवे दीं, हमरा के अपना धार्मिकता में बचाईं।
2 हमरा सोझा आपन कान झुका; जल्दी से हमरा के बचाईं, तू हमार मजबूत चट्टान बन, हमरा के बचावे खातिर रक्षा के घर बन।
3 काहे कि तू हमार चट्टान आ हमार किला हउअ। एही से तोहरा नाम खातिर हमरा के अगुवाई करऽ आ हमरा के मार्गदर्शन करऽ।
4 हमरा खातिर जवन जाल गुप्त रूप से रखले बा, ओकरा से हमरा के निकाल द, काहे कि तू हमार ताकत हउअ।
5 हम आपन आत्मा तोहरा हाथ में सौंप देले बानी, हे सच्चाई के परमेश्वर, तू हमरा के छुड़ा देले बाड़ू।
6 हम झूठा आडंबर के बात करे वाला लोग से नफरत करत बानी, लेकिन हम प्रभु पर भरोसा करत बानी।
7 हम तोहरा दया से खुश होखब आ आनन्दित होखब, काहे कि तू हमार परेशानी के बारे में सोचले बाड़ू। तू हमरा जान के विपत्ति में जानले बाड़ू।
8 हमरा के दुश्मन के हाथ में ना बंद कर देले बाड़ू, तू हमार गोड़ बड़का कोठरी में रखले बाड़ू।
9 हे प्रभु, हमरा पर दया करऽ, काहे कि हम संकट में बानी, हमार आँख दुख से भस्म हो गइल बा, हँ, हमार आत्मा आ हमार पेट।
10 काहेकि हमार जिनगी दुख से बीत गइल बा आ हमार साल आह में बीत गइल बा, हमार अधर्म के चलते हमार ताकत खतम हो गइल बा आ हमार हड्डी खतम हो गइल बा।
11 हम अपना सब दुश्मनन के बीच, खास कर के अपना पड़ोसी लोग के बीच में निंदा के पात्र रहनी आ अपना जान-पहचान के लोग खातिर डर रहे।
12 हम मन से मरल आदमी निहन भुला गईल बानी, हम टूटल बर्तन निहन बानी।
13 काहेकि हम बहुत लोग के निंदा सुनले बानी, हर तरफ डर रहे, जब उ लोग हमरा खिलाफ एक संगे सलाह-मशवरा करत रहले, तब तक उ लोग हमार जान छीने के योजना बनवले।
14 हे प्रभु, हम तोहरा पर भरोसा करत रहनी, हम कहनी कि तू हमार भगवान हउअ।
15 हमार समय तोहरा हाथ में बा, हमरा के हमरा दुश्मनन के हाथ से आ हमरा के सतावे वाला लोग से बचा द।
16 अपना सेवक पर आपन मुँह चमकावऽ, अपना दया के खातिर हमरा के बचाऽ।
17 हे प्रभु, हमरा के शर्म ना होखे दीं। काहे कि हम तोहरा के पुकारले बानी, दुष्ट लोग शर्मिंदा होखे आ कब्र में चुप रहस।
18 झूठ बोलत होठ के चुप कर दिहल जाव। जवन धर्मी लोग के खिलाफ गर्व आ तिरस्कार से दुखद बात कहेला।
19 हे तोहार भलाई केतना बड़ बा, जवन तू तोहरा से डेरावे वाला लोग खातिर रखले बाड़ू। जवन तू आदमी के बेटा के सामने तोहरा पर भरोसा करे वाला लोग खातिर काम कइले बाड़ऽ!
20 तू ओह लोग के आदमी के घमंड से अपना सामने के गुप्त में छिपा के राखब आ ओकरा के दोसरा भाषा के झगड़ा से मंडप में गुप्त राखब।
21 प्रभु के धन्य होखे, काहेकि उ हमरा पर एगो मजबूत शहर में आपन अद्भुत दया देखवले बाड़े।
22 काहेकि हम जल्दबाजी में कहनी कि हम तोहरा आँख से दूर हो गईल बानी।
23 हे ओकर सब संत लोग, यहोवा से प्रेम करीं, काहेकि यहोवा विश्वासी लोग के बचावेला आ घमंडी काम करे वाला के भरपूर इनाम देवेला।
24 हे सभे जे प्रभु पर आशा राखत बानी, हिम्मत राखीं आ ऊ तोहनी के दिल के मजबूत करीहें।

अध्याय 32 के बा

1 (दाऊद के भजन, मशिल।) धन्य बा उ जेकर अपराध माफ हो गइल बा, जेकर पाप ढंकल बा।
2 धन्य बा ऊ आदमी जेकरा पर प्रभु अधर्म ना मानत बाड़न आ जेकरा आत्मा में कवनो धोखा नइखे।
3 जब हम चुप रहनी त दिन भर गर्जना से हमार हड्डी पुरान हो गईल।
4 दिन रात तोहार हाथ हमरा पर भारी रहे, हमार नमी गर्मी के सूखा में बदल गईल बा। सेलाह के बा।
5 हम तोहरा सामने आपन पाप मान लेले बानी आ हम आपन पाप ना छिपवले बानी। हम कहनी कि हम आपन अपराध प्रभु के सामने कबूल करब। आ तू हमरा पाप के पाप माफ कर दिहनी। सेलाह के बा।
6 काहेकि हर भक्ति करे वाला तोहरा से इहे प्रार्थना करी जब तोहरा मिल जाई।
7 तू हमार लुकाइल जगह हउअ। तू हमरा के संकट से बचाइबऽ। तू हमरा के मुक्ति के गीत से घेरब। सेलाह के बा।
8 हम तोहरा के ओह रास्ता के निर्देश देब आ सिखा देब, जवना रास्ता से तू चलब, हम तोहरा के अपना आँख से मार्गदर्शन करब।
9 तूँ घोड़ा भा खच्चर जइसन मत बनीं, जवना के कवनो समझ नइखे, जवना के मुँह के काट आ लगाम से पकड़ल जरूरी बा कि कहीं ऊ तोहरा नजदीक ना आ जाव.
10 दुष्ट के बहुत दुख होई, लेकिन जे प्रभु पर भरोसा करी, ओकरा के दया घेर लेला।
11 हे धर्मी लोग, यहोवा में खुश होखऽ आ आनन्दित होखऽ, आऊ सब सोझ दिल वाला लोग, खुशी से चिल्लाईं।

अध्याय 33 के बा

1 हे धर्मी लोग, प्रभु में आनन्दित होखऽ, काहे कि सोझ लोग खातिर स्तुति बढ़िया बा।
2 वीणा से प्रभु के स्तुति करीं, ओकरा खातिर भजन आ दस तार के वाद्ययंत्र से गाईं।
3 ओकरा खातिर एगो नया गीत गाईं। तेज आवाज के साथे कुशलता से खेलल जाला।
4 काहेकि यहोवा के वचन सही बा। आ ओकर सब काम साँचाई में होला।
5 ऊ धार्मिकता आ न्याय से प्यार करेला, धरती परमेश् वर के भलाई से भरल बा।
6 प्रभु के वचन से आकाश के निर्माण भइल। आ उनकर सब सेना के उनकर मुँह के साँस से।

7 ऊ समुंदर के पानी के ढेर के रूप में एकट्ठा करेला आ गहिराई के भंडार में रखेला।
8 पूरा धरती परमेश् वर से डेराए, दुनिया के सब निवासी उनकरा पर भय में खड़ा हो जास।
9 काहेकि उ बोलत रहलन आ ई काम पूरा हो गइल। ऊ आज्ञा दिहलन आ ऊ मजबूती से खड़ा हो गइल.
10 यहोवा गैर-यहूदी लोग के सलाह के बेकार कर देला, उ लोग के षड्यंत्र के बेकार कर देला।
11 प्रभु के सलाह हमेशा खातिर खड़ा रहेला, हर पीढ़ी तक उनकर मन के विचार।
12 धन्य बा ऊ राष्ट्र जेकर भगवान प्रभु हवें। आ ऊ लोग जेकरा के ऊ अपना विरासत खातिर चुनले बाड़न.
13 प्रभु स्वर्ग से देखत बाड़न। ऊ सब आदमी के बेटा के देखत बा।
14 ऊ अपना निवास के जगह से धरती के सब निवासी के देखत बा।
15 ऊ ओह लोग के दिल के एके जइसन बनावेला। ऊ ओह लोग के सगरी काम पर विचार करेला.
16 सेना के भीड़ से कवनो राजा के बचावल ना जा सकेला, पराक्रमी के बहुत ताकत से बचावल ना जाला।
17 घोड़ा सुरक्षा खातिर व्यर्थ चीज ह, ना ही उ अपना बड़ ताकत से केहु के बचाई।
18 देखऽ, यहोवा के नजर ओह लोग पर बा जे उनकरा से डेराला आ उनकर दया के आशा करे वाला लोग पर बा।
19 ओह लोग के जान के मौत से बचावे खातिर आ अकाल में जिंदा राखे खातिर।
20 हमनी के प्राण यहोवा के इंतजार करेले, उ हमनी के मदद अवुरी ढाल हवे।
21 हमनी के मन ओकरा पर खुश होई काहे कि हमनी के उनकर पवित्र नाम पर भरोसा कइले बानी जा।
22 हे प्रभु, तोहार दया हमनी पर होखे, जइसन हमनी के तोहरा से आशा करत बानी जा।

अध्याय 34 के बा

1 (दाऊद के एगो भजन, जब उ अबीमेलेक के सामने आपन व्यवहार बदलले, जे ओकरा के भगा दिहले अवुरी उ चल गईले।) हम हर समय प्रभु के आशीष करब, उनुकर स्तुति हमरा मुंह में लगातार रही।
2 हमार प्राण ओकरा के प्रभु में घमंड करी, विनम्र लोग एकर बात सुन के खुश होई।
3 हे हमरा साथे प्रभु के महिमा करऽ आ हमनी के मिल के उनकर नाम के ऊपर उठाईं जा।
4 हम यहोवा के खोजत रहनी, त उ हमार बात सुनले अवुरी हमरा के हमरा सभ डर से बचा लेले।
5 ऊ लोग उनकरा ओर देखल आ हल्का हो गइल आ उनकर चेहरा पर कवनो शर्म ना लागल।
6 ई बेचारा चिल्ला के कहलस त परमेस् वर ओकर बात सुन के ओकरा के अपना सब परेशानी से बचा लिहलस।
7 यहोवा के दूत ओकरा से डेरावे वाला के चारो ओर डेरा डाल के ओकरा के बचावेला।
8 हे चखऽ आ देखऽ कि यहोवा अच्छा हउवें, धन्य बा उ आदमी जे ओकरा पर भरोसा करेला।
9 हे उनकर पवित्र लोग, प्रभु से डेराईं, काहेकि उनकरा से डेराए वाला लोग के कवनो कमी नइखे।
10 शेर के बच्चा के कमी होला आ भूख से जूझत रहेला, लेकिन जे लोग प्रभु के खोजत बा, ओकरा कवनो अच्छा चीज के कमी ना होई।
11 हे लइका लोग, आ जा, हमार बात सुनऽ, हम तोहके प्रभु के भय सिखा देब।
12 ऊ कवन आदमी ह जे जीवन के चाहत बा आ बहुत दिन से प्यार करेला ताकि ऊ भलाई देख सके?
13 आपन जीभ के बुराई से बचाईं आ आपन होठ के धोखा बोले से बचाईं।
14 बुराई से हट के भलाई करीं। शांति के खोज करीं, आ ओकर पीछा करीं।
15 प्रभु के नजर धर्मी लोग पर बा आ उनकर कान ओह लोग के पुकार खातिर खुलल बा।
16 बुराई करे वाला लोग के खिलाफ यहोवा के मुँह बा, ताकि उ लोग के याद धरती से काट दिहल जा सके।
17 धर्मी लोग के चिल्लाहट आ यहोवा सुन के उनकरा सब संकट से मुक्त कर देला।
18 टूटल दिल वाला लोग के नजदीक प्रभु बाड़े। आ पछतावा वाला के बचावेला।
19 धर्मी लोग के दुख बहुत होला, लेकिन प्रभु ओकरा के सब से बचावेले।
20 ऊ आपन सब हड्डी के रखेला, ओहमें से कवनो हड्डी ना टूटेला।
21 बुराई दुष्ट के मार दी, आ जे धर्मी से नफरत करेला उ उजाड़ हो जाई।
22 प्रभु अपना सेवकन के प्राण के छुड़ावेले, आ ओकरा पर भरोसा करे वाला में से केहु उजाड़ ना होई।

अध्याय 35 के बा

1 (दाऊद के भजन।) हे प्रभु, हमरा से झगड़ा करे वाला लोग से हमार बात के गुहार लगाईं।
2 ढाल आ बकलर पकड़ के हमरा मदद खातिर खड़ा हो जा।
3 भाला निकाल के हमरा के सतावे वाला लोग के खिलाफ रास्ता रोक द।
4 हमरा जान के खोज करे वाला लोग के लजाइल आ शर्मिंदा होखे के चाहीं, हमरा चोट के योजना बनावे वाला लोग के पीछे मुड़ के उलझन में डालल जाव।
5 हवा के सामने भूसा निहन होखे, अवुरी प्रभु के दूत ओ लोग के पीछा करे।
6 उनकर रास्ता अन्हार आ फिसलन वाला होखे आ प्रभु के दूत ओह लोग के सतावे।
7 बेवजह उ लोग हमरा खातिर आपन जाल एगो गड्ढा में लुका लेले बाड़े, जवन बेवजह उ लोग हमरा जान खातिर खोदले बाड़े।
8 ओकरा पर अनजाने में विनाश होखे। आ ओकर जाल जवन ऊ छिपवले बा ऊ अपना के पकड़ लेव, ऊ ठीक ओही विनाश में गिर जाव.
9 हमार प्राण प्रभु में आनन्दित होई आ उनकर उद्धार में आनन्दित होई।

10 हमार सब हड्डी कहत होई कि, हे प्रभु, तोहरा जइसन के बा, जे गरीब के ओकरा खातिर बहुत मजबूत से बचावेला, हँ, गरीब आ जरूरतमंद के ओकरा के लूटला से बचावेला?
11 झूठा गवाह उठल। उ लोग हमरा जिम्मा में अयीसन चीज़ देले, जवन कि हम ना जानत रहनी।
12 उ लोग हमरा के भलाई के बदला बुराई के इनाम देले, जवना से हमार जान लूट गईल।
13 लेकिन जब उ लोग बेमार रहले त हमार कपड़ा बोरा रहे। आ हमार प्रार्थना हमरा कोरा में वापस आ गइल।
14 हम अपना के अइसे व्यवहार कइनी जइसे ऊ हमार दोस्त भा भाई होखे, हम अपना महतारी के शोक मनावे वाला जइसन प्रणाम कइनी।
15 लेकिन हमरा संकट में उ लोग खुश हो गईले अवुरी एक संगे जुट गईले। उ लोग हमरा के फाड़ के ना रुकल।
16 भोज में पाखंडी मजाकिया लोग के साथे उ लोग हमरा पर दाँत से चीर-फाड़ करत रहले।
17 प्रभु, तू कब तक देखत रहबऽ? हमरा आत्मा के ओह लोग के विनाश से बचाईं, हमार प्रियतम के शेरन से।
18 हम तोहरा के बड़हन मंडली में धन्यवाद देब आ बहुत लोग के बीच तोहार स्तुति करब।
19 हमार दुश्मन गलत तरीका से हमरा पर खुश मत होखे, आ ना ही उ आँख से आँखि मिचौले जवन हमरा से बेवजह नफरत करेला।
20 काहेकि उ लोग शांति ना बोलेले, लेकिन देश में शांत लोग के खिलाफ धोखाधड़ी के योजना बनावेले।
21 हँ, उ लोग हमरा खिलाफ आपन मुँह खोल के कहलस, “आहा, आहा, हमनी के आँख देखले बिया।”
22 हे प्रभु, तू ई देखले बाड़ऽ, चुप मत रहऽ, हे प्रभु, हमरा से दूर मत रहऽ।
23 अपना के हलचल करऽ आ हमरा न्याय खातिर जागऽ, जवन कि हमरा खातिर, हमार भगवान आ हमार प्रभु खातिर।
24 हे हमार परमेस् वर यहोवा, अपना धार्मिकता के हिसाब से हमरा पर न्याय करऽ। आ हमरा पर उ लोग खुश ना होखे।
25 उ लोग मन में ई मत कहे कि आह, हमनी के भी इहे चाहत रहे।
26 हमरा चोट पर खुश होखे वाला लोग के शर्म आ उलझन में डालल जाव।
27 हमरा धार्मिक काम के अनुग्रह करे वाला लोग खुशी से चिल्लात होखे आ खुश होखे।
28 हमार जीभ दिन भर तोहार धार्मिकता आ तोहार स्तुति के बात करत रही।

अध्याय 36 के बा

1 (प्रमुख संगीतकार के, यहोवा के सेवक दाऊद के भजन।) दुष्ट के अपराध हमरा मन में कहत बा कि ओकरा नजर में परमेश्वर से कवनो डर नइखे।
2 जबले ओकर अपराध घृणित ना हो जाव तबले ऊ अपना के चापलूसी करेला।
3 ओकर मुँह के बात अधर्म आ धोखा ह, ऊ बुद्धिमान होखल आ भलाई कइल छोड़ दिहले बा।
4 ऊ अपना बिछौना पर बदमाशी के कल्पना करेला। ऊ अपना के अइसन तरीका से सेट कर लेला जवन बढ़िया ना होखे; ऊ बुराई से घृणा ना करेला।
5 हे प्रभु, तोहार दया आकाश में बा। आ तोहार विश्वास बादल तक पहुँच जाला।
6 तोहार धार्मिकता बड़हन पहाड़न जइसन बा। तोहार न्याय बहुत गहिराह बा, हे प्रभु, तू आदमी आ जानवर के बचावत बाड़।
7 हे भगवान, तोहार दया केतना बढ़िया बा! एही से आदमी के संतान तोहरा पाँख के परछाई में आपन भरोसा रखले बाड़े।
8 तोहरा घर के मोटाई से उ लोग भरपूर तृप्त हो जइहें। आ तू ओह लोग के अपना सुख के नदी से पीवा देबऽ।
9 काहेकि तोहरा साथे जीवन के फव्वारा बा, तोहरे रोशनी में हमनी के रोशनी देखब जा।
10 हे तोहरा के जाने वाला लोग पर आपन दया करत रहऽ। आ सोझ दिल के लोग खातिर तोहार धार्मिकता।
11 घमंड के गोड़ हमरा खिलाफ मत आवे, आ दुष्ट के हाथ हमरा के ना हटावे।
12 उहाँ अधर्म के काम करे वाला गिरल बाड़े, उ लोग गिर गईल बाड़े अवुरी उ लोग उठ ना पईहे।

अध्याय 37 के बा

1 (दाऊद के भजन।) बुराई करे वाला लोग से घबरा मत, आ अधर्म के काम करे वाला लोग से ईर्ष्या मत करीं।
2 काहे कि ऊ लोग जल्दिये घास नियर काटल जाई आ हरियर जड़ी-बूटी नियर मुरझा जाई।
3 प्रभु पर भरोसा करीं आ भलाई करीं। ओइसहीं तूँ ओह देश में रहबऽ आ तोहरा के साँचहू खियावल जाई।
4 प्रभु में भी आनन्दित हो जा। आ तोहरा मन के इच्छा तोहरा के दे दिहे।
5 आपन रास्ता यहोवा के सौंप दीं। ओकरा पर भी भरोसा करीं; आ ऊ एकरा के पूरा कर दी.
6 उ तोहार धार्मिकता के रोशनी के रूप में आ तोहार न्याय के दुपहरिया के दिन निहन सामने ले आई।
7 यहोवा में आराम करीं आ धैर्य से उनकर इंतजार करीं, जे ओकरा रास्ता में फलत-फूलत बा, ओकरा खातिर चिंतित मत होखऽ, जे दुष्ट षड्यंत्र के साकार करेला।
8 क्रोध छोड़ के क्रोध के त्याग करऽ, बुराई करे खातिर कवनो तरह से चिंतित मत होखऽ।
9 काहे कि दुष्ट लोग के नाश कर दिहल जाई, लेकिन जे लोग प्रभु के इंतजार करत बा, उ लोग धरती के उत्तराधिकारी हो जईहे।
10 काहे कि अभी कुछ देर तक दुष्ट ना होई, हँ, तू ओकरा जगह पर पूरा विचार करबऽ आ ना होई।
11 लेकिन नम्र लोग के धरती के उत्तराधिकारी होई। आ शांति के भरमार में खुश हो जइहें।
12 दुष्ट धर्मी के खिलाफ साजिश रचत बा आ ओकरा के दाँत से कुचलत बा।
13 प्रभु ओकरा पर हँसी, काहेकि उ देखत बा कि ओकर दिन आवे वाला बा।
14 दुष्ट लोग तलवार निकाल के आपन धनुष मोड़ के गरीब आ जरूरतमंद के गिरा दिहले बा आ सीधा-सीधा के लोग के मार देले बा।

15 उनकर तलवार अपना मन में घुस जाई आ उनकर धनुष टूट जाई।
16 एगो धर्मी आदमी के लगे जवन कुछ बा उ बहुत दुष्ट के धन से बढ़िया बा।
17 काहे कि दुष्टन के बाँहि टूट जाई, लेकिन प्रभु धर्मी के सहारा देत बाड़े।
18 प्रभु सोझ लोग के दिन जानत हउवें आ उनकर विरासत हमेशा खातिर रही।
19 बुरा समय में उ लोग लाज ना करीहे अवुरी अकाल के दिन में उ लोग तृप्त हो जईहे।
20 लेकिन दुष्ट नाश हो जइहें आ प्रभु के दुश्मन मेमना के चर्बी नियर हो जइहें। धुँआ में उ लोग भस्म कर दिहे।
21 दुष्ट उधार लेत बा, आ उधार ना देला, लेकिन धर्मी दया करेला आ देवेला।
22 काहेकि जे ओकरा से आशीष पावेला, उ धरती के उत्तराधिकारी होई। आ जे लोग ओकरा से श्रापित होखे, ओकरा के काट दिहल जाई।
23 भला आदमी के कदम परमेश् वर के द्वारा व्यवस्थित कइल जाला आ ऊ अपना राह में आनन्दित होला।
24 भले ऊ गिर जाव त ओकरा के पूरा तरह से गिरावल ना जाई काहे कि यहोवा ओकरा के हाथ से सहारा लेत बाड़न.
25 हम छोट रहनी आ अब बूढ़ हो गइल बानी। तबो हम धर्मी के छोड़ल ना देखले बानी, ना ओकर संतान के रोटी भीख मांगत देखले बानी।
26 ऊ हमेशा दयालु रहेला आ उधार देत रहेला। आ ओकर संतान धन्य बा।
27 बुराई से हट के भलाई करीं। आ हमेशा खातिर रहे के चाहीं।
28 काहेकि यहोवा न्याय से प्यार करेलन आ अपना पवित्र लोग के ना छोड़ेलन। ऊ लोग हमेशा खातिर सुरक्षित बा, बाकिर दुष्टन के संतान कट जाई।
29 धर्मी लोग के ओह देश के विरासत में मिल जाई आ ऊ हमेशा खातिर ओहिजा रह जाई।
30 धर्मी के मुँह बुद्धि बोलेला आ ओकर जीभ न्याय के बात करेले।
31 उनकर परमेश्वर के व्यवस्था उनकर दिल में बा। ओकर कवनो डेग फिसल ना पाई।
32 दुष्ट धर्मी के देखत रहेला आ ओकरा के मारे के कोशिश करेला।
33 प्रभु ओकरा के हाथ में ना छोड़िहें आ ना ही ओकरा के दोषी ठहराईहें जब ओकर न्याय होई।
34 प्रभु के इंतजार करीं आ उनकर रास्ता बना के रखीं, त ऊ तोहरा के ऊंचा कर दीहें कि ऊ देश के उत्तराधिकारी हो जाईं, जब दुष्टन के काट दिहल जाई त तू ओकरा के देखब।
35 हम दुष्ट के बहुत शक्ति में देखले बानी, आ हरियर खाड़ी के पेड़ निहन पसरल देखले बानी।
36 तबो उ गुजर गईले, लेकिन देख, उ ना रहले, हम ओकरा के खोजत रहनी, लेकिन उ ना मिलल।
37 सिद्ध आदमी के चिन्ह लगाईं आ सोझ आदमी के देखऽ, काहे कि ओह आदमी के अंत में शांति होला।
38 लेकिन अपराधी एक संगे नष्ट हो जइहें, दुष्टन के अंत खतम हो जाई।
39 धर्मी लोग के उद्धार यहोवा से मिलेला, उ विपत्ति के समय उनकर ताकत हवे।
40 यहोवा ओह लोग के मदद करीहें आ ओकरा के बचाईहें, ऊ ओह लोग के दुष्टन से बचाईहें आ बचाईहें काहे कि ऊ लोग ओकरा पर भरोसा करेला।

अध्याय 38 के बा

1 (दाऊद के भजन, याद करे खातिर।) हे प्रभु, हमरा के अपना क्रोध में मत डांट, आ ना ही हमरा के अपना गरम नाराजगी में ताड़ना।
2 तोहार तीर हमरा में मजबूती से चिपकल बा आ तोहार हाथ हमरा के बहुते दबावत बा।
3 तोहरा क्रोध के चलते हमरा शरीर में कवनो स्वस्थता नइखे। ना ही हमरा पाप के चलते हमरा हड्डी में कवनो आराम बा।
4 काहेकि हमार अपराध हमरा माथा पर चढ़ गइल बा, हमरा खातिर भारी बोझ के रूप में भारी बा।
5 हमरा मूर्खता के चलते हमार घाव बदबूदार बा अवुरी खराब हो गईल बा।
6 हम परेशान बानी। हम बहुते प्रणाम कइले बानी; दिन भर शोक में चलत बानी।
7 काहेकि हमार कमर घिनौना बेमारी से भरल बा आ हमरा शरीर में कवनो स्वस्थता नइखे।
8 हम कमजोर आ टूटल-फूटल बानी, हम अपना मन के बेचैनी के चलते गर्जत बानी।
9 प्रभु, हमार सब इच्छा तोहरा सामने बा। आ हमार कराह तोहरा से छिपल नइखे।
10 हमार मन हँसत बा, हमार ताकत हमरा के कमजोर कर रहल बा, जइसे कि हमरा आँख के रोशनी त उहो हमरा से दूर हो गइल बा।
11 हमार प्रेमी आ हमार दोस्त हमरा घाव से दूर खड़ा बाड़े। आ हमार रिश्तेदार दूर खड़ा बाड़े।
12 हमरा जान के खोजे वाला लोग भी हमरा खातिर जाल डाल देला, आ हमरा के नुकसान चहुँपावे वाला लोग दिन भर बदमाश बोलेला आ धोखा के कल्पना करेला।
13 लेकिन हम बहिर आदमी निहन ना सुननी। आ हम एगो गूंगा आदमी जइसन रहनी जवन आपन मुँह ना खोलेला।
14 हम एगो अइसन आदमी निहन रहनी जवन ना सुनेला अवुरी ओकरा मुंह में कवनो डांट नईखे।
15 हे प्रभु, हम तोहरा से आशा करत बानी, हे हमार परमेस् वर, तू सुनब।
16 काहेकि हम कहनी कि हमार बात सुनीं, कहीं उ लोग हमरा पर खुश ना होखस।
17 काहेकि हम रुके खातिर तइयार बानी आ हमार दुख लगातार हमरा सामने रहेला।
18 काहेकि हम आपन अधर्म के घोषणा करब। हम अपना पाप के पछतावा करब।
19 लेकिन हमार दुश्मन जीवंत बाड़े अवुरी मजबूत बाड़े अवुरी जे हमरा से गलत तरीका से नफरत करेले, उ लोग बहुत जादे बाड़े।
20 भलाई के बदला बुराई के बदला लेवे वाला भी हमार विरोधी हवे। काहे कि हम ओह चीज के पालन करेनी जवन नीमन होला.
21 हे प्रभु, हमरा के मत छोड़, हे हमार भगवान, हमरा से दूर मत रहऽ।
22 हे हमार उद्धारकर्ता प्रभु, हमार मदद करे में जल्दबाजी कर।

अध्याय 39 के बा

1 (मुख्य संगीतकार, यदुथून के, दाऊद के भजन।) हम कहनी कि हम अपना रास्ता के ध्यान राखब ताकि हम अपना जीभ से पाप मत करीं हम।
2 हम चुप्पी से गूंगा रहनी, भलाई से भी चुप रहनी। आ हमार दुख हलचल हो गइल।
3 जब हम सोचत रहनी कि आग जरि गइल, तब हम अपना जीभ से बोलनी।
4 प्रभु, हमरा के आपन अंत आ हमरा दिन के नाप के बारे में बताईं कि ई का ह। ताकि हम जान सकी कि हम केतना कमजोर बानी।
5 देखऽ, तू हमरा दिन के हाथ के चौड़ाई के रूप में बना देले बाड़ऽ। आ हमार उमिर तोहरा सोझा कुछुओ ना जइसन बा, हर आदमी अपना बेहतरीन हालत में एकदम आडंबर बा। सेलाह के बा।
6 हर आदमी बेकार में चलेला, बेकार में बेचैन हो जाला, धन के ढेर लगावेला, लेकिन ओकरा के ना पता चलेला कि ओकरा के के जुटावेला।
7 अब हे प्रभु, हमरा का इंतजार बा? हमार आशा तोहरा पर बा।
8 हमरा के हमरा सब अपराध से बचाव, हमरा के मूर्ख के निंदा मत बनाईं।
9 हम गूंगा रहनी, हम आपन मुँह ना खोलनी। काहे कि तूँ एकरा के कइले बाड़ऽ.
10 हमरा से आपन चोट दूर करऽ, तोहरा हाथ के मार से हम भस्म हो गइल बानी।
11 जब तू डाँट से आदमी के अधर्म के खातिर सुधारत बाड़ऽ त ओकर सुंदरता के पतई नियर खतम कर देत बाड़ऽ। सेलाह के बा।
12 हे प्रभु, हमार प्रार्थना सुनऽ आ हमरा पुकार के सुनऽ। हमरा लोर से चुप मत रहऽ, काहे कि हम तोहरा साथे परदेसी आ प्रवासी हईं, जइसे कि हमार सब पुरखन रहले।
13 हे हमरा के बख्श द, ताकि हम इहाँ से जाए से पहिले ताकत वापस पा सकीले अवुरी अब ना रहब।

अध्याय 40 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के, दाऊद के भजन।) हम धैर्य से प्रभु के इंतजार करत रहनी। उ हमरा ओर झुक गईले अवुरी हमार पुकार सुनले।
2 उ हमरा के एगो भयावह गड्ढा से, कीचड़ वाला माटी से लेके, एगो चट्टान पर गोड़ रख के हमार चाल के स्थिर कर दिहलन।
3 उ हमरा मुँह में एगो नया गीत डाल देले बाड़े, जवन कि हमनी के परमेश्वर के स्तुति बा, बहुत लोग एकरा के देख के डेराई अवुरी प्रभु प भरोसा करीहे।
4 धन्य बा ऊ आदमी जे प्रभु पर भरोसा करेला आ घमंडी के आदर ना करे आ ना झूठ के ओर मुड़ल लोग के आदर करेला।
5 हे हमार परमेश्वर यहोवा, तोहार अचरज के काम बहुत बा, जवन तोहार विचार हमनी खातिर बा, ओकर हिसाब तोहरा खातिर ना हो सकेला, अगर हम ओकर घोषणा आ बात करब त ओकरा से अधिका बा नंबर दिहल जा सकेला.
6 बलिदान आ चढ़ावे के तू ना चाहत रहलू। तू हमार कान खोलले बाड़ू, होमबलि आ पापबलि के तू ना माँगले बाड़ू।
7 तब हम कहनी, “हम आवत बानी, किताब के खंड में हमरा बारे में लिखल बा।
8 हे हमार परमेस् वर, तोहार इच्छा के पूरा करे में हम खुश बानी, हँ, तोहार व्यवस्था हमरा दिल के भीतर बा।
9 हम बड़का मंडली में धर्म के प्रचार कइले बानी, हे प्रभु, हम आपन होठ ना रोकले बानी, तू जानत बाड़ु।
10 हम तोहार धार्मिकता के अपना मन में ना छिपवले बानी। हम तोहार वफादारी आ तोहार उद्धार के घोषणा कइले बानी, तोहार दया आ तोहार सच्चाई के हम बड़का मंडली से ना छिपवले बानी।
11 हे प्रभु, तू हमरा से आपन कोमल दया मत रोकऽ, तोहार दया आ तोहार सच्चाई हमरा के लगातार बचावे।
12 काहेकि असंख्य बुराई हमरा के घेरले बा, हमार अधर्म हमरा पर पकड़ लेले बा, जवना से हम आँख उठा के ना देख पावत बानी। उ लोग हमरा माथा के बाल से भी जादा बा, एही से हमार मन हमरा के कमजोर कर रहल बा।
13 हे प्रभु, हमरा के बचावे में प्रसन्न हो जा, हे प्रभु, जल्दी से हमार मदद करऽ।
14 जे लोग हमरा प्राण के नाश करे के कोशिश करत बा, उ लोग एक संगे शर्मिंदा होखस अवुरी बेशर्म हो जास। हमरा बुराई के कामना करे वाला लोग के पीछे भगा दिहल जाव आ शर्मसार कर दिहल जाव.
15 उ लोग अपना लाज के इनाम खातिर उजाड़ हो जास जे हमरा से कहत बा कि आहा आहा।
16 तोहरा के खोजे वाला सब लोग तोहरा में खुश होखे आ खुश होखे, जे तोहार उद्धार से प्रेम करे वाला लोग लगातार कहत रहे कि प्रभु के महिमा होखे।
17 लेकिन हम गरीब आ जरूरतमंद बानी। तबो प्रभु हमरा बारे में सोचत बाड़न, तू हमार सहायक आ मुक्तिदाता हउअ। हे भगवान, देरी मत करऽ।

अध्याय 41 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के, दाऊद के भजन।) धन्य बा जे गरीब के ध्यान राखेला।
2 प्रभु ओकरा के बचा के जिंदा रखिहें। आ ऊ धरती पर आशीष पाई, आ तू ओकरा के ओकरा दुश्मनन के मर्जी में ना सौंपबऽ।
3 प्रभु ओकरा के सुस्त बिछौना पर मजबूत करीहें, तू ओकर बेमारी में ओकर सब बिछौना बना देब।
4 हम कहनी, हे प्रभु, हमरा पर दया करऽ। काहे कि हम तोहरा खिलाफ पाप कइले बानी।
5 हमार दुश्मन हमरा के बुरा कहत बाड़े कि उ कब मर जाई अवुरी ओकर नाम कब नाश होई?
6 अगर उ हमरा से मिले आवेला त उ व्यर्थ बात कहेला। जब ऊ विदेश जाला त ऊ बतावेला.
7 हमरा से नफरत करे वाला सब हमरा खिलाफ फुसफुसात बाड़े, हमरा खिलाफ उ लोग हमरा चोट के योजना बनावत बाड़े।
8 ऊ लोग कहत बा कि एगो बुरा बेमारी ओकरा से चिपकल बा आ अब जब ऊ झूठ बोलत बा त ऊ अब ना उठी.
9 हँ, हमार आपन परिचित दोस्त, जेकरा पर हम भरोसा करत रहनी, जे हमार रोटी खात रहे, ऊ हमरा खिलाफ आपन एड़ी उठवले बा।

10 हे प्रभु, तू हमरा पर दया करऽ आ हमरा के जिंदा करऽ कि हम ओह लोग के बदला ले सकीले।
11 हम एही से जानत बानी कि तू हमरा पर अनुग्रह करत बाड़ू, काहे कि हमार दुश्मन हमरा पर विजय ना पावेला।
12 रहल बात हमरा के त तू हमरा के अपना ईमानदारी से कायम राखत बाड़ू आ हमरा के हमेशा खातिर अपना सोझा राखत बाड़ू।
13 इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के अनन्त से अनन्त तक धन्य होखे। आमीन, अउर आमीन।

अध्याय 42 के बा

1 (कोरह के बेटा लोग खातिर मुख्य संगीतकार मशिल के।) जइसे हरत पानी के धार के पीछे हांफत बा, ओइसहीं हे भगवान, हमार प्राण तोहरा पीछे हांफत बा।
2 हमार प्राण परमेस् वर खातिर, जिंदा परमेस् वर के प्यासल बा, हम कब आके परमेश्वर के सामने प्रकट होखब?
3 हमार लोर दिन-रात हमार भोजन रहल बा, जबकि उ लोग हमरा से लगातार कहत रहेला कि, "तोहार भगवान कहाँ बाड़े?"
4 जब हम ई सब बात याद करेनी त हम आपन प्राण हमरा में उझड़ देनी, काहेकि हम भीड़ के साथे गईल रहनी, हम ओह लोग के साथे उल्लास आ स्तुति के आवाज के साथे, पवित्र दिन के पालन करे वाला भीड़ के साथे परमेश्वर के घरे चल गईनी।
5 हे हमार प्राण, तू काहे गिरल बाड़ू? आ तू हमरा में काहे बेचैन बाड़ू? तू परमेस् वर के आशा राखऽ, काहेकि हम अबहियों ओकर चेहरा के सहायता खातिर ओकर स्तुति करब।
6 हे हमार भगवान, हमार प्राण हमरा भीतर गिर गइल बा, एही से हम तोहरा के यरदन के देश से आ हरमोन के लोग के, मिजर पहाड़ी से याद करब।
7 तोहार पानी के झोंक के आवाज से गहिराह गहिराह के आवाज देला, तोहार सब लहर आ लहर हमरा ऊपर चल गईल बा।
8 तबो परमेस् वर दिन में आपन दया के आज्ञा दिहे आ रात में उनकर गीत हमरा साथे रही आ हमार प्रार्थना हमरा जीवन के परमेश्वर से होई।
9 हम भगवान से कहब कि तू हमरा के काहे भुला गईल बाड़ू? दुश्मन के अत्याचार के चलते हम शोक में काहे जाइले?
10 जइसे हमरा हड्डी में तलवार बा, ओइसहीं हमार दुश्मन हमरा के डांटत बाड़े। जबकि ऊ लोग हमरा से रोज कहत रहे कि तोहार भगवान कहाँ बाड़े?
11 हे हमार प्राण, तू काहे गिरल बाड़ू? आ तू हमरा भीतर काहे बेचैन बाड़ू? तू परमेस् वर के आशा राखऽ, काहेकि हम अबहियों ओकर स्तुति करब, जे हमार चेहरा के स्वास्थ्य आ हमार परमेश्वर हउवें।

अध्याय 43 के बा

1 हे भगवान, हमरा पर न्याय करऽ आ एगो अभक्त राष्ट्र के खिलाफ हमार मुकदमा करऽ, हे हमरा के धोखेबाज आ अन्यायी से बचाईं।
2 तू हमार ताकत के परमेश्वर हउअ, तू हमरा के काहे फेंकत बाड़ू? दुश्मन के अत्याचार के चलते हम शोक में काहे जाइले?
3 हे आपन रोशनी आ आपन सच्चाई के बाहर भेजऽ, ऊ लोग हमरा के अगुवाई करे। उ लोग हमरा के तोहरा पवित्र पहाड़ी आ तोहरा तम्बू में ले आवे।
4 तब हम भगवान के वेदी पर चलब, भगवान के पास हमार बेहद खुशी होई, हँ, हे हमार भगवान, हम वीणा पर तोहार स्तुति करब।
5 हे हमार प्राण, तू काहे गिरल बाड़ू? आ तू हमरा भीतर काहे बेचैन बाड़ू? परमेस् वर पर आशा राखीं, काहेकि हम अबहियों उनकर स्तुति करब, जे हमरा चेहरा के स्वास्थ्य आ हमार परमेश्वर हउवें।

अध्याय 44 के बा

1 (कोरह के बेटा लोग के मुख्य संगीतकार मशिल से।) हे परमेश्वर, हमनी के कान से सुनले बानी जा, हमनी के पुरखा लोग हमनी के बतवले बा कि तू उ लोग के जमाना में, पुरान समय में कवन काम कईले रहलू।
2 तू कइसे अपना हाथ से गैर-यहूदी लोग के भगा दिहनी आ ओकरा के रोपनी। कइसे तू लोग के दुख देनी आ ओकरा के बाहर निकाल दिहलऽ।
3 काहेकि उ लोग अपना तलवार से जमीन के कब्जा में ना ले पवले अवुरी ना उनुकर बांह ओ लोग के बचावलस, बालुक तोहार दाहिना हाथ अवुरी बांह अवुरी चेहरा के रोशनी, काहेंकी तोहरा उनुका प कृपा भईल।
4 हे भगवान, तू हमार राजा हउअ, याकूब खातिर मुक्ति के आज्ञा दीं।
5 हम तोहरा द्वारा अपना दुश्मनन के नीचे धकेल देब, तोहरा नाम के द्वारा हमनी के खिलाफ उठल लोग के नीचे रौंदब जा।
6 हम अपना धनुष पर भरोसा ना करब आ ना हमार तलवार हमरा के बचाई।
7 लेकिन तू हमनी के दुश्मनन से बचा के हमनी के नफरत करे वाला के शर्मिंदा क देले बाड़ू।
8 हमनी के दिन भर भगवान में घमंड करत बानी जा आ तोहार नाम के हमेशा खातिर स्तुति करत बानी जा। सेलाह के बा।
9 लेकिन तू हमनी के छोड़ के हमनी के शर्मिंदा क देले बाड़ू। आ हमनी के सेना के साथे ना निकले।
10 तू हमनी के दुश्मन से पीछे हटवा देत बाड़ू, आ जे हमनी से नफरत करेला, उ लोग अपना खातिर लूट लेला।
11 तू हमनी के भोजन खातिर निर्धारित भेड़ निहन देले बाड़ू। आ हमनी के गैर-यहूदी लोग के बीच बिखर देले बा।
12 तू अपना लोग के बेकार में बेचत बाड़ू आ ओकरा दाम से आपन धन ना बढ़ावत बाड़ू।
13 तू हमनी के पड़ोसी के निंदा, हमनी के आसपास के लोग खातिर तिरस्कार आ उपहास बनावत बाड़ू।
14 तू हमनी के गैर-यहूदी लोग के बीच एगो उपशब्द बनावत बाड़ू, आ लोग के बीच माथा हिलावे वाला बना देत बाड़ू।
15 हमार उलझन हमरा सामने लगातार रहेला आ हमरा चेहरा के लाज हमरा के ढंकले बा।
16 काहे कि जे निंदा करेला आ निंदा करेला ओकर आवाज। दुश्मन आ बदला लेवे वाला के कारण से।
17 ई सब हमनी पर आ गइल बा। तबो हमनी के तोहरा के ना भुला गईल बानी जा, ना तोहरा वाचा में झूठ बोलले बानी जा।
18 हमनी के मन पीछे ना हट गईल बा, ना ही हमनी के कदम तोहरा रास्ता से हट गईल बा।
19 भले ही तू हमनी के अजगर के जगह पर बहुत चोट से तोड़ के मौत के परछाई से ढंक देले बाड़ू।

20 अगर हमनी के अपना परमेश्वर के नाम भुला गईल बानी जा, या कवनो पराया देवता के सामने हाथ बढ़ा देले बानी जा।
21 का भगवान एकर खोज ना करीहें? काहे कि ऊ मन के रहस्य जानत बा.
22 हँ, तोहरा खातिर हमनी के दिन भर मारल जा रहल बानी जा। हमनी के वध खातिर भेड़ के रूप में गिनल जाला।
23 जाग, हे प्रभु, तू काहे सुतल बाड़ू? उठऽ, हमनी के हमेशा खातिर मत फेंकऽ।
24 तू आपन मुँह काहे छिपा के हमनी के दुख आ अत्याचार के भुला गइल बाड़ऽ?
25 काहेकि हमनी के प्राण धूल के सामने झुकल बा, हमनी के पेट धरती से चिपकल बा।
26 हमनी के मदद खातिर उठ, आ अपना दया के खातिर हमनी के छुड़ा द।

अध्याय 45 के बा

1 (शोशनिम के प्रमुख संगीतकार के, कोरह के बेटा लोग खातिर, मशिल, प्रेम के गीत।) हमार दिल एगो अच्छा बात के संकेत कर रहल बा, हम राजा के छूवे वाला बात के बात करत बानी एगो तइयार लेखक के नाम बा.
2 तू आदमी के संतान से भी सुन्दर बाड़ू, तोहरा होंठ में कृपा बरस गईल बा, एही से परमेश्वर तोहरा के हमेशा खातिर आशीष देले बाड़े।
3 हे परम ताकतवर, आपन महिमा आ महिमा से आपन तलवार अपना जांघ पर बान्हऽ।
4 आ सच्चाई आ नम्रता आ धार्मिकता के कारण तोहरा महिमा में समृद्ध होके सवारी करऽ। आ तोहार दहिना हाथ तोहरा के भयानक बात सिखावेला।
5 राजा के दुश्मनन के दिल में तोहार तीर तेज बा। जवना से जनता तोहरा अधीन हो जाला।
6 हे भगवान, तोहार सिंहासन हमेशा खातिर बा, तोहार राज्य के राजदंड सही राजदंड ह।
7 तू धार्मिकता से प्रेम करेलऽ आ बुराई से घृणा करेलऽ, एही से परमेस् वर तोहार परमेस् वर तोहरा के अपना साथियन से ऊपर खुशी के तेल से अभिषेक कइले बाड़न।
8 तोहार सब कपड़ा में हाथीदांत के महल से निकलल गंधक, मुसब्बर आ कैसिया के गंध आवत बा, जवना से ऊ तोहरा के खुश कइले बा।
9 राजा लोग के बेटी तोहार आदरणीय मेहरारू लोग के बीच में रहली, तोहरा दाहिना हाथ पर ओफीर के सोना में रानी खड़ा रहली।
10 हे बेटी, सुनऽ आ विचार करऽ आ कान झुकाऽ। आपन लोग आ अपना बाप के घर के भी भुला जा।
11 राजा तोहार सुंदरता के बहुत चाहत होई, काहेकि उ तोहार प्रभु हवे। आ तू ओकर पूजा करऽ।
12 सोर के बेटी वरदान लेके उहाँ रही। लोग में से धनी लोग भी तोहरा एहसान के निहोरा करी।
13 राजा के बेटी के भीतर सब महिमामंडित बा, ओकर कपड़ा गढ़ल सोना के बा।
14 ओकरा के सुई के कपड़ा पहिन के राजा के लगे ले आवल जाई, ओकरा पीछे आवे वाली ओकर साथी कुंवारी लोग के तोहरा लगे ले आवल जाई।
15 उ लोग के खुशी आ उल्लास के साथ ले आवल जाई, उ लोग राजा के महल में प्रवेश करीहे।
16 तोहरा बाप-दादा के जगह तोहार संतान हो जइहें, जेकरा के तू पूरा धरती में राजकुमार बना सकत बाड़ऽ।
17 हम तोहार नाम हर पीढ़ी में याद करत रहब, एही से लोग तोहार स्तुति हमेशा खातिर करी।

अध्याय 46 के बा

1 (कोराह के बेटा लोग खातिर मुख्य संगीतकार के, अलमोथ पर गीत।) भगवान हमनी के शरण आ ताकत हवें, संकट में बहुत वर्तमान सहायक हवें।
2 एह से हमनी के डर ना लागे, भले धरती दूर हो जाव आ पहाड़ समुंदर के बीच में ले जाइल जाव।
3 भले ओकर पानी गर्जत होखे आ घबरा जाव, भले ओकर सूजन से पहाड़ हिल जाव। सेलाह के बा।
4 एगो नदी बा, जवना के धार परमेश्वर के नगर के खुश कर दिही, जवन परम परमेश्वर के तम्बू के पवित्र स्थान ह।
5 भगवान ओकरा बीच में बाड़े। ऊ ना हिल पाई: भगवान ओकर मदद करीहें, आ ऊ ठीक जल्दी।
6 गैर-यहूदी लोग भड़क गइल, राज्य हिल गइल, ऊ आपन आवाज उठवलस, धरती पिघल गइल।
7 सेना के प्रभु हमनी के साथे बाड़े। याकूब के भगवान हमनी के शरण हवे। सेलाह के बा।
8 आ जा, प्रभु के काम देखऽ, ऊ धरती में कतना उजाड़ बनवले बाड़न।
9 ऊ धरती के अंत तक युद्ध के बंद कर देला। ऊ धनुष के तोड़ देला आ भाला के काट देला। ऊ रथ के आग में जरा देला।
10 शान्त रहऽ आ जानऽ कि हम परमेस् वर हईं, हम गैर-यहूदी लोग के बीच ऊँच होखब, धरती पर हम ऊँच होखब।
11 सेना के प्रभु हमनी के साथे बाड़े। याकूब के भगवान हमनी के शरण हवे। सेलाह के बा।

अध्याय 47 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के, कोरह के बेटा लोग खातिर एगो भजन।) हे सब लोग ताली बजाईं। विजय के आवाज से भगवान के चिल्लाहट।
2 काहे कि परम ऊँच प्रभु भयावह हवें। ऊ पूरा धरती पर एगो बड़हन राजा हवें।
3 उ लोग के हमनी के नीचे आ जाति के हमनी के गोड़ के नीचे वश में करीहे।
4 उ हमनी खातिर हमनी के विरासत के चुनिहे, जवन याकूब के महानता ह, जेकरा से उ प्यार कईले रहले। सेलाह के बा।
5 भगवान चिल्लाहट से ऊपर चल गइल बाड़न, प्रभु तुरही के आवाज से।
6 भगवान के स्तुति गाईं, स्तुति गाईं, हमनी के राजा के स्तुति गाईं, स्तुति गाईं।
7 काहेकि परमेश्वर पूरा धरती के राजा हवें, समझ के साथ स्तुति गाईं।
8 परमेश्वर गैर-यहूदी पर राज करेलन, परमेश्वर अपना पवित्रता के सिंहासन पर बइठल बाड़न।

9 अब्राहम के परमेस् वर के जनता लोग के प्रधान लोग एकट्ठा हो गइल बा, काहेकि धरती के ढाल परमेश्वर के ह, उ बहुत ऊँच हो गइल बा।

अध्याय 48 के बा

1 (कोराह के बेटा लोग खातिर एगो गीत आ भजन।) प्रभु महान हवें आ हमनी के परमेश्वर के नगर में, उनकर पवित्रता के पहाड़ पर बहुत स्तुति करे के बा।
2 स्थिति खातिर सुंदर, पूरा धरती के आनन्द, उत्तर के किनारे सिय्योन पहाड़ बा, महान राजा के शहर।
3 भगवान के उनकर महल में शरण खातिर जानल जाला।
4 काहे कि देख, राजा लोग जुटल रहले, उ लोग एक संगे गुजरत रहले।
5 उ लोग एकरा के देख के अचरज में पड़ गईले। उ लोग परेशान हो गईले अवुरी जल्दी-जल्दी चल गईले।
6 उहाँ ओह लोग पर भय आ पीड़ा हो गइल जइसे कवनो प्रसव में डूबल मेहरारू के पीड़ा हो गइल।
7 तूँ तर्शीश के जहाजन के पूरब के हवा से तोड़ देत बाड़ऽ।
8 जइसे हमनी के सुनले बानी जा, ओइसहीं हमनी के सेना के यहोवा के नगर में, हमनी के परमेश्वर के नगर में देखले बानी जा। सेलाह के बा।
9 हे भगवान, तोहरा मंदिर के बीच में हम तोहार दया के बारे में सोचले बानी।
10 हे परमेश्वर, तोहार नाम के अनुसार धरती के छोर तक तोहार स्तुति बा, तोहार दाहिना हाथ धर्म से भरल बा।
11 सिय्योन पहाड़ के खुशी होखे, यहूदा के बेटी लोग तोहरा न्याय के चलते खुश होखे।
12 सिय्योन के चारों ओर घूम के ओकरा चारों ओर घूम के ओकर बुर्ज के बताईं।
13 तूँ ओकर दुर्ग के बढ़िया से चिन्हित करऽ, ओकर महल के विचार करऽ। ताकि तू लोग एकरा बाद के पीढ़ी के बता सकी।
14 काहेकि इहे परमेस् वर हमनी के परमेस् वर हवें, उ मौत तक हमनी के मार्गदर्शक रहीहे।

अध्याय 49 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के, कोरह के बेटा लोग खातिर एगो भजन।) हे सब लोग ई बात सुनीं। हे दुनिया के सब निवासी लोग, कान लीं।
2 नीच-उच्च, अमीर-गरीब दुनो, एक संगे।
3 हमार मुँह बुद्धि के बात करी। आ हमरा मन के ध्यान समझ के होई।
4 हम आपन कान एगो दृष्टान्त के ओर झुका देब, हम आपन अन्हार बात वीणा पर खोलब।
5 बुराई के दिन में जब हमरा एड़ी के अधर्म हमरा के चारों ओर घेर लेव त हम काहे डेराएब?
6 जे लोग अपना धन पर भरोसा करेला आ अपना धन के भरमार पर घमंड करेला।
7 ओहमें से केहू अपना भाई के छुड़ा ना सकेला आ ना ही ओकरा खातिर परमेश्वर के फिरौती दे सकेला।
8 (काहे कि उनकरा आत्मा के मुक्ति बहुत कीमती ह, आ उ हमेशा खातिर खतम हो जाला।)
9 ऊ अबहियों हमेशा खातिर जिंदा रहस आ भ्रष्टाचार ना देखे।
10 ऊ देखत बा कि ज्ञानी लोग मर जाला, ओइसहीं मूर्ख आ क्रूर आदमी नाश हो जाला आ आपन धन दोसरा पर छोड़ देला।
11 उनकर भीतर के विचार बा कि उनकर घर हमेशा खातिर बनल रही आ हर पीढ़ी तक उनकर निवास स्थान बनल रही। उ लोग अपना जमीन के अपना नाम प बोलावेले।
12 फिर भी आदमी आदर में ना रहेला, उ नाश होखे वाला जानवर निहन बा।
13 उनकर ई रास्ता उनकर मूर्खता ह, तबो उनकर संतान उनकर बात के मंजूर करेला। सेलाह के बा।
14 भेड़ नियर कब्र में बिछावल जाला। मौत ओह लोग के खाए के पड़ी; आ सोझ लोग के सबेरे ओह लोग पर राज हो जाई। आ ओह लोग के सुंदरता ओह लोग के निवास से कब्र में खतम हो जाई.
15 लेकिन परमेश्वर हमरा प्राण के कब्र के शक्ति से मुक्त कर दिहे, काहेकि उ हमरा के ग्रहण करीहे। सेलाह के बा।
16 जब केहू अमीर हो जाला, जब ओकरा घर के महिमा बढ़ जाला त तू मत डेराईं।
17 जब ऊ मर जाई त ऊ कुछ ना ले जाई आ ओकर महिमा ओकरा बाद ना उतरी।
18 जबले ऊ जिंदा रहलन त ऊ अपना जान के आशीष दिहलन आ जब तू अपना भलाई करबऽ त आदमी तोहार स्तुति करीहें।
19 ऊ अपना पुरखन के पीढ़ी में चल जइहें। उ लोग के कबो रोशनी ना देखाई दिही।
20 जवन आदमी आदर में बा, आ समझ ना पावेला, उ नाश होखे वाला जानवर निहन बा।

अध्याय 50 के बा

1 (आसाफ के भजन।) पराक्रमी परमेश्वर, यहोवा, सूरज के उगला से लेके अस्त होखे तक धरती के बोलवले बाड़े।
2 सिय्योन से, सुंदरता के सिद्धता से, भगवान चमकले बाड़न।
3 हमनी के परमेस् वर आ जइहें आ चुप ना रहिहें, ओकरा सोझा आग भस्म हो जाई आ ओकरा चारो ओर बहुत तूफानी हो जाई।
4 ऊ ऊपर से आकाश आ धरती के आवाज उठाई ताकि ऊ अपना लोग के न्याय कर सके।
5 हमरा संत लोग के हमरा लगे एकट्ठा करऽ। जे हमरा से बलिदान से वाचा कइले बा।
6 आऊ आकाश ओकर धार्मिकता के बखान करी, काहेकि परमेश्वर खुद न्याय करेलन। सेलाह के बा।
7 हे हमार लोग, सुनऽ, हम बोलब। हे इस्राएल, हम तोहरा खिलाफ गवाही देब कि हम भगवान हईं, तोहार भगवान हईं।
8 हम तोहरा बलिदान भा होमबलि खातिर तोहरा के ना डांटब कि हम हमेशा हमरा सामने रहल बानी।
9 हम तोहरा घर से कवनो बैल ना निकालब आ ना ही तोहरा झुंड से बकरी निकालब।
10 जंगल के हर जानवर हमार ह आ हजार पहाड़ी पर मवेशी।
11 हम पहाड़ के सब चिरई के जानत बानी आ खेत के जंगली जानवर हमार ह।
12 अगर हम भूखल रहतीं त तोहरा के ना बतावतीं, काहेकि दुनिया हमार ह आ ओकर पूरापन।
13 का हम बैल के मांस खाइब कि बकरी के खून पीब?

14 भगवान के धन्यवाद देत बानी। आ परम परमात्मा से आपन व्रत पूरा करऽ।
15 आ संकट के दिन हमरा के पुकार, हम तोहरा के बचा लेब, आ तू हमार महिमा करब।
16 लेकिन परमेस् वर दुष्ट से कहलन कि, “हमरा नियम के बतावे खातिर तोहरा का करे के बा आ हमार वाचा के मुँह में लेबे खातिर?”
17 काहे कि तू शिक्षा से नफरत करत बाड़ू आ हमार बात अपना पीछे फेंक देत बाड़ू।
18 जब तू कवनो चोर के देखनी त ओकरा से सहमत हो गईनी अवुरी व्यभिचारी के संगे भाग लेले बानी।
19 तू आपन मुँह बुराई के दे देत बाड़ऽ आ तोहार जीभ धोखा बनावेले।
20 तू बईठ के अपना भाई के खिलाफ बोलत बाड़ू। तू अपना माई के बेटा के निंदा करत बाड़ू।
21 तू ई सब कइले बाड़ऽ आ हम चुप रह गइनी। तू सोचत रहलू कि हम तोहरा जइसन आदमी हईं, बाकिर हम तोहरा के डांट के तोहरा आँख के सोझा ओह लोग के व्यवस्थित करब।
22 हे भगवान के भुला जाए वाला लोग, एह बात पर विचार करीं कि कहीं हम तोहनी के टुकड़ा-टुकड़ा ना कर देब आ केहू के बचावे वाला ना होखे।
23 जे स्तुति करेला, उ हमार महिमा करेला, आ जे आपन बात के सही तरीका से व्यवस्थित करेला, ओकरा के हम परमेश्वर के उद्धार के बारे में बताइब।

अध्याय 51 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के, दाऊद के एगो भजन, जब नाथन भविष्यवक्ता बतशेबा में गइला के बाद उनकरा लगे अइले।) हे परमेश्वर, अपना दया के अनुसार हमरा पर दया करऽ हमार अपराध के मिटा दऽ।
2 हमरा के हमरा अधर्म से पूरा तरह से धो दऽ आ हमरा पाप से साफ करऽ।
3 हम अपना अपराध के स्वीकार करत बानी आ हमार पाप हमेशा हमरा सामने बा।
4 हम खाली तोहरा खिलाफ पाप कइले बानी आ तोहरा नजर में ई बुराई कइले बानी, ताकि जब तू बोलत बाड़ू त तू धर्मी ठहर जाईं आ जब तू न्याय करत बाड़ू त साफ हो जाईं।
5 देखऽ, हम अधर्म में आकार लेले रहनी। आ पाप में माई हमरा के गर्भ में रखली।
6 देखऽ, तू भीतर से सच्चाई के चाहत बाड़ऽ, आ छिपल भाग में तू हमरा के बुद्धि के परिचय करा देबऽ।
7 हमरा के हिसोप से शुद्ध करऽ, त हम साफ होखब, हमरा के धो दऽ, त हम बर्फ से भी उज्जर होखब।
8 हमरा के खुशी आ खुशी के बात सुनाईं। ताकि जवन हड्डी तू तोड़ले बाड़, उ आनन्दित होखे।
9 हमरा पाप से आपन मुँह छुपा के हमार सब अधर्म के मिटा द।
10 हे भगवान, हमरा में एगो साफ दिल बनाई; आ हमरा भीतर एगो सही भावना के नवीनीकरण करीं।
11 हमरा के अपना सामने से दूर मत फेंकऽ; आ हमरा से आपन पवित्र आत्मा मत छीन।
12 हमरा के आपन उद्धार के आनन्द वापस कर द। आ अपना मुक्त आत्मा से हमरा के सहारा दऽ।
13 तब हम अपराधी लोग के तोहार रास्ता सिखा देब। आ पापी लोग तोहरा लगे बदल जाई।
14 हे परमेश्वर, हे हमार उद्धार करे वाला परमेश्वर, हमरा के खून के दोषी से बचाव, त हमार जीभ तोहार धर्म के बारे में जोर से गावे।
15 हे प्रभु, तू हमार होठ खोलऽ। आ हमार मुँह तोहार स्तुति बताई।
16 काहेकि तू बलिदान के चाहत नइखऽ। ना त हम ओकरा के देब, तू होमबलि में नाराज नइखऽ।
17 भगवान के बलिदान टूटल आत्मा ह, टूटल आ पश्चाताप करे वाला दिल ह, हे भगवान, तू तुच्छ ना मानब।
18 अपना मन में सिय्योन के भलाई करऽ, यरूशलेम के देवाल बनाईं।
19 तब तू धर्म के बलिदान, होमबलि आ पूरा होमबलि से खुश होखब, तब ऊ लोग तोहरा वेदी पर बैल चढ़ाई।

अध्याय 52 के बा

1 (मुख्य संगीतकार मस्किल के, दाऊद के भजन, जब एदोमी डोएग शाऊल के बतवले आ कहलस कि, “दाऊद अहीमेलेक के घरे आ गईल बाड़े।) हे पराक्रमी, तू काहे बदमाशी के घमंड करत बाड़? भगवान के भलाई लगातार बनल रहेला।
2 तोहार जीभ बदमाशी के कल्पना करेले। तेज रेजर निहन, धोखा से काम करत।
3 तू अच्छाई से ज्यादा बुराई से प्यार करेलऽ। आ धार्मिक बात बोले से बेसी झूठ बोलल। सेलाह के बा।
4 हे धोखेबाज जीभ, तू सब खाए वाला बात से प्यार करेलऽ।
5 भगवान ओइसहीं तोहरा के हमेशा खातिर नाश कर दीहें, तोहरा के ले जाइहें आ तोहरा निवास से उखाड़ दिहें आ तोहरा के जिंदा लोग के देश से जड़ से उखाड़ दिहें। सेलाह के बा।
6 धर्मी लोग भी देख के डेराई आ ओकरा पर हँसी।
7 देखऽ, ई ऊ आदमी ह जे भगवान के आपन ताकत ना बनवले। बाकिर अपना धन के भरमार पर भरोसा कइलन आ अपना दुष्टता में अपना के मजबूत कइलन.
8 लेकिन हम परमेश्वर के घर में एगो हरियर जैतून के पेड़ निहन बानी, हम हमेशा खातिर परमेश्वर के दया प भरोसा करतानी।
9 हम तोहार हमेशा खातिर स्तुति करब, काहे कि तू ई काम कइले बाड़ऽ, आ हम तोहार नाम के इंतजार करब। काहेकि ई तोहरा संत लोग के सामने अच्छा बा।

अध्याय 53 के बा

1 (महलत के प्रमुख संगीतकार के, मशिल, दाऊद के एगो भजन।) मूर्ख मन में कहले बा कि, “परमेशवर कवनो नईखन।” उ लोग भ्रष्ट बाड़े अवुरी घिनौना अधर्म कईले बाड़े, भलाई करेवाला केहु नईखे।
2 परमेश्वर स्वर्ग से आदमी के संतान के ओर देखलन कि का केहू समझत बा आ परमेश्वर के खोजत बा कि ना।
3 उ लोग में से हर एक वापस चल गईल बा, उ सब एकदम गंदा हो गईल बा। केहू भलाई करे वाला नइखे, ना, एकहू नइखे।
4 का अधर्म के काम करे वाला लोग के कवनो ज्ञान नइखे? जे हमरा लोग के रोटी खात घरी खात बाड़े, उ लोग भगवान के ना पुकारले बाड़े।

5 उहाँ उ लोग बहुत डेरा गईल रहले, जहां कवनो डर ना रहे, काहेकि परमेश्वर तोहरा खिलाफ डेरा डाले वाला के हड्डी के तितर-बितर क देले बाड़े, काहेकी भगवान ओ लोग के तुच्छ समझले बाड़े।
6 काश इस्राएल के उद्धार सिय्योन से निकल गइल रहित! जब परमेश्वर अपना लोग के बंदी के वापस ले अइहें त याकूब खुश हो जइहें आ इस्राएल खुश हो जइहें।

अध्याय 54 के बा

1 (नेगिनोथ के प्रमुख संगीतकार मशिल, दाऊद के भजन, जब सिफीम लोग शाऊल से कहलस, "का दाऊद हमनी के साथे लुकाइल नइखे?) हे परमेश्वर, हमरा के अपना नाम से बचाईं आ हमरा के अपना ताकत से न्याय कर .
2 हे भगवान, हमार प्रार्थना सुनऽ। मुँह के बात पर कान दे दीं।
3 काहेकि परदेसी लोग हमरा खिलाफ उठल बा आ अत्याचारी हमरा जान के खोजत बाड़े, उ लोग भगवान के अपना सामने नईखन रखले। सेलाह के बा।
4 देखऽ, परमेश्वर हमार सहायक हवें, प्रभु हमरा आत्मा के बचावे वाला लोग के साथे बाड़न।
5 उ हमरा दुश्मनन के बुराई के इनाम दिही, ओकरा के अपना सच्चाई में काट दिही।
6 हम तोहरा खातिर मुफ्त में बलिदान देब, हे प्रभु, हम तोहार नाम के स्तुति करब। काहे कि ई बढ़िया बा.
7 काहेकि उ हमरा के हर संकट से बचा लेले बा, आ हमार आँख हमरा दुश्मनन पर ओकर इच्छा देखले बिया।

अध्याय 55 के बा

1 (नेगिनोथ के प्रमुख संगीतकार के, मशिल, दाऊद के एगो भजन।) हे भगवान, हमार प्रार्थना पर कान करऽ। आ हमरा निहोरा से अपना के मत लुकाईं।
2 हमरा पर ध्यान दीं आ हमार बात सुनीं, हम अपना शिकायत में शोक मनावत बानी आ हल्ला करत बानी।
3 दुश्मन के आवाज के चलते, दुष्ट के अत्याचार के चलते, काहेकि उ लोग हमरा प अधर्म डालतारे अवुरी क्रोध में हमरा से नफरत करतारे।
4 हमार मन हमरा भीतर बहुत दुखी बा, आ मौत के भयावह हमरा पर पड़ल बा।
5 हमरा पर भय आ काँप आइल बा आ भयावहता हमरा पर भारी पड़ गइल बा।
6 हम कहनी, "अरे हमार पाँख कबूतर निहन रहित! काहे कि तब हम उड़ के आराम कर लेतीं।
7 देख, त हम दूर भटक के जंगल में रहब। सेलाह के बा।
8 हम हवादार तूफान आ तूफान से जल्दी जल्दी भागे के काम करत रहनी।
9 हे प्रभु, ओकरा के नष्ट करऽ आ ओह लोग के जीभ के बंटवारा करऽ, काहे कि हम शहर में हिंसा आ झगड़ा देखले बानी।
10 दिन-रात उ लोग ओकरा देवालन पर घूमत रहेला, ओकरा बीच में बदमाशी आ दुख भी होला।
11 ओकरा बीच में दुष्टता बा, धोखा आ छल ओकरा गली से ना हटत बा।
12 काहेकि ई कवनो दुश्मन ना रहे जवन हमरा के डांटत रहे। तब हम एकरा के सहन कर सकत रहनी, ना ही उ हमरा से नफरत करे वाला हमरा खिलाफ आपन बड़ाई कईले। तब हम ओकरा से अपना के लुका लेतीं।
13 बाकिर ई तू, हमार बराबर के आदमी, हमार मार्गदर्शक आ हमार परिचित रहलू।
14 हमनी के मिल के मीठ सलाह लेके परमेश्वर के घर में मिल के चल गईनी जा।
15 मौत ओह लोग पर पकड़ लेव आ ऊ लोग जल्दी से नरक में उतर जाव, काहे कि ओह लोग के निवास में आ ओह लोग के बीच में दुष्टता बा।
16 रहल बात हमरा के त हम भगवान के पुकार करब। आ परमेस् वर हमरा के बचा लीहें।
17 साँझ, सबेरे आ दुपहरिया में हम प्रार्थना करब आ जोर से चिल्लाइब आ ऊ हमार आवाज सुनाई।
18 उ हमरा के खिलाफ लड़ाई से शांति से हमरा प्राण के बचा लेले बाड़े, काहेकि हमरा संगे बहुत लोग रहले।
19 परमेस् वर सुन के उ लोग के दुख दिहे, उहे जे पहिले से रहेला। सेलाह के बा। काहे कि ओह लोग में कवनो बदलाव नइखे, एहसे ऊ लोग भगवान से डेरात नइखे.
20 उ अपना संगे शांति से रहे वाला लोग के खिलाफ हाथ बढ़ा देले बाड़े, उ आपन वाचा तूड़ देले बाड़े।
21 उनकर मुँह के बात मक्खन से भी चिकना रहे, लेकिन उनकर दिल में युद्ध रहे, उनकर बात तेल से भी नरम रहे, लेकिन तलवार खींचल रहे।
22 आपन बोझ यहोवा पर डाल, उ तोहरा के सहारा दिहे, उ कबो धर्मी के हिलल ना दिहे।
23 हे भगवान, तू ओह लोग के विनाश के गड्ढा में उतार देबऽ, खूनी आ धोखेबाज लोग आधा दिन ना जिय पाई। लेकिन हम तोहरा पर भरोसा करब।

अध्याय 56 के बा

1 (दाऊद के मिक्ताम, योनाथेलेमरेचोकीम के प्रमुख संगीतकार के, जब पलिस्तीन ओकरा के गात में ले गईले।) हे परमेश्वर, हमरा पर दया करऽ, काहेकि आदमी हमरा के निगल लेत रहे। ऊ रोज लड़त हमरा पर अत्याचार करेला।
2 हमार दुश्मन रोज हमरा के निगलत रहले, काहेकि हे परमात्मा, हमरा से लड़े वाला बहुत लोग बाड़े।
3 जवना समय हम डेरात बानी, हम तोहरा पर भरोसा करब।
4 हम भगवान पर उनकर वचन के स्तुति करब, हम भगवान पर भरोसा कइले बानी। हम डेराएब ना कि मांस हमरा के का कर सकेला।
5 उ लोग रोज हमरा बात से छुटकारा लगावेले, उ लोग बुराई के चलते हमार सब विचार हमरा खिलाफ बा।
6 ऊ लोग अपना के एकट्ठा हो जाला, लुका जाला, हमरा कदम के निशान लगावेला, जब ऊ लोग हमरा आत्मा के इंतजार करेला।
7 का उ लोग अधर्म से बच जइहें? हे भगवान, अपना क्रोध में लोग के गिरा दऽ।
8 तू हमार भटकल बात बतावत बाड़ू, हमार लोर अपना बोतल में डाल दऽ, का ऊ तोहरा किताब में नइखे?

9 जब हम तोहरा से पुकारब त हमार दुश्मन पीछे हट जइहें। काहे कि भगवान हमरा खातिर बाड़े।
10 हम परमेश्वर में उनकर वचन के स्तुति करब, हम प्रभु में उनकर वचन के स्तुति करब।
11 हम आपन भरोसा परमेश्वर पर रखले बानी, हम डेराएब कि आदमी हमरा साथे का कर सकेला।
12 हे भगवान, तोहार व्रत हमरा पर बा, हम तोहार स्तुति करब।
13 काहेकि तू हमरा प्राण के मौत से बचा लेले बाड़ू, का तू हमरा गोड़ के गिरला से ना बचाईब कि हम जिंदा लोग के रोशनी में परमेश्वर के सामने चल सकीले?

अध्याय 57 के बा

1 (दाऊद के मुख्य संगीतकार अल्तास्कित, मिचतम के, जब उ शाऊल से गुफा में भाग गईले।) हे परमेश्वर, हमरा पर दया कर, हमरा पर दया कर, काहेकि हमार प्राण तोहरा पर भरोसा करेला, हँ, तोहरा परछाई में पाँख हम आपन शरण बनाइब, जबले ई विपत्तियन के पार ना हो जाई।
2 हम परम परमेश्वर से पुकारब। हमरा खातिर सब कुछ करे वाला परमेस् वर के।
3 ऊ स्वर्ग से भेज के हमरा के निगल जाए वाला के निंदा से बचाई। सेलाह के बा। भगवान आपन दया आ आपन सच्चाई भेज दिहे।
4 हमार प्राण शेरन के बीच में बा आ हम ओह लोग के बीच में पड़ल बानी जेकरा के आग लगा दिहल गइल बा, ऊ लोग आदमी के बेटा लोग के बीच बा, जेकर दाँत भाला-बाण ह आ जीभ तेज तलवार ह।
5 हे भगवान, तू आकाश से ऊपर उठावल जा। तोहार महिमा पूरा धरती से ऊपर होखे।
6 उ लोग हमरा कदम खातिर जाल तैयार कईले बाड़े। हमार प्राण झुक गइल बा, ऊ लोग हमरा सामने एगो गड्ढा खोदले बा, जवना के बीच में ऊ लोग खुद गिर गइल बा। सेलाह के बा।
7 हे भगवान, हमार मन स्थिर बा, हमार मन स्थिर बा, हम गा के स्तुति करब।
8 हमार महिमा, जाग जा। जागल, भजन आ वीणा: हम खुद जल्दी जागब।
9 हे प्रभु, हम तोहार स्तुति करब, हम राष्ट्रन के बीच तोहरा के गाब।
10 काहेकि तोहार दया आकाश तक आ तोहार सच्चाई बादल तक बहुत बा।
11 हे परमेश्वर, तू आकाश से ऊपर उठावल जा, तोहार महिमा पूरा धरती से ऊपर होखे।

अध्याय 58 के बा

1 (दाऊद के मुख्य संगीतकार अल्ताशिथ, मिचताम से।) हे मंडली, का तू लोग सचहूँ धर्म के बात कहत बाड़ू? हे मनुष्य के लइका लोग, का तू लोग सीधा-सीधा न्याय करत बाड़ऽ?
2 हँ, मन में तू लोग बुराई करेलन। तू लोग धरती पर अपना हाथ के हिंसा के तौलत बाड़।
3 दुष्ट लोग गर्भ से दूर हो जाला, उ लोग पैदा होते झूठ बोलत भटक जाला।
4 इनकर जहर साँप के जहर निहन बा, उ बहरा घोड़ा निहन बा, जवन कि ओकरा कान के रोकेला।
5 जवन मंत्रमुग्ध करे वाला लोग के आवाज ना सुनाई, मोहक कबो एतना बुद्धिमानी से ना।
6 हे भगवान, ओह लोग के मुँह में दाँत तोड़ दीं, हे प्रभु, शेर के बच्चा के बड़का दाँत तोड़ दीं।
7 ऊ पानी नियर पिघल जाव जवन लगातार बहत रहेला, जब ऊ आपन धनुष मोड़ के आपन तीर चलावेला त ऊ लोग के टुकड़ा-टुकड़ा होखे के चाहीं।
8 घोंघा जइसन पिघल जाला, ओइसहीं हर केहू के गुजर जाव, जइसे कवनो मेहरारू के असमय जनम होखे, ताकि ऊ सूरज के ना देख सके।
9 तोहनी के घड़ा के काँट के महसूस होखे से पहिले उ ओकरा के बवंडर निहन ले जाई, जिंदा अवुरी अपना क्रोध में।
10 धर्मी जब बदला देख के खुश होई, उ दुष्ट के खून में आपन गोड़ धोई।
11 एह से आदमी कहे कि, "धर्मी लोग के इनाम जरूर मिलेला, उ धरती पर न्याय करे वाला परमेश्वर हवें।

अध्याय 59 के बा

1 (दाऊद के मिक्ताम के प्रमुख संगीतकार अल्ताशित के लगे, जब शाऊल ओकरा के मारे खातिर घर के पहरा देवे खातिर भेजले रहले।) हे हमार परमेश्वर, हमरा के दुश्मनन से बचाव, हमरा खिलाफ उठल लोग से हमार बचाव कर।
2 हमरा के अधर्म के काम करे वाला लोग से बचाव, आ हमरा के खूनी आदमी से बचाईं।
3 काहे कि देखऽ, उ लोग हमरा जान के इंतजार करत बा, पराक्रमी लोग हमरा खिलाफ जुटल बा। हे प्रभु, हमरा अपराध खातिर ना, ना हमरा पाप खातिर।
4 उ लोग हमरा कवनो गलती के बिना दौड़त-दौड़त अपना के तइयार करेला, हमरा मदद करे खातिर जागल बा आ देखऽ।
5 एह से हे सेना के परमेस् वर, इस्राएल के परमेस् वर, तू सभ गैर-यहूदी के मुक़ाबले खातिर जागल रहऽ, कवनो दुष्ट अपराधी पर दया मत करऽ। सेलाह के बा।
6 साँझ के लवटत बाड़े, कुकुर निहन हल्ला मचावेले अवुरी शहर के चारों ओर घूमेले।
7 देखऽ, ऊ लोग मुँह से बाहर निकलत बा, तलवार ओह लोग के होंठ में बा, काहे कि ऊ लोग के सुनत बा?
8 हे प्रभु, तू ओह लोग पर हँसब। तोहरा सब गैर-यहूदी लोग के मजाक उड़ावल जाई।
9 उनकर ताकत के चलते हम तोहार इंतजार करब, काहेकि भगवान हमार बचाव हवे।
10 हमार दया के भगवान हमरा के रोकिहें, भगवान हमरा के अपना दुश्मनन पर आपन इच्छा देखे दिहें।
11 ओह लोग के मत मारऽ, कहीं हमार लोग ना भुला जाव. आ ओह लोग के नीचे ले आवऽ, हे हमनी के ढाल प्रभु।
12 काहे कि ओह लोग के मुँह के पाप आ होठ के बात के घमंड में भी उठावल जाव, आ गारी आ झूठ के बात के खातिर।
13 ओह लोग के क्रोध में नाश करऽ, ओकरा के नाश करऽ कि ऊ लोग ना होखे, आ ओह लोग के ई जान दीं कि परमेस् वर याकूब में धरती के छोर तक राज करत बाड़न। सेलाह के बा।
14 आ साँझ के ऊ लोग लवट आवे। आ कुकुर नियर हल्ला मचावे आ शहर के चारो ओर घूमे।

15 उ लोग भोजन खातिर ऊपर नीचे भटकस, आ अगर उ लोग के तृप्त ना होखे त उ लोग के खिसियाहट होखे।
16 लेकिन हम तोहार शक्ति के बारे में गावत रहब। हँ, हम सबेरे तोहार दया के जोर से गाब, काहे कि तू हमरा संकट के दिन हमार बचाव आ शरण रहल बाड़ू।
17 हे हमार ताकत, हम तोहरा खातिर गाब, काहे कि भगवान हमार बचाव आ दया के भगवान हवें।

अध्याय 60 के बा

1 (शुशानेदुत के प्रमुख संगीतकार, दाऊद के मिक्ताम के सिखावे खातिर, जब उ अरामनहरैम आ अरामजोबा से झगड़ा कईले, जब योआब लवट के अदोम के नून के घाटी में बारह हजार लोग के मार दिहलस।) हे परमेश्वर, तू हमनी के फेंक देले बाड़ू , तू हमनी के बिखर देले बाड़ू, तू नाराज हो गईल बाड़ू; हे फेर से हमनी के ओर मुड़ जा।
2 तू धरती के काँप देले बाड़ू। तू ओकरा के तोड़ देले बाड़ऽ, ओकरा टूटल-फूटल के ठीक करऽ। काहे कि ऊ हिलत बा.
3 तू अपना लोग के कठिन बात देखवले बाड़ू, हमनी के अचरज के शराब पियवा देले बाड़ू।
4 तू तोहरा से डेरावे वाला लोग के एगो झंडा देले बाड़ू ताकि सच्चाई के चलते ओकरा के देखावल जा सके। सेलाह के बा।
5 ताकि तोहार प्रियजन के मुक्ति मिल सके। अपना दाहिना हाथ से बचाव आ हमार बात सुनऽ।
6 परमेश्वर अपना पवित्रता में बात कइले बाड़न। हम खुश होखब, शेकेम के बांटब, आ सुक्कोत के घाटी के मेट करब।
7 गिलिआद हमार ह आ मनश्शे हमार ह। एफ्राइम भी हमरा माथा के ताकत ह। यहूदा हमार कानून बनावे वाला ह।
8 मोआब हमार धोखा ह। हम अदोम के ऊपर आपन जूता निकालब, फिलिस्ती, तू हमरा खातिर जीत हासिल करऽ।
9 हमरा के मजबूत शहर में के ले आई? के हमरा के एदोम में ले जाई?
10 हे भगवान, का तू ना हउअ, जे हमनी के फेंक देले रहलू? आ तू हे भगवान, जे हमनी के सेना के साथे ना निकलनी?
11 हमनी के संकट से सहायता दीं, काहेकि आदमी के सहायता व्यर्थ ह।
12 हमनी के परमेश्वर के द्वारा वीरता से काम करब जा, काहेकि उहे हमनी के दुश्मनन के रौंद दिही।

अध्याय 61 के बा

1 (नेगीना पर प्रमुख संगीतकार के, दाऊद के एगो भजन।) हे भगवान, हमार पुकार सुनऽ। हमार प्रार्थना के ध्यान राखीं।
2 जब हमार मन डूब जाई त हम धरती के छोर से तोहरा से पुकारब, हमरा के ओह चट्टान पर ले जाईं जवन हमरा से ऊँच बा।
3 काहे कि तू हमरा खातिर आश्रय आ दुश्मन से एगो मजबूत बुर्ज बन गइल बाड़ू।
4 हम तोहरा तम्बू में हमेशा खातिर रहब, तोहरा पाँख के छिपल जगह पर भरोसा करब। सेलाह के बा।
5 हे भगवान, तू हमार व्रत सुनले बाड़ू, तोहरा नाम से डेराए वाला लोग के धरोहर हमरा के देले बाड़ू।
6 तू राजा के उमिर लमहर करबऽ आ ओकर उमिर कई पीढ़ियन के बराबर बढ़ा देबऽ।
7 ऊ परमेश्वर के सामने हमेशा खातिर रहिहें, हे दया आ सच्चाई के तइयार करऽ, जवन ओकरा के बचा सके।
8 हम तोहार नाम के स्तुति हमेशा खातिर गाब, ताकि हम रोज आपन व्रत पूरा कर सकीले।

अध्याय 62 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के, जेदुथून के, दाऊद के भजन।) हमार प्राण सचमुच परमेश्वर के इंतजार करत बा, उनुके से हमार उद्धार बा।
2 उहे हमार चट्टान आ हमार उद्धार हवे। ऊ हमार बचाव हउवें; हमरा बहुते भावुक ना होखब.
3 तू लोग कब तक कवनो आदमी के खिलाफ बदमाशी के कल्पना करब? तोहनी सभे के मारल जाइब, प्रणाम के देवाल निहन आ डगमगात बाड़ निहन होखब।
4 ऊ लोग खाली ओकरा के ओकर महानता से गिरावे खातिर सलाह लेला, झूठ में मस्त रहेला, मुँह से आशीर्वाद देला, लेकिन भीतर से गारी देला। सेलाह के बा।
5 हमार प्राण, तू खाली भगवान के इंतजार करऽ। काहे कि हमार उम्मीद उनुका से बा।
6 उ खाली हमार चट्टान आ हमार उद्धार ह, उ हमार बचाव ह। हम ना हिलब।
7 हमार उद्धार आ महिमा परमेश्वर में बा, हमार ताकत के चट्टान आ हमार शरण परमेश्वर में बा।
8 हर समय ओकरा पर भरोसा करीं; हे लोग, ओकरा सामने आपन मन के बात बताईं, भगवान हमनी खातिर शरण हवें। सेलाह के बा।
9 नीच पद के आदमी आडंबर ह, आ उच्च पद के आदमी झूठ ह, तराजू में डालल आडंबर से एकदम हल्का होला।
10 अत्याचार पर भरोसा मत करीं आ डकैती में बेकार मत बनीं, अगर धन बढ़ी त ओकरा पर आपन मन मत राखीं।
11 भगवान एक बेर बोलले बाड़न। दू बेर हम ई बात सुनले बानी; ऊ शक्ति भगवान के ह।
12 हे प्रभु, दया तोहरा के ह, काहे कि तू हर आदमी के ओकर काम के हिसाब से बदला देत बाड़ू।

अध्याय 63 के बा

1 (दाऊद के एगो भजन, जब उ यहूदा के जंगल में रहले।) हे परमेश्वर, तू हमार परमेश्वर हउअ। हम तोहरा के जल्दी खोजब, हमार आत्मा तोहरा खातिर प्यासल बा, हमार मांस तोहरा खातिर तरसता, सूखल आ प्यासल देश में, जहाँ पानी नइखे।
2 तोहार शक्ति आ महिमा के ओइसहीं देखे खातिर जइसे हम तोहरा के पवित्र स्थान में देखले बानी।
3 काहे कि तोहार दया जीवन से बढ़िया बा, हमार होठ तोहार स्तुति करी।
4 हम जिंदा रहते तोहरा के एही तरह से आशीर्वाद देब, तोहरा नाम से हाथ उठाइब।
5 हमार प्राण मज्जा आ मोटाई से तृप्त हो जाई। आ हमार मुँह हँसी-खुशी होठ से तोहार स्तुति करी।
6 जब हम अपना बिछौना पर तोहरा के याद करब आ रात के प्रहर में तोहरा के मनन करब।

7 काहे कि तू हमार सहायक रहलू, एहसे हम तोहरा पाँख के परछाई में खुश होखब।
8 हमार प्राण तोहरा पीछे-पीछे जोर से चलत बा, तोहार दाहिना हाथ हमरा के सहारा देत बा।
9 लेकिन जे लोग हमरा प्राण के नाश करे के खोजत बा, उ धरती के निचला हिस्सा में चल जईहे।
10 तलवार से गिर जइहें, लोमड़ी के हिस्सा बन जइहें।
11 लेकिन राजा भगवान में आनन्दित होईहे। जे भी ओकर कसम खाला, उ बड़ाई करी, लेकिन झूठ बोले वाला के मुँह बंद हो जाई।

अध्याय 64 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के, दाऊद के एगो भजन।) हे भगवान, हमार प्रार्थना में हमार आवाज सुन, दुश्मन के डर से हमार जान बचाईं।
2 हमरा के दुष्टन के गुप्त सलाह से छिपा द; अधर्म के काम करे वाला लोग के विद्रोह से।
3 ऊ लोग तलवार नियर जीभ के तेज करेला आ तीर चलावे खातिर धनुष मोड़ देला, कड़ुआ बात भी।
4 ताकि उ लोग सिद्ध आदमी पर गुप्त रूप से गोली चला सके, अचानक ओकरा पर गोली चलावेला, लेकिन डर ना लागेला।
5 ऊ लोग कवनो बुरा काम में अपना के प्रोत्साहित करेला, ऊ लोग गुप्त रूप से जाल डाले के बात करेला। ऊ लोग कहेला कि के देखी?
6 उ लोग अधर्म के खोजत बाड़े। ऊ लोग एगो लगन से खोज पूरा करेला: ओहमें से हर एक के भीतर के विचार आ दिल दुनु गहिराह होला.
7 लेकिन भगवान ओह लोग पर तीर से गोली चला दिहे। अचानक उ लोग घायल हो जईहे।
8 एही से उ लोग आपन जीभ अपना ऊपर गिरा दिहे, जे भी उ लोग के देखता उ भाग जाई।
9 सब लोग डेरा के परमेश्वर के काम के बारे में बताई। काहे कि उ लोग ओकर काम के बारे में समझदारी से विचार करीहे।
10 धर्मी लोग प्रभु पर खुश होई आ ओकरा पर भरोसा करी। आ मन में सोझ लोग महिमा करी।

अध्याय 65 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के, दाऊद के एगो भजन आ गीत।) हे परमेश्वर, सियोन में तोहार स्तुति के इंतजार बा।
2 हे प्रार्थना सुने वाला, तोहरा लगे सब शरीर आई।
3 हमरा पर अधर्म हावी बा, हमनी के अपराध के त तू ओकरा के शुद्ध करऽ।
4 धन्य बा ऊ आदमी जेकरा के तू चुन के तोहरा लगे ले आवऽ कि ऊ तोहरा आंगन में रह सके.
5 हे हमनी के उद्धार करे वाला परमेश्वर, तू हमनी के धार्मिकता में भयानक बात के जवाब देब। ऊ लोग धरती के सब छोर आ समुंदर पर दूर के लोग के भरोसा ह।
6 ऊ अपना बल से पहाड़न के तेज कर देला। सत्ता से कमरबंद होखल:
7 जवन समुंदर के शोर, लहर के शोर आ लोग के हंगामा के शांत करेला।
8 अंतिम भाग में रहे वाला लोग भी तोहार निशानी से डेरा जाला, तू सबेरे-सांझ के निकले के खुश कर देत बाड़ू।
9 तू धरती के दर्शन करत बाड़ऽ आ ओकरा के पानी देत बाड़ऽ, ओकरा के भगवान के नदी से बहुत समृद्ध कर देत बाड़ऽ, जवन पानी से भरल बा, जब तू ओकरा के अईसन इंतजाम कर लेले बाड़ऽ।
10 तू ओकरा ढाल के भरपूर पानी देत बाड़ू, ओकर खाई के बसावत बाड़ू, ओकरा के बरखा से नरम बना देत बाड़ू, ओकरा झरना के आशीर्वाद देत बाड़ू।
11 तूँ अपना भलाई से साल के ताज पहिरा देत बाड़ऽ। आ तोहार रास्ता मोटाई गिरावेला।
12 ऊ लोग जंगल के चारागाह पर गिर जाला आ छोट-छोट पहाड़ी चारो ओर खुश हो जाला।
13 चारागाह पर झुंड के कपड़ा पहिनले बा। घाटी भी मकई से ढंकल बा; खुशी से चिल्लात बाड़े, गावेले भी।

अध्याय 66 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के एगो गीत या भजन।) हे सब देश, परमेश्वर के हल्ला मचाईं।
2 ओकर नाम के आदर गाईं, ओकर स्तुति के महिमामंडित करीं।
3 भगवान से कहऽ कि तू अपना काम में केतना भयावह बाड़ऽ! तोहार शक्ति के बड़हनता से तोहार दुश्मन तोहरा अधीन हो जइहें।
4 पूरा धरती तोहार आराधना करी आ तोहरा खातिर गाई। ऊ लोग तोहरा नाम पर गावेला। सेलाह के बा।
5 आके परमेश्वर के काम देखऽ, ऊ आदमी के संतान के प्रति आपन काम भयावह बा।
6 उ समुंदर के सूखा भूमि में बदल देले, उ लोग पैदल बाढ़ के बीच से गुजरत रहले, उहाँ हमनी के उनुका में खुश रहनी जा।
7 ऊ अपना शक्ति से हमेशा खातिर शासन करेला। ओकर आँख राष्ट्रन के देखत बा, विद्रोही लोग अपना के ऊँच ना करे। सेलाह के बा।
8 हे लोग, हमनी के परमेश्वर के आशीष दीं आ उनकर स्तुति के आवाज सुनाईं।
9 उ हमनी के प्राण के जीवन में पकड़ के रखेला आ हमनी के गोड़ के हिलल ना देला।
10 हे परमेस् वर, तू हमनी के परखले बाड़ऽ, जइसे चाँदी के परीक्षण कइल जाला।
11 तू हमनी के जाल में ले अइलऽ। तू हमनी के कमर पर कष्ट रखले बाड़ू।
12 तू हमनी के माथा पर आदमी के सवारी करवले बाड़ू। हम आग आ पानी के बीच से गुजरनी, लेकिन तू हमनी के एगो धनी जगह में ले अइनी।
13 हम होमबलि लेके तोहरा घर में जाईब, हम तोहरा के आपन व्रत पूरा करब।
14 जब हम संकट में रहनी त हमार होठ बोलले बा आ मुँह बोलले बा।
15 हम तोहरा खातिर मेढ़क के धूप के साथे मोटका बच्चा के होमबलि चढ़ावब। बकरी के साथे बैल चढ़ा देब। सेलाह के बा।
16 हे परमेश्वर से डेराए वाला सब लोग, आके सुनीं, आ हम बताइब कि उ हमरा जान खातिर का कइले बाड़े।
17 हम मुंह से उनकरा से पुकारनी आ जीभ से उनकर बड़ाई भइल।

18 अगर हम अपना मन में अधर्म के देखब त प्रभु हमार बात ना सुनाई।
19 लेकिन भगवान हमार बात सुनले बाड़े। ऊ हमरा प्रार्थना के आवाज पर ध्यान देले बाड़न।
20 परमेस् वर के ध़नवाद होखे, जे हमरा से प्रार्थना के ना मोड़ले, ना ही आपन दया हमरा से हटा दिहले।

अध्याय 67 के बा

1 (नेगिनोथ पर मुख्य संगीतकार के, एगो भजन या गीत।) भगवान हमनी पर दया करस आ हमनी के आशीर्वाद देस। आ हमनी पर ओकर चेहरा चमकावे के काम करऽ। सेलाह के बा।
2 ताकि तोहार रास्ता धरती पर पता चल सके, तोहार उद्धार करे वाला स्वास्थ्य सब जाति के बीच।
3 हे भगवान, लोग तोहार स्तुति करे। सब लोग तोहार स्तुति करे।
4 हे राष्ट्रन के खुशी होखे आ खुशी से गावे, काहे कि तू लोग के धार्मिक न्याय करब आ धरती पर राष्ट्रन के शासन करब। सेलाह के बा।
5 हे भगवान, लोग तोहार स्तुति करे। सब लोग तोहार स्तुति करे।
6 तब धरती आपन फल देई। आ भगवान, उहो हमनी के आपन भगवान, हमनी के आशीर्वाद दिहे।
7 भगवान हमनी के आशीर्वाद दिहे। आ धरती के सब छोर ओकरा से डेरा जाई।

अध्याय 68 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के, दाऊद के एगो भजन या गीत।) भगवान उठस, ओकर दुश्मन बिखर जास, ओकरा से नफरत करे वाला भी ओकरा से भाग जास।
2 जइसे धुँआ के भगा दिहल जाला, ओइसहीं ओह लोग के भगा दीं, जइसे मोम आग के सामने पिघल जाला, ओइसहीं दुष्ट लोग परमेश् वर के सामने नाश होखे।
3 लेकिन धर्मी लोग खुश होखे। उ लोग भगवान के सामने आनन्दित होखे, हँ, उ लोग बहुत खुश होखे।
4 भगवान के गाईं, उनकर नाम के स्तुति गाईं, आकाश पर सवार के उनकरा नाम से स्तुति करीं आ उनकरा सामने आनन्दित रहीं।
5 अनाथ के बाप आ विधवा के न्यायाधीश, परमेस् वर अपना पवित्र निवास में हवें।
6 परमेस् वर एकांत लोग के परिवार में बईठावेले, जंजीर से बान्हल लोग के बाहर निकालेले, लेकिन विद्रोही लोग सूखा देश में रहेला।
7 हे भगवान, जब तू अपना लोग के सामने निकलल रहलू, जब तू जंगल में चलत रहलू। सेलाह : 1999 में भइल रहे।
8 परमेस् वर के सामने धरती हिल गईल, आकाश भी गिर गईल, इस्राएल के परमेश्वर परमेश्वर के सामने सिनाई भी हिल गईल।
9 हे परमेस् वर, तूँ बहुत बरखा कर दिहलऽ, जवना से तू आपन विरासत थक गइला पर मजबूत कर दिहनी।
10 तोहार मंडली ओहिजा रह गइल बा, हे परमेश्वर, तू अपना भलाई से गरीबन खातिर तइयार कइले बाड़ऽ।
11 प्रभु वचन दिहलन कि एकरा के प्रकाशित करे वाला लोग के संगत बहुत बड़ रहे।
12 सेना के राजा लोग तेजी से भाग गईले अवुरी घर में रहे वाली उ लूट के बंटवारा कईलस।
13 भले ही तू लोग घड़ा के बीच में पड़ल होखब, लेकिन चांदी से ढंकल कबूतर के पाँख आ पीला सोना के पंख निहन होखब।
14 जब सर्वशक्तिमान परमेश् वर ओकरा में राजा लोग के तितर-बितर कइलन त ऊ सलमोन में बर्फ नियर उज्जर हो गइल।
15 भगवान के पहाड़ बाशान के पहाड़ी निहन बा। बाशान के पहाड़ी के रूप में एगो ऊँच पहाड़ी।
16 हे ऊँच पहाड़ी लोग काहे कूदत बानी? इहे ऊ पहाड़ी ह जवना में भगवान रहे के चाहत बाड़न। हँ, यहोवा ओकरा में हमेशा खातिर रहिहें।
17 परमेस् वर के रथ बीस हजार आ हजारों स्वर्गदूत हवें।
18 तू ऊँच पर चढ़ गइल बाड़ऽ, बंदी के बंदी बना लेले बाड़ऽ, आदमी खातिर वरदान मिलल बा। हँ, विद्रोही लोग खातिर भी, ताकि यहोवा परमेश्वर ओह लोग के बीच में रह सके।
19 प्रभु के धन्य होखे, जे रोज हमनी के फायदा के बोझ से बोझ लेत बाड़े, उहे हमनी के उद्धार करे वाला परमेश्वर हउवें। सेलाह के बा।
20 जे हमनी के परमेश्वर ह, उ उद्धार देवे वाला परमेश्वर ह। आ मौत से निकले वाला मुद्दा भगवान प्रभु के हवें।
21 लेकिन परमेस् वर अपना दुश्मनन के माथा आ अइसन आदमी के बालदार माथा के घाव कर दीहें जे अपना अपराध में स्थिर बा।
22 प्रभु कहले, "हम बाशान से वापस ले आईब, हम अपना लोग के समुंदर के गहराई से वापस ले आईब।
23 ताकि तोहार गोड़ तोहरा दुश्मनन के खून में डुबावल जाव आ कुकुरन के जीभ ओकरा में डुबावल जाव।
24 हे भगवान, तोहार चलत देखले बाड़े। इहाँ तक कि हमरा भगवान, हमार राजा, के पवित्र स्थान में चलल।
25 गायक लोग आगे चलल, बाजा बजावे वाला लोग पीछे-पीछे चलल। ओहमें टिम्बर बजावत लइकी लोग भी रहे।
26 इस्राएल के फव्वारा से मंडली में परमेश्वर के आशीष करीं।
27 छोटका बिन्यामीन के शासक, यहूदा के राजकुमार आ ओकर मंडली, जबूलून के राजकुमार आ नप्ताली के राजकुमार बाड़े।
28 तोहार भगवान तोहार ताकत के आज्ञा देले बाड़न कि हे भगवान, जवन तू हमनी खातिर कइले बाड़ऽ ओकरा के मजबूत करऽ।
29 यरूशलेम में तोहरा मंदिर के चलते राजा तोहरा खातिर उपहार लेके अइहें।
30 भाला चलावे वाला लोग के भीड़, बैल के भीड़ आ लोग के बछरू के डांट दीं, जब तक कि हर केहू चांदी के टुकड़ा के साथ आपन अधीन ना हो जाव।
31 मिस्र से राजकुमार निकल जइहें। इथियोपिया जल्दिये भगवान के ओर हाथ बढ़ा दिही।
32 हे धरती के राज्य, परमेश्वर के गाईं। हे प्रभु के स्तुति गाईं; सेलाह : 1999 में भइल रहे।
33 जे पहिले के आकाश के आकाश पर सवार बा। देखऽ, ऊ आपन आवाज भेजत बा आ ऊ एगो पराक्रमी आवाज बा।
34 तूँ परमेस् वर के ताकत दीं, ओकर महानता इस्राएल पर बा आ ओकर ताकत बादल में बा।
35 हे भगवान, तू अपना पवित्र स्थान से भयावह बाड़, इस्राएल के परमेश्वर उ हउवें जे अपना लोग के ताकत आ शक्ति देवेलन। भगवान के धन्य होखे।

अध्याय 69 के बा

1 (शोशनिम के प्रमुख संगीतकार के, दाऊद के एगो भजन।) हे भगवान, हमरा के बचाईं। काहे कि पानी हमरा आत्मा में आ गइल बा।
2 हम गहिराह दलदल में डूबत बानी, जहाँ खड़ा ना होखे, हम गहिराह पानी में आ गइल बानी, जहाँ बाढ़ हमरा पर उमड़त बा।
3 हम अपना रोअला से ऊब गइल बानी, हमार गला सूख गइल बा, हमार आँख फीका हो गइल बा जब हम अपना भगवान के इंतजार करत बानी।
4 जे हमरा से बेवजह नफरत करेला, उ हमरा माथा के बाल से भी जादा बा, जे हमरा के नाश करे के चाहत रहे, उ हमार गलत दुश्मन होके, ताकतवर बा, तब हम जवन ना छीनले रहनी, ओकरा के वापस क देनी।
5 हे भगवान, तू हमार मूर्खता के जानत बाड़ू। आ हमार पाप तोहरा से छिपल नइखे।
6 हे सेना के परमेस् वर, तोहार इंतजार करे वाला लोग हमरा खातिर शर्मिंदा मत होखे, हे इस्राएल के परमेस् वर, तोहरा के खोजत लोग हमरा खातिर लजाइल मत होखे।
7 काहे कि तोहरा खातिर हम निंदा कइले बानी। लाज हमरा चेहरा के ढंक लेले बा।
8 हम अपना भाई लोग खातिर परदेशी आ माई के लइकन खातिर परदेशी हो गइल बानी।
9 काहेकि तोहरा घर के जोश हमरा के खा गइल बा। आ तोहरा के निंदा करे वाला लोग के निंदा हमरा पर पड़ल बा।
10 जब हम रोवत रहनी आ अपना प्राण के उपवास से सजा दिहनी त इहे हमरा निंदा के बात रहे।
11 हम बोरा के कपड़ा भी आपन कपड़ा बनवनी। आ हम ओह लोग खातिर कहावत बन गइनी।
12 फाटक में बइठल लोग हमरा खिलाफ बोलत बा। आ हम शराबी लोग के गीत रहनी।
13 लेकिन हमार प्रार्थना हे प्रभु, एगो स्वीकार्य समय में तोहरा से बा, हे परमेश्वर, अपना दया के भरमार से हमार बात सुन, अपना उद्धार के सच्चाई में।
14 हमरा के कीचड़ से बचाव, हमरा के डूबे मत दीं, हमरा से नफरत करे वाला लोग से आ गहिरा पानी से मुक्त हो जाईं।
15 पानी के बाढ़ हमरा पर ना उफन जाव, ना गहिराह हमरा के निगल जाव आ गड्ढा हमरा पर आपन मुँह ना बंद करे।
16 हे प्रभु, हमार बात सुनऽ। काहेकि तोहार दया अच्छा बा, तोहार दया के भीड़ के हिसाब से हमरा ओर मुड़ जा।
17 आ आपन नोकर से आपन चेहरा मत छिपाईं। काहे कि हम संकट में बानी, जल्दी से हमार बात सुनऽ।
18 हमरा प्राण के नजदीक आके ओकरा के छुड़ा द, हमरा दुश्मनन के चलते हमरा के बचाईं।
19 तू हमार निंदा, लाज आ बेइज्जती के जानत बाड़ू, हमार विरोधी सब तोहरा सोझा बाड़े।
20 निंदा हमरा दिल के तोड़ देले बा। आ हम भारीपन से भरल बानी, आ हम कुछ लोग के दया करे के तलाश में रहनी, लेकिन कवनो ना रहे। आ दिलासा देबे वाला खातिर, बाकिर हमरा कवनो ना मिलल.
21 उ लोग हमरा के खाना खातिर पित्त भी देले। आ हमरा प्यास में उ लोग हमरा के सिरका पी के पियले।
22 उनकर मेज उनकरा सोझा जाल बन जाव आ जवन उनकर भलाई खातिर होखे के चाहीं ऊ जाल बन जाव।
23 उनकर आँख अन्हार हो जाव कि ऊ लोग ना देख पावे। आ ओह लोग के कमर के लगातार हिलत रहेला।
24 ओह लोग पर आपन क्रोध उझिल दऽ आ आपन क्रोध के क्रोध ओह लोग के पकड़ लेवऽ।
25 उनकर आवास उजाड़ होखे। आ केहू के डेरा में ना रहे के चाहीं।
26 काहे कि जेकरा के तू मारले बाड़ू ओकरा के सतावेले। आ ऊ लोग ओह लोग के दुख से बात करेला जेकरा के तू घायल कइले बाड़ऽ.
27 ओह लोग के अपराध में अधर्म के जोड़ दीं, आ ऊ लोग तोहरा धार्मिकता में मत आवे।
28 जिंदा लोग के किताब से मिटा दिहल जाव आ धर्मी लोग के साथे ना लिखल जाव।
29 लेकिन हम गरीब आ दुखी बानी, हे परमेश्वर, तोहार उद्धार हमरा के ऊँच पर खड़ा कर देव।
30 हम एगो गीत से परमेश्वर के नाम के स्तुति करब आ धन्यवाद के साथे उनकर महिमा करब।
31 सींग आ खुर वाला बैल भा बैल से भी इहे परमेश् वर के नीक लागी।
32 विनम्र लोग ई देख के खुश हो जइहें आ तोहार मन जिंदा हो जाई जे परमेश्वर के खोजत बा।
33 काहेकि यहोवा गरीबन के बात सुनेलन आ अपना कैदियन के तिरस्कार ना करेलन।
34 आकाश आ धरती, समुंदर आ ओकरा में चले वाला हर चीज ओकर स्तुति करे।
35 काहेकि परमेश्वर सिय्योन के बचा के यहूदा के शहरन के निर्माण करीहें ताकि उ लोग ओहिजा रह सके आ ओकरा के अपना कब्जा में ले सके।
36 ओकर नौकरन के संतान भी एकर उत्तराधिकारी होई आ ओकर नाम से प्रेम करे वाला लोग ओहि में रह जाई।

अध्याय 70 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के, दाऊद के भजन, याद करे खातिर।) हे परमेश्वर, हमरा के बचावे खातिर जल्दी करऽ। हे प्रभु, हमरा मदद करे में जल्दबाजी करऽ।
2 हमरा जान के खोज करे वाला लोग शर्मिंदा आ बेशर्म हो जास, जवन हमरा चोट के चाहत बा, उ लोग पीछे मुड़ के उलझन में पड़ जास।
3 ओह लोग के लाज के इनाम खातिर पीछे मुड़ल जाव जे कहत बा कि आहा आहा।
4 तोहरा के खोजे वाला सब लोग तोहरा में खुश होखे आ खुश होखे, आ जे तोहार उद्धार से प्रेम करे वाला लोग लगातार कहत रहे कि भगवान के महिमा होखे के चाहीं।
5 बाकिर हम गरीब आ जरूरतमंद हईं, हे भगवान, हमरा लगे जल्दी करऽ, तू हमार सहायक आ मुक्तिदाता हउअ। हे प्रभु, देरी मत करऽ।

अध्याय 71 के बा

1 हे प्रभु, हम तोहरा पर भरोसा करत बानी, हमरा के कबो भ्रम में ना पड़े दीं।
2 हमरा के अपना धार्मिकता में बचा के हमरा के बचे, हमरा ओर आपन कान झुका के हमरा के बचाईं।
3 तू हमार मजबूत आवास बनी, जवना के हम लगातार सहारा ले सकीले, तू हमरा के बचावे के आज्ञा देले बाड़ू। काहे कि तू हमार चट्टान आ हमार किला हउअ।
4 हे हमार भगवान, हमरा के दुष्ट के हाथ से, अधर्मी आ क्रूर आदमी के हाथ से बचा द।
5 हे प्रभु परमेश्वर, तू हमार आशा हउअ, जवानी से तू हमार भरोसा हउअ।
6 तोहरा द्वारा हम पेट से ऊपर उठा के रखले बानी, तू उ हउअ जे हमरा के माई के आंत से निकालले बा, हमार स्तुति हमेशा तोहरा से होई।
7 हम बहुत लोग खातिर एगो अचरज निहन बानी। बाकिर तू हमार मजबूत शरण हउअ।
8 दिन भर हमार मुँह तोहार स्तुति आ आदर से भरल रहे।
9 बुढ़ापा के समय हमरा के छोड़ मत दीं। जब हमार ताकत खतम हो जाव त हमरा के मत छोड़ऽ.
10 काहेकि हमार दुश्मन हमरा खिलाफ बोलत बाड़े। आ हमरा जान के इंतजार करे वाला लोग एक संगे सलाह लेला।
11 ऊ कहले, "परमेशवर ओकरा के छोड़ दिहले बाड़न। काहे कि ओकरा के बचावे वाला केहू नइखे।
12 हे भगवान, हमरा से दूर मत रहऽ, हे हमार भगवान, हमरा मदद खातिर जल्दी करऽ।
13 उ लोग जे हमरा प्राण के विरोधी बाड़े, उ लोग लजाइल आ नाश करस। हमरा के चोट पहुंचावे वाला लोग के अपमान आ बेइज्जती से ढंकल जाव।
14 बाकिर हम लगातार आशा करत रहब आ अबहियों तोहार स्तुति करत रहब।
15 हमार मुँह दिन भर तोहार धार्मिकता आ तोहार उद्धार के बात बताई। काहे कि हम एकर संख्या नइखीं जानत।
16 हम प्रभु परमेस् वर के बल से चलब, हम तोहार धार्मिकता के जिक्र करब, खाली तोहरे के।
17 हे भगवान, तू हमरा के जवानी से सिखवले बाड़ू, आ अब तक हम तोहार अचरज के काम सुनवले बानी।
18 अब जब हम बूढ़ आ धूसर हो जाइब, हे भगवान, हमरा के मत छोड़ीं। जबले हम एह पीढ़ी के तोहार ताकत आ आवे वाला हर आदमी के तोहार शक्ति ना देखा देब।
19 हे परमेश्वर, तोहार धार्मिकता भी बहुत ऊँच बा, जे बड़हन काम कइले बाड़ऽ, हे परमेश्वर, जे तोहरा जइसन बाड़ऽ!
20 तू जे हमरा के बड़हन आ कड़ा कष्ट देखवले बाड़ऽ, हमरा के फेर से जिंदा करबऽ आ धरती के गहिराई से हमरा के फेर से ऊपर ले अइबऽ।
21 तू हमार महानता बढ़ा देबऽ आ हमरा के हर तरफ से दिलासा देबऽ।
22 हे हमार परमेस् वर, हम तोहार स्तुति, तोहार सच्चाई से भी करबऽ।
23 जब हम तोहरा खातिर गाब त हमार होठ बहुत खुश हो जाई। आ हमार प्राण, जवना के तू छुड़ा देले बाड़ू।
24 हमार जीभ भी दिन भर तोहार धार्मिकता के बात करत रही, काहेकि उ लोग लजाइल बा, काहेकि उ लोग हमरा के चोट पहुंचावे वाला लोग शर्मिंदा हो गईल बाड़े।

अध्याय 72 के बा

1 (सुलेमान खातिर एगो भजन।) हे भगवान, राजा के आपन न्याय आ आपन धार्मिकता राजा के बेटा के दे।
2 ऊ तोहार लोग के न्याय धर्म से करी आ तोहार गरीबन के न्याय से न्याय करी।
3 पहाड़ धर्म के द्वारा लोग के आ छोट-छोट पहाड़ी के शांति दिही।
4 ऊ लोग के गरीबन के न्याय करी, गरीब के लइकन के बचाई आ अत्याचारी के टुकड़ा-टुकड़ा करी।
5 जब तक सूरज आ चाँद टिकल रही, तब तक उ लोग तोहरा से डेराई, हर पीढ़ी तक।
6 ऊ कटल घास पर बरखा नियर उतरी आ धरती के पानी देवे वाला बरखा नियर उतरी।
7 उनकरा दिन में धर्मी लोग फलत-फूलत होई। आ जबले चाँद टिकल रही तबले शांति के भरमार.
8 समुंदर से लेके समुंदर तक आ नदी से लेके धरती के छोर तक ओकर प्रभुत्व होई।
9 जंगल में रहे वाला लोग ओकरा सामने प्रणाम करी। आ ओकर दुश्मन धूल चाट जइहें।
10 तर्शीश आ द्वीप के राजा उपहार लेके अइहें, शेबा आ सेबा के राजा उपहार चढ़ाई।
11 हँ, सब राजा उनकरा सोझा गिर जइहें, सब जाति उनकर सेवा करीहें।
12 जब ऊ चिल्लात होई त जरूरतमंद के बचाई। गरीब भी, आ जेकरा लगे कवनो सहायक नइखे।
13 ऊ गरीब आ गरीबन के बख्शाई आ गरीबन के जान बचाई।
14 ऊ ओह लोग के जान के धोखा आ हिंसा से मुक्त कर दी आ उनकर खून उनकरा नजर में अनमोल होई।
15 ऊ जिंदा रही आ ओकरा के शेबा के सोना दिहल जाई, ओकरा खातिर लगातार प्रार्थना कइल जाई। आ रोज उनुकर स्तुति होई।
16 पहाड़ के चोटी पर धरती में मुट्ठी भर दाना होई। ओकर फल लेबनान नियर हिल जाई आ शहर के लोग धरती के घास नियर पनप जाई।
17 ओकर नाम हमेशा खातिर बनल रही, ओकर नाम सूरज के दिन तक बनल रही, आ आदमी ओकरा में आशीष पाई, सब राष्ट्र ओकरा के धन्य कही।
18 इस्राएल के परमेश्वर यहोवा परमेस् वर के धन्य होखे, जे खाली अचरज के काम करेलन।
19 उनकर गौरवशाली नाम हमेशा खातिर धन्य होखे आ पूरा धरती उनकर महिमा से भरल होखे। आमीन, अउर आमीन।
20 यिशै के बेटा दाऊद के प्रार्थना खतम हो गईल।

अध्याय 73 के बा

1 (आसाफ के एगो भजन।) सचमुच परमेस् वर इस्राएल खातिर भलाई हवें, उहो जे साफ दिल के हवें।

2 लेकिन हमार बात त हमार गोड़ लगभग खतम हो गईल रहे। हमार कदम लगभग फिसल गइल रहे।
3 जब हम दुष्टन के समृद्धि देखनी त हम मूर्ख लोग से ईर्ष्या करत रहनी।
4 काहे कि ओह लोग के मौत में कवनो बंधन नइखे, लेकिन उनकर ताकत मजबूत बा।
5 उ लोग दोसरा आदमी निहन परेशानी में नईखन। ना ही उ लोग दोसरा आदमी निहन परेशान बाड़े।
6 एही से घमंड ओह लोग के जंजीर नियर घेर लेला। हिंसा ओह लोग के एगो वस्त्र नियर ढंक लेला।
7 उनकर आँख मोटाई से उभर के सामने आवेला, दिल के इच्छा से भी ज्यादा बा।
8 ऊ लोग भ्रष्ट हो जाला आ अत्याचार के बारे में बुराई बोलेला।
9 ऊ लोग आपन मुँह आकाश के सामने रखेला आ उनकर जीभ धरती पर चलेले।
10 एही से ओकर लोग इहाँ लवटत बा आ ओकरा में भरल प्याला के पानी निचोड़ल जाला।
11 उ लोग पूछत रहले कि, "परमेशवर कईसे जानतारे? आ का परम ऊँच में ज्ञान बा?
12 देखऽ, ई अभक्त लोग हवें, जे दुनिया में फलत-फूलत बाड़े। उ लोग के धन में बढ़ोतरी होखेला।
13 हम अपना मन के बेकार में साफ क देले बानी अवुरी निर्दोषता में हाथ धो देले बानी।
14 काहेकि हम दिन भर तड़पत बानी आ रोज सबेरे हमरा के सजा दिहल जाला।
15 अगर हम कहब कि हम अईसन बोलब। देखऽ, हमरा तोहार लइकन के पीढ़ी के खिलाफ अपराध करे के चाहीं।
16 जब हम ई बात जाने के सोचनी त हमरा खातिर बहुत दर्द भइल।
17 जब तक हम परमेश्वर के पवित्र स्थान में ना गईनी। तब समझ गईनी हम उनकर अंत।
18 तू ओह लोग के फिसलन वाला जगह पर रखले बाड़ू, तू ओह लोग के विनाश में गिरा देले बाड़ू।
19 ऊ लोग कइसे उजाड़ हो जाला, जइसे कि पल भर में! उ लोग आतंक से एकदम भस्म हो गईल बाड़े।
20 जइसे सपना जागल जाला। त हे प्रभु, जब तू जागब त ओह लोग के मूर्ति के तिरस्कार करब।
21 एह तरह से हमार मन दुखी हो गइल आ हमरा लगाम में चुभल गइल।
22 हम अतना मूर्ख आ अज्ञानी रहनी, हम तोहरा सामने एगो जानवर निहन रहनी।
23 लेकिन हम लगातार तोहरा साथे बानी, तू हमरा के दाहिना हाथ से पकड़ले बाड़ू।
24 तू हमरा के अपना सलाह से मार्गदर्शन करब आ ओकरा बाद हमरा के महिमा में ग्रहण करब।
25 स्वर्ग में तोहरा छोड़ के हमरा के के बा? आ धरती पर अइसन केहू नइखे जेकर हम तोहरा अलावा चाहत बानी।
26 हमार शरीर आ हमार मन क्षीण हो जाला, लेकिन परमेश्वर हमरा दिल के ताकत हउवें आ हमार हिस्सा हमेशा खातिर हउवें।
27 काहे कि देख, तोहरा से दूर के लोग नाश हो जाई, तू तोहरा से वेश्यावृत्ति करे वाला सब के नाश क देले बाड़ू।
28 लेकिन परमेश्वर के नजदीक आके हमरा खातिर अच्छा बा, हम प्रभु परमेश्वर पर भरोसा कईले बानी कि हम तोहार सब काम के बारे में बता सकी।

अध्याय 74 के बा

1 (आसाफ के मशिल।) हे भगवान, तू हमनी के हमेशा खातिर काहे फेंक देले बाड़ू? तोहार क्रोध तोहरा चारागाह के भेड़न पर काहे धुँआ उठत बा?
2 अपना मंडली के याद करऽ जवन तू पहिले से खरीदले रहलू। अपना विरासत के छड़ी जवन तू छुड़ा लेले बाड़ू। ई सिय्योन पहाड़, जवना में तू रहत रहलू।
3 आपन गोड़ सनातन उजाड़ में उठाईं। इहाँ तक कि दुश्मन पवित्र स्थान में जवन भी बुराई कईले बाड़े।
4 तोहार दुश्मन तोहार मंडली के बीच में गर्जत बाड़े। संकेत खातिर आपन झंडा लगा देले।
5 एगो आदमी ओइसहीं मशहूर रहे जइसे ऊ मोट पेड़न पर कुल्हाड़ी उठवले रहे।
6 लेकिन अब कुल्हाड़ी आ हथौड़ा से ओकर नक्काशीदार काम के एके बेर तोड़ देले।
7 ऊ लोग तोहार पवित्र स्थान में आग डाल दिहले बा, तोहरा नाम के निवास स्थान के जमीन पर गिरा के अशुद्ध कर दिहले बा।
8 उ लोग मन में कहलस कि, हमनी के एक संगे ओ लोग के नष्ट क देनी।
9 हमनी के आपन निशानी नईखी देखत, अब कवनो भविष्यवक्ता नईखन अवुरी हमनी में से केहु नईखे, जवन कि जानता कि कब तक होई।
10 हे भगवान, कब तक दुश्मन निंदा करी? का दुश्मन तोहरा नाम के हमेशा खातिर निंदा करी?
11 तू आपन हाथ, दाहिना हाथ काहे पीछे हटत बाड़ू? ओकरा के अपना छाती से उखाड़ द।
12 काहेकि परमेश्वर हमार पुरान राजा हवें, जवन धरती के बीच में उद्धार के काम करेलन।
13 तू अपना ताकत से समुंदर के बांटनी, पानी में अजगर के सिर तूड़ दिहनी।
14 तू लेवियथन के सिर के टुकड़ा-टुकड़ा क के जंगल में रहे वाला लोग के खाना बना दिहनी।
15 तूँ फव्वारा आ बाढ़ के फाड़ दिहलऽ, तूँ पराक्रमी नदी के सुखा दिहलऽ।
16 दिन तोहार ह, रात भी तोहार ह, तू उजो आ सूरज के तैयार कईले बाड़ू।
17 तू धरती के सब सीमा तय कइले बाड़ऽ, तूँ गर्मी आ जाड़ा बनवले बाड़ऽ।
18 हे प्रभु, ई बात याद राखऽ कि दुश्मन निंदा कइले बा आ मूर्ख लोग तोहार नाम के निंदा कइले बा।
19 हे अपना कबूतर के प्राण के दुष्टन के भीड़ में मत सौंपऽ, अपना गरीबन के मंडली के हमेशा खातिर मत भुला जा।
20 वाचा के आदर करीं काहे कि धरती के अन्हार जगह क्रूरता के आवास से भरल बा।
21 हे दबलल लोग लजा के ना लवट आवे, गरीब आ गरीब तोहार नाम के स्तुति करे।
22 हे परमेस् वर उठ, अपना बात के गुहार लगाईं, याद रखीं कि मूर्ख आदमी रोज तोहरा के कइसे निंदा करेला।

23 अपना दुश्मनन के आवाज के मत भुलाईं, तोहरा खिलाफ उठत लोग के हंगामा लगातार बढ़त रहेला।

अध्याय 75 के बा

1 (मुख्य संगीतकार, अल्ताशिथ, एगो भजन या आसाफ के गीत।) हे परमेश्वर, हम तोहरा के धन्यवाद देत बानी, हम तोहरा के धन्यवाद देत बानी, काहे कि तोहार नाम तोहार आश्चर्य के काम के नजदीक बा।
2 जब हम मंडली के ग्रहण करब त हम सीधा न्याय करब।
3 धरती आ ओकरा में रहे वाला सब लोग घुल गइल बा, हम ओकर खंभा उठावत बानी। सेलाह के बा।
4 हम मूर्ख लोग से कहनी कि बेवकूफी मत करीं आ दुष्टन से कहनी कि सींग मत उठाईं।
5 आपन सींग के ऊँच मत उठाईं, कड़ा गर्दन से मत बोलीं।
6 काहे कि ना त पूरब से, ना पश्चिम से, ना दक्खिन से प्रचार होला।
7 लेकिन परमेश्वर न्यायी हउवें, उ एगो के नीचे गिरा देले अवुरी दूसरा के खड़ा क देले।
8 काहे कि यहोवा के हाथ में एगो प्याला बा आ शराब लाल हो गइल बा। ई मिश्रण से भरल बा; उ ओही से बहावेला, लेकिन ओकर मल-मूत्र, धरती के सब दुष्ट ओकरा के निचोड़ के पी दिहे।
9 लेकिन हम हमेशा खातिर घोषणा करब। हम याकूब के भगवान के गुणगान करब।
10 हम दुष्टन के सब सींग के काट देब। लेकिन धर्मी लोग के सींग ऊँच हो जाई।

अध्याय 76 के बा

1 (नेगिनोथ के प्रमुख संगीतकार के एगो भजन या आसाफ के गीत।) यहूदा में परमेश्वर के जानल जाला, इस्राएल में उनकर नाम बहुत बा।
2 सलेम में उनकर तम्बू आ सिय्योन में उनकर निवास स्थान भी बा।
3 उहाँ ऊ धनुष के तीर, ढाल, तलवार आ लड़ाई के तोड़ दिहलस। सेलाह के बा।
4 तूँ शिकार के पहाड़न से भी अधिका महिमामंडित आ श्रेष्ठ बाड़ऽ।
5 मोटका लोग लूट गइल बा, नींद सुत गइल बा आ ताकतवर लोग में से केहू के हाथ ना मिलल।
6 हे याकूब के परमेश्वर, तोहरा डांटला पर रथ आ घोड़ा दुनु मरल नींद में डाल दिहल गइल बा।
7 तू, तू, डेराए के चाहीं, आ जब तू एक बेर खिसियाइल होखऽ त तोहरा नजर में के खड़ा हो सकेला?
8 तू स्वर्ग से न्याय के सुनवा देहनी। धरती डेरात रहे, आ स्थिर रहे,
9 जब परमेश्वर न्याय के खातिर उठलन, धरती के सब नम्र लोग के बचावे खातिर। सेलाह के बा।
10 आदमी के क्रोध तोहार स्तुति करी, बाकी क्रोध के तू रोकब।
11 प्रण करीं आ अपना परमेस् वर यहोवा के पूरा करऽ, ओकरा आसपास के सब लोग जेकरा से डेराए के चाहीं ओकरा खातिर उपहार ले आवे।
12 ऊ राजकुमारन के आत्मा के काट दी, ऊ धरती के राजा लोग खातिर भयावह बा।

अध्याय 77 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के, जेदुथुन के, आसाफ के भजन।) हम अपना आवाज से परमेश्वर से पुकारनी, आउर आवाज से परमेश्वर से पुकारनी। आ उ हमरा के कान देले।
2 हम अपना संकट के दिन प्रभु के खोजत रहनी, हमार घाव रात में भागल, लेकिन ना रुकल, हमार प्राण दिलासा मिले से इनकार क देलस।
3 हम भगवान के याद कईनी अवुरी परेशान हो गईनी, हम शिकायत कईनी अवुरी हमार आत्मा अभिभूत हो गईल। सेलाह के बा।
4 तू हमार आँख जागल पकड़ले बाड़ू, हम एतना परेशान बानी कि हम बोल नइखीं पावत।
5 हम पुरान जमाना के, प्राचीन काल के सालन के विचार कइले बानी।
6 हम रात में अपना गीत के याद करेनी, हम अपना मन से बात करेनी अवुरी हमार आत्मा पूरा कोशिश करत रहे।
7 का प्रभु हमेशा खातिर फेंक दिहे? आ का ऊ अब अनुकूल ना होखी?
8 का ओकर दया हमेशा खातिर साफ हो गइल बा? का ओकर वादा हमेशा खातिर नाकाम हो जाला?
9 का भगवान कृपा कइल भुला गइल बाड़न? का ऊ क्रोध में आपन कोमल दया के बंद कर दिहले बा? सेलाह के बा।
10 हम कहनी, "ई हमार कमजोरी ह, लेकिन हम परम परमेश्वर के दाहिना हाथ के साल याद करब।"
11 हम प्रभु के काम के याद करब, तोहार पुरान काम के याद करब।
12 हम तोहार सब काम के बारे में भी मनन करब आ तोहार काम के बात करब।
13 हे परमेश्वर, तोहार रास्ता पवित्र स्थान में बा, हमनी के परमेश्वर के एतना बड़ परमेश्वर के हवे?
14 तू अचरज करे वाला भगवान हउअ, तू लोग के बीच आपन ताकत के प्रचार कइले बाड़ऽ।
15 तू अपना बाँहि से आपन लोग याकूब आ यूसुफ के बेटा के छुड़ा देले बाड़ू। सेलाह के बा।
16 हे भगवान, पानी तोहरा के देखलस। ऊ लोग डेरा गइल: गहराई भी परेशान हो गइल।
17 बादल पानी बहा दिहलस, आसमान से आवाज निकलल, तोहार तीर भी बाहर निकल गईल।
18 तोहार गरज के आवाज आकाश में रहे, बिजली दुनिया के रोशनी देत रहे, धरती काँपत रहे आ हिलत रहे।
19 तोहार रास्ता समुंदर में बा, तोहार रास्ता बड़हन पानी में बा आ तोहार कदम के पता नइखे चलत।
20 तू मूसा आ हारून के हाथ से अपना लोग के झुंड निहन अगुवाई करत रहलू।

अध्याय 78 के बा

1 (आसाफ के मशिल।) हे हमार लोग, हमरा व्यवस्था के कान दीं, हमरा मुँह के बात के कान झुकाईं।
2 हम आपन मुँह एगो दृष्टान्त में खोलब, हम पुरान समय के अन्हार बात कहब।

3 हमनी के सुनले बानी जा आ जानत बानी जा, आ हमनी के पुरखा लोग हमनी के बतवले बानी जा।
4 हमनी के ओह लोग के ओह लोग के लइकन से ना छिपा देब जा आ आवे वाली पीढ़ी के सामने यहोवा के स्तुति, उनकर ताकत आ उनकर अचरज के काम देखावत रहब जा।
5 ऊ याकूब में एगो गवाही के स्थापित कइले आ इस्राएल में एगो कानून तय कइलन जवन ऊ हमनी के पुरखन के आज्ञा दिहले रहले कि ऊ लोग अपना लइकन के बतावे.
6 ताकि आवे वाला पीढ़ी उ लोग के जान सके, जवन बच्चा पैदा होखे वाला बा। जे उठ के अपना लइकन के सामने बतावे।
7 ताकि उ लोग परमेश्वर पर आपन आशा रख सके आ परमेश्वर के काम के ना भुला सकस, बल्कि उनकर आज्ञा के पालन करस।
8 आ ऊ लोग अपना बाप-दादा के जइसन जिद्दी आ विद्रोही पीढ़ी ना हो सके। एगो अइसन पीढ़ी जवन आपन दिल ठीक ना कइल आ जेकर आत्मा परमेश्वर के साथे दृढ़ ना रहे।
9 एप्रैम के लोग हथियार लेके आ धनुष लेके युद्ध के दिन पीछे मुड़ गईले।
10 उ लोग परमेश्वर के वाचा के पालन ना कइलन आ उनकर व्यवस्था पर चले से मना कर दिहलन।
11 ऊ आपन काम आ आपन अचरज के काम भुला गइलन जवन ऊ कइले रहले.
12 मिस्र के देश में सोआन के खेत में उ लोग के पुरखन के नजर में अद्भुत काम कईले।
13 ऊ समुंदर के बाँट के ओहिजा से गुजरा दिहले। आ पानी के ढेर नियर खड़ा कर दिहलन।
14 दिन में उ बादल से आ रात भर आग के रोशनी से ओह लोग के अगुवाई करत रहले।
15 ऊ जंगल में चट्टान के फाड़ के ओकरा के बहुत गहिराह से निकलल जइसन पानी पियवले।
16 उ चट्टान से धारा भी निकाल के नदी निहन पानी बहवले।
17 उ लोग जंगल में परम ऊँच आदमी के भड़का के ओकरा खिलाफ अउरी पाप कईले।
18 उ लोग अपना मन में भगवान के परीक्षा देत रहले कि उ लोग अपना इच्छा के चलते खाना मांगत रहले।
19 हँ, उ लोग परमेश्वर के खिलाफ बोलत रहले। उ लोग कहलस, का भगवान जंगल में मेज के सामान दे सकेले?
20 देख, ऊ चट्टान के टकरा दिहलस कि पानी बह गइल आ धार उफन गइल। का उ रोटी भी दे सकेला? का ऊ अपना लोग खातिर मांस के इंतजाम कर सकेला?
21 एही से यहोवा इ बात सुन के गुस्सा में आ गईले, त याकूब के खिलाफ आग जरा गईल अवुरी इस्राएल के खिलाफ भी क्रोध हो गईल।
22 काहेकि उ लोग परमेश्वर पर बिसवास ना कइल आउर उनकर उद्धार पर भरोसा ना कइल।
23 ऊ ऊपर से बादल के आज्ञा देके स्वर्ग के दरवाजा खोलले रहले।
24 उ लोग के खाए खातिर मन्ना के बरसात क के स्वर्ग के फन के सेना देले रहले।
25 आदमी स्वर्गदूतन के खाना खात रहे, उ लोग के खाना भर के भेजत रहे।
26 ऊ आकाश में पूरब के हवा बहवले आ अपना शक्ति से दक्षिण के हवा ले अइले।
27 ऊ ओह लोग पर धूरा नियर मांस बरसवले आ समुंदर के बालू नियर पंख वाला चिरई के बरसात कइलन।
28 उ ओकरा के ओ लोग के डेरा के बीच में, ओ लोग के आवास के चारों ओर गिरावे देले।
29 उ लोग खाना खइले आ पेट भर गइलन, काहेकि उ ओह लोग के आपन इच्छा देले रहले।
30 उ लोग अपना वासना से दूर ना रहले। बाकिर जबले ओह लोग के मांस अबहीं ले ओह लोग के मुँह में रहे.
31 परमेस् वर के क्रोध ओह लोग पर आके मोटका लोग के मार दिहलस आ इस्राएल के चुनल आदमी लोग के मार दिहलस।
32 एह सब के चलते उ लोग अबहियों पाप करत रहले, लेकिन उनुकर अचरज के काम के चलते विश्वास ना कईले।
33 एही से ऊ ओह लोग के दिन व्यर्थ में खतम कर दिहलन आ ओह लोग के साल विपत्ति में खतम कर दिहलन.
34 जब ऊ ओह लोग के मार दिहलन त ऊ लोग ओकरा के खोजत रहल आ ऊ लोग सबेरे लवट के भगवान के पूछताछ कइल.
35 ऊ लोग याद कइल कि परमेश्वर उनकर चट्टान हवें आ ऊँच परमेश्वर उनकर मुक्तिदाता हवें।
36 फिर भी उ लोग अपना मुँह से उनकर चापलूसी कइल आ जीभ से झूठ बोलत रहलन।
37 काहेकि उनकर मन उनकरा से ठीक ना रहे आ ना ही उनकर वाचा में अडिग रहे|
38 बाकिर ऊ दया से भरल होके ओह लोग के अपराध माफ कर दिहलन आ ओह लोग के नाश ना कइलन.
39 काहेकि उ याद करत रहलन कि उ लोग खाली शरीर हवें। एगो हवा जवन बीत जाला आ फेर ना आवेला।
40 जंगल में केतना बेर उ लोग ओकरा के नाराज करत रहले अवुरी रेगिस्तान में उनुका के दुखी करत रहले!
41 हँ, उ लोग पीछे मुड़ के परमेश्वर के परीक्षा देले आ इस्राएल के पवित्र आदमी के सीमित कर दिहले।
42 उ लोग उनकर हाथ ना याद कईले, ना उ दिन जब उ दुश्मन से बचाव कईले रहले।
43 कइसे ऊ मिस्र में आपन चमत्कार कइलन आ सोआन के खेत में आपन चमत्कार कइलन।
44 उ लोग के नदी के खून में बदल देले रहले। आ उनकर बाढ़, कि उ लोग पी ना पवलस।
45 ऊ ओह लोग के बीच तरह तरह के मक्खी भेजले जवन ओह लोग के खा गइल. आ बेंग, जवन ओह लोग के तबाह कर दिहलस।
46 उ ओह लोग के खेती के खेती आ ओह लोग के मेहनत टिड्डी के दे दिहलन।
47 ऊ ओला से ओह लोग के बेल के आ ठंढा से ओह लोग के सिकोमोर के पेड़ के नाश कर दिहलन।
48 ऊ ओह लोग के मवेशी के भी ओला में छोड़ दिहलन आ ओह लोग के भेड़न के गरम वज्र के चपेट में छोड़ दिहलन।
49 ऊ अपना क्रोध, क्रोध, आक्रोश आ परेशानी के भयंकरता ओह लोग पर डाल दिहलन आ ओह लोग के बीच में दुष्ट स्वर्गदूत भेज दिहलन.
50 ऊ अपना क्रोध के रास्ता बना लिहलस। ऊ ओह लोग के जान के मौत से ना बचा लिहलन, बलुक ओह लोग के जान महामारी के हवाले कर दिहलन.

51 मिस्र के सब जेठ बच्चा के मार दिहलस। हाम के तम्बू में उनकर ताकत के प्रमुख रहले।
52 लेकिन अपना लोग के भेड़ निहन निकल के जंगल में भेड़ निहन मार्गदर्शन कईले।
53 ऊ ओह लोग के सुरक्षित आगे बढ़ा दिहलन कि ऊ लोग डेरा ना गइल बाकिर समुंदर ओह लोग के दुश्मनन पर भारी पड़ गइल.
54 ऊ ओह लोग के अपना पवित्र स्थान के सीमा पर ले अइले, जवन कि उनकर दाहिना हाथ खरीदले रहे।
55 ऊ ओह लोग के सामने गैर-यहूदी लोग के बाहर निकाल दिहलन आ ओह लोग के एगो विरासत के बँटवारा कर दिहलन आ इस्राएल के गोत्रन के अपना डेरा में बसा दिहलन.
56 तबो ऊ लोग परमपरम परमेश्वर के परीक्षा में आके नाराज कइलन आ उनकर गवाही के पालन ना कइलन।
57 लेकिन उ लोग पीछे मुड़ के अपना बाप-दादा निहन बेवफाई कईले अवुरी धोखा देवे वाला धनुष निहन मुड़ गईले।
58 ऊ लोग अपना ऊँच जगहन से ओकरा के नाराज करत रहे आ अपना उकेरल मूर्ति से ओकरा के ईर्ष्या करत रहे।
59 ई बात सुन के परमेश्वर गुस्सा में आ गइलन आ इस्राएल से बहुत घृणा कइलन।
60 एह से ऊ शिलो के तम्बू के छोड़ दिहलन जवन ऊ आदमी के बीच में रखले रहले।
61 आऊ आपन ताकत बंदी बना दिहलस आ आपन महिमा दुश्मन के हाथ में।
62 ऊ अपना लोग के तलवार के हवाले कर दिहलन। आ अपना विरासत से नाराज हो गइल.
63 आग ओह लोग के नवही लोग के भस्म कर दिहलस। आ ओह लोग के लइकी के बियाह ना दिहल गइल.
64 उनकर पुजारी तलवार से गिर गइलन। आ उनकर विधवा लोग कवनो विलाप ना कइली।
65 तब प्रभु नींद से निकलल आदमी निहन जाग गईले अवुरी शराब के चलते चिल्लाए वाला शक्तिशाली आदमी निहन जाग गईले।
66 ऊ अपना दुश्मनन के पीछे के हिस्सा में मार दिहलन आ ओह लोग के हमेशा खातिर निंदा कर दिहलन.
67 उ यूसुफ के तम्बू के ठुकरा दिहलन आ एप्रैम के गोत्र के ना चुनलन।
68 लेकिन यहूदा के गोत्र के चुनले, उ सियोन पहाड़ जवना से उ प्यार करत रहले।
69 ऊ आपन पवित्र स्थान के ऊंच महल नियर बनवले, जइसे कि ऊ धरती जइसन बनवले बाड़न जवना के ऊ हमेशा खातिर स्थापित कइले बाड़न.
70 उ अपना नौकर दाऊद के भी चुन के भेड़ के गोड़ से लेके चल गईले।
71 भेड़ के बच्चा के पीछे-पीछे उ ओकरा के अपना लोग के याकूब अवुरी इस्राएल के आपन विरासत के चरावे खाती ले अईले।
72 उ अपना मन के अखंडता के हिसाब से ओ लोग के खाना खियावत रहले। आ अपना हाथ के कुशलता से ओह लोग के मार्गदर्शन कइले.

अध्याय 79 के बा

1 (आसाफ के एगो भजन।) हे परमेश्वर, गैर-यहूदी लोग तोहरा विरासत में आ गईल बा। तोहार पवित्र मंदिर के अशुद्ध कर दिहले बाड़े। ऊ लोग यरूशलेम के ढेर पर बिछा दिहले बा।
2 तोहार सेवकन के लाश स्वर्ग के चिरई के, तोहरा संत लोग के मांस धरती के जानवरन के भोजन खातिर देले बाड़े।
3 ऊ लोग यरूशलेम के चारों ओर पानी नियर खून बहवले बा। आ ओह लोग के दफनावे वाला केहू ना रहे।
4 हमनी के पड़ोसी के निंदा, अपना आसपास के लोग खातिर तिरस्कार आ उपहास हो गईल बानी जा।
5 कब तक हे प्रभु? का तू हमेशा खातिर नाराज रहबऽ? का तोहार ईर्ष्या आग निहन जर जाई?
6 जवन गैर-यहूदी तोहरा के ना जानत बा, आ जवन राज्य तोहरा नाम के ना पुकारल बा, ओकरा पर आपन क्रोध उझिल द।
7 काहेकि उ लोग याकूब के खा के ओकर निवास स्थान के उजाड़ देले बाड़े।
8 हे हमनी के खिलाफ पहिले के अपराध के याद मत करऽ, तोहार कोमल दया हमनी के जल्दी से रोके, काहे कि हमनी के बहुते नीचा देखावल गइल बानी जा।
9 हे हमनी के उद्धार करे वाला परमेश्वर, अपना नाम के महिमा खातिर हमनी के मदद करऽ, आ हमनी के बचावे आ हमनी के पाप के शुद्ध करऽ, तोहरा नाम खातिर।
10 गैर-यहूदी लोग काहे कहत बा कि, "उनकर भगवान कहाँ बाड़े?" हमनी के नजर में गैर-यहूदी लोग के बीच तोहरा सेवकन के खून के बदला लेत जानल जाव।
11 कैदी के आह तोहरा सोझा आवे। अपना शक्ति के बड़हनता के हिसाब से तू ओह लोग के बचाईं जेकरा के मरला खातिर तय कइल गइल बा।
12 हे प्रभु, हमनी के पड़ोसी लोग के सात गुना निंदा करऽ, जवना से ऊ लोग तोहरा के निंदा कइले बा।
13 हमनी के तोहार लोग आ तोहार चारागाह के भेड़ तोहरा के हमेशा खातिर धन्यवाद देब जा।

अध्याय 80 के बा

1 (शोशन्नीमेदुत के प्रमुख संगीतकार के, आसाफ के एगो भजन।) हे इस्राएल के चरवाहा, जे यूसुफ के झुंड निहन अगुवाई करेले, कान दीं। तू जे करुबन के बीच में रहत बाड़ऽ, चमकत रहऽ।
2 एप्रैम, बिन्यामीन आ मनश्शे के सामने आपन ताकत बढ़ा के आके हमनी के बचावे।
3 हे भगवान, हमनी के फेर से घुमा द, आ आपन चेहरा चमका द। आ हमनी के उद्धार हो जाई।
4 हे सेना के परमेश्वर, तू कब तक अपना लोग के प्रार्थना के खिलाफ नाराज रहब?
5 तूँ ओह लोग के लोर के रोटी से खियावत बाड़ऽ। आ ओह लोग के बहुते मात्रा में लोर पीये दिहलसि.
6 तू हमनी के पड़ोसी के बीच झगड़ा बनावत बाड़ू, आ हमनी के दुश्मन आपस में हंसत बाड़े।
7 हे सेना के परमेश्वर, हमनी के फेर से घुमा द, आ आपन चेहरा चमका द। आ हमनी के उद्धार हो जाई।
8 तू मिस्र से एगो बेल के गाछ लेके आइल बाड़ू, तू गैर-यहूदी के बाहर निकाल के ओकरा के रोपले बाड़ू।

9 तू ओकरा सामने जगह तइयार क के ओकरा के गहिराह जड़ जमावनी आ ऊ देश भर दिहलस।
10 पहाड़ी ओकर परछाई से ढंकल रहे आ ओकर डाढ़ बढ़िया देवदार के पेड़ नियर रहे।
11 ऊ आपन डाढ़ समुंदर में भेजली आ आपन डाढ़ नदी में भेजली।
12 तब तू ओकर हेग के काहे तोड़ देले बाड़ू कि रास्ता से गुजरे वाला सब लोग ओकरा के उखाड़ लेला?
13 जंगल से निकलल सूअर ओकरा के बर्बाद कर देला आ खेत के जंगली जानवर ओकरा के खा जाला।
14 हे सेना के परमेस् वर, हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि, स्वर्ग से नीचे देखऽ आ देखऽ, आ एह बेल के दर्शन करऽ।
15 आ अंगूर के बगइचा जवन तोहार दाहिना हाथ से लगवले बाड़ू आ जवन डाढ़ तू अपना खातिर मजबूत बनवले बाड़ू।
16 आग से जरावल जाला, काटल जाला, तोहरा चेहरा के डांटला से उ लोग नाश हो जाला।
17 तोहार हाथ अपना दाहिना हाथ के आदमी पर, आदमी के बेटा पर होखे, जेकरा के तू अपना खातिर मजबूत बनवले बाड़।
18 हमनी के तोहरा से पीछे ना हटब जा, हमनी के जिंदा करऽ आ हमनी के तोहार नाम के पुकारब जा।
19 हे सेना के परमेस् वर, हमनी के फेर से घुमा द, आपन चेहरा चमका द। आ हमनी के उद्धार हो जाई।

अध्याय 81 के बा

1 (गित्तीथ के प्रमुख संगीतकार के, आसाफ के एगो भजन।) हमनी के ताकत के परमेश्वर खातिर जोर से गाईं, याकूब के परमेश्वर के हल्ला मचाईं।
2 एगो भजन लेके आ के इहाँ के धुन, भजन के साथ सुखद वीणा ले आवऽ।
3 अमावस्या में, निर्धारित समय में, हमनी के गंभीर पर्व के दिन तुरही उड़ाईं।
4 इ इस्राएल खातिर एगो नियम आ याकूब के परमेश्वर के नियम रहे।
5 उ यूसुफ में इ बात के गवाही के रूप में रखले रहले, जब उ मिस्र के देश में गईल रहले।
6 हम ओकर कंधा बोझ से हटा दिहनी, ओकर हाथ घड़ा से मुक्त हो गइल।
7 तू विपत्ति में बोलवले रहलू आ हम तोहरा के बचा लेहनी। हम गरज के गुप्त जगह पर तोहरा के जवाब देनी, मरीबा के पानी में तोहरा के परखले रहनी। सेलाह के बा।
8 हे हमार लोग, सुनऽ, हम तोहरा के गवाही देब कि हे इस्राएल, अगर तू हमार बात सुनबऽ।
9 तोहरा में कवनो पराया देवता ना होई। ना त कवनो पराया देवता के पूजा करीं।
10 हम तोहार परमेस् वर यहोवा हईं जे तोहरा के मिस्र देश से निकालले बानी, तोहार मुँह खोल के हम ओकरा के भर देब।
11 लेकिन हमार लोग हमार बात ना सुनलस। आ इस्राएल हमरा में से केहू के ना चाहत रहे।
12 हम ओह लोग के अपना मन के लालसा में छोड़ देनी, आ उ लोग अपना मन में चलत रहले।
13 काश हमार लोग हमार बात सुनित आ इस्राएल हमरा राह पर चलल रहित!
14 हमरा जल्दीए ओह लोग के दुश्मनन के अपना वश में कर लेबे के चाहत रहे आ ओह लोग के विरोधियन पर हाथ घुमावे के चाहत रहे।
15 प्रभु से नफरत करे वाला लोग उनकरा अधीन होखे के चाहत रहे, लेकिन उनकर समय हमेशा खातिर बनल रहे।
16 उ ओह लोग के गेहूं के महीन से भी खियावे के चाहत रहे आ हम तोहरा के चट्टान से निकलल शहद से तृप्त करित।

अध्याय 82 के बा

1 (आसाफ के एगो भजन।) परमेश्वर पराक्रमी लोग के मंडली में खड़ा बाड़े। ऊ देवता लोग के बीच न्याय करेला।
2 कब तक तू लोग अन्याय के न्याय करब आ दुष्ट के लोग के स्वीकार करब? सेलाह के बा।
3 गरीब आ अनाथ के बचाव करीं, दुखी आ जरूरतमंद के साथे न्याय करीं।
4 गरीब आ जरूरतमंद के बचाईं, दुष्टन के हाथ से मुक्त कर दीं।
5 उ लोग नईखन जानत, ना समझिहे। ऊ लोग अन्हार में चलत रहेला, धरती के सब नींव बेढंगा हो गइल बा।
6 हम कहले बानी कि तू लोग देवता हउअ। आ तोहनी सभे परमात्मा के संतान हईं।
7 लेकिन तू लोग आदमी निहन मरब, अवुरी कवनो राजकुमार निहन गिर जाईब।
8 हे भगवान, उठ, धरती के न्याय करऽ, काहे कि तूँ सब जाति के उत्तराधिकारी होखबऽ।

अध्याय 83 के बा

1 (आसाफ के गीत या भजन।) हे भगवान, तू चुप मत रहऽ, हे भगवान, चुप मत रहऽ आ चुप मत रहऽ।
2 देखऽ, तोहार दुश्मन लोग हंगामा करत बा आ तोहरा से नफरत करे वाला लोग माथा उठवले बा।
3 ऊ लोग तोहार लोग के खिलाफ चालबाजी कइले बा आ तोहरा छिपल लोग के खिलाफ सलाह लेले बा।
4 ऊ लोग कहले बा कि आ जा, हमनी के ओह लोग के राष्ट्र होखे से काट देनी जा। ताकि इस्राएल के नाम अब याद ना होखे।
5 काहेकि उ लोग एक सहमति से विचार कईले बाड़े, उ लोग तोहरा खिलाफ एकजुट बाड़े।
6 एदोम के तम्बू आ इस्माइली लोग के तम्बू। मोआब आ हगारी लोग के;
7 गेबल, अम्मोन आ अमालेक के नाम से जानल जाला। सूर के निवासी लोग के साथे पलिस्ती लोग;
8 अशूर भी उनकरा साथे जुड़ल बा, उ लोग लूत के संतान के पकड़ले बा। सेलाह के बा।
9 मिद्यानी लोग के साथे जइसन करऽ। जइसे सीसेरा के, जइसे किसोन के धार पर जबिन के।
10 ऊ लोग एन्दोर में नाश हो गइल आ ऊ धरती खातिर गोबर नियर हो गइल।
11 ओह लोग के कुलीन लोग के ओरेब आ ज़ीब जइसन बनाईं, हँ, ओह लोग के सब राजकुमारन के जबा आ सलमुन्ना जइसन बनाईं।
12 उ कहलन, “हमनी के परमेश्वर के घर के अपना कब्जा में ले लीं।”

13 हे हमार भगवान, ओह लोग के चक्का नियर बनाईं। हवा के सामने ठूंठ के रूप में।
14 जइसे आग लकड़ी के जरा देला आ जइसे लौ पहाड़न के आग लगा देला।
15 त अपना तूफान से ओह लोग के सतावऽ आ अपना तूफान से ओह लोग के डेरा दऽ।
16 ओह लोग के चेहरा लाज से भर दीं। ताकि उ लोग तोहार नाम खोज सके, हे प्रभु।
17 ऊ लोग हमेशा खातिर लज्जित आ परेशान होखे। हँ, उ लोग के शर्मिंदा होखे के चाहीं आ नाश होखे के चाहीं।
18 ताकि लोग जान सके कि तू, जेकर नाम अकेले यहोवा ह, पूरा धरती पर सबसे ऊँच बाड़ू।

अध्याय 84 के बा

1 (गीत के प्रमुख संगीतकार के, कोरह के बेटा लोग खातिर एगो भजन।) हे सेना के प्रभु, तोहार तम्बू केतना मिलनसार बा!
2 हमार प्राण तड़पत बा, हँ, यहोवा के आँगन खातिर बेहोश हो गइल बा, हमार दिल आ शरीर जिंदा भगवान खातिर पुकारत बा।
3 हँ, गौरैया के घर मिल गइल बा आ निगल के अपना खातिर एगो घोंसला, जहाँ ऊ आपन बच्चा बिछा सकेले, हे सेना के प्रभु, हमार राजा आ हमार भगवान, तोहार वेदी।
4 धन्य हवें जे तोहरा घर में रहेलन, ऊ लोग अबहियों तोहार स्तुति करत रहीहें। सेलाह के बा।
5 धन्य बा ऊ आदमी जेकर ताकत तोहरा में बा। जेकरा दिल में उनकर रास्ता बा।
6 बाका के घाटी से गुजर के ओकरा के कुआं बनावेला। बरखा भी कुंडन के भर देला।
7 उ लोग एक ताकत से दूसरा ताकत में जाला, सिय्योन में उ लोग में से हर एक परमेश्वर के सामने प्रकट होला।
8 हे सेना के परमेश् वर, हमार प्रार्थना सुनऽ, हे याकूब के परमेस् वर, सुनऽ। सेलाह के बा।
9 देखऽ, हे हमनी के ढाल परमेश्वर, आ अपना अभिषिक्त के चेहरा देखऽ।
10 काहेकि तोहरा आँगन में एक दिन हजार दिन से बढ़िया बा। हम अपना भगवान के घर में दरवाजा के रखवाला बनल चाहत रहनी, ना कि दुष्टता के डेरा में रहे के।
11 काहेकि परमेस् वर यहोवा एगो सूरज आ ढाल हवें, यहोवा अनुग्रह आ महिमा दिहें, उ सीधा चले वाला लोग से कवनो अच्छा काम ना रोकीहें।
12 हे सेना के प्रभु, धन्य बा ऊ आदमी जे तोहरा पर भरोसा करेला।

अध्याय 85 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के, कोरह के बेटा लोग खातिर एगो भजन।) प्रभु, तू अपना देश के अनुकूल रहलू, तू याकूब के बंदी के वापस ले अइलऽ।
2 तू अपना लोग के पाप के माफ क देले बाड़ू, ओकर सब पाप के ढंक देले बाड़ू। सेलाह के बा।
3 तू आपन सब क्रोध दूर क लेले बाड़ू, तू अपना क्रोध के उग्रता से मुड़ गईल बाड़ू।
4 हे हमनी के उद्धार करे वाला परमेश्वर, हमनी के घुमा द, आ हमनी के प्रति आपन क्रोध बंद कर द।
5 का तू हमनी पर हमेशा खातिर नाराज रहबऽ? का तू आपन क्रोध हर पीढ़ी तक ले खींचबऽ?
6 का तू हमनी के फेर से जिंदा ना करबऽ कि तोहार लोग तोहरा में आनन्दित होखे?
7 हे प्रभु, हमनी पर आपन दया करऽ आ हमनी के आपन उद्धार दीं।
8 हम सुनब कि परमेश्वर यहोवा का कहतारे, काहेकि उ अपना लोग आ अपना पवित्र लोग से शांति के बात करीहे, लेकिन उ लोग फेर से मूर्खता में मत आवे।
9 उनकर उद्धार उनकरा से डेरावे वाला लोग के नजदीक बा। ताकि हमनी के देश में महिमा रहे।
10 दया आ सच्चाई के मिलन होला। धर्म आ शांति एक दूसरा के चुम्मा लेले बा।
11 धरती से सच्चाई निकली। आ धर्म स्वर्ग से नीचे देखत होई।
12 हँ, यहोवा जवन बढ़िया बा, उहे दे दिहे। आ हमनी के जमीन से ओकर बढ़न्ती होई।
13 ओकरा आगे धार्मिकता चल जाई। आ हमनी के अपना कदम के राह पर खड़ा कर दी।

अध्याय 86 के बा

1 (दाऊद के एगो प्रार्थना।) हे प्रभु, आपन कान झुका, हमार बात सुन, काहे कि हम गरीब आ गरीब बानी।
2 हमार आत्मा के बचाईं; काहे कि हम पवित्र हईं, हे हमार भगवान, तोहरा पर भरोसा करे वाला अपना सेवक के बचाईं।
3 हे प्रभु, हमरा पर दया कर, काहे कि हम रोज तोहरा से पुकारत बानी।
4 अपना सेवक के आत्मा के आनन्दित कर, काहे कि हे प्रभु, हम तोहरा खातिर आपन प्राण उठावत बानी।
5 काहे कि हे प्रभु, तू अच्छा हउअ आ माफ करे खातिर तइयार बाड़ऽ। आ तोहरा के पुकारे वाला सब लोग पर दया के भरमार बा।
6 हे प्रभु, हमार प्रार्थना पर कान करऽ। आ हमरा निहोरा के आवाज पर ध्यान दीं।
7 अपना संकट के दिन हम तोहरा के पुकारब, काहेकि तू हमरा के जवाब देब।
8 हे प्रभु, देवता लोग में तोहरा जइसन केहू नइखे। ना त तोहार काम जइसन कवनो काम बा।
9 हे प्रभु, जवन भी राष्ट्र तू बनवले बाड़, उ सब लोग आके तोहरा सामने आराधना करी। आ तोहार नाम के महिमा करी।
10 काहेकि तू महान हउअ आ अचरज के काम करेलन, तू अकेले परमेश्वर हउअ।
11 हे प्रभु, हमरा के आपन रास्ता सिखा द। हम तोहरा सच्चाई में चलब, तोहरा नाम से डेराए खातिर हमार दिल के एकजुट करऽ।
12 हे हमार परमेश्वर प्रभु, हम तोहार स्तुति करब, हम तोहार नाम के हमेशा खातिर महिमा करब।
13 काहेकि हमरा पर तोहार दया बहुत बा, आ तू हमरा प्राण के सबसे निचला नरक से बचा देले बाड़।
14 हे भगवान, घमंडी लोग हमरा खिलाफ उठल बा आ हिंसक लोग के सभा हमरा प्राण के खोजत बा। आ तोहरा के ओह लोग के सामने ना रखले बानी।

15 हे प्रभु, तू दयालु, दयालु, धैर्यवान आ दया आ सच्चाई से भरल भगवान हउअ।
16 हे हमरा ओर मुड़ के हमरा पर दया करऽ। अपना नौकर के आपन ताकत दे दऽ आ अपना दासी के बेटा के बचा दऽ।
17 हमरा के भलाई के निशानी देखा द। ताकि हमरा से नफरत करे वाला लोग एकरा के देख के शर्मिंदा हो सके, काहेकि हे प्रभु, तू हमरा के पकड़ले बाड़ू आ हमरा के दिलासा देले बाड़ू।

अध्याय 87 के बा

1 (कोराह के बेटा लोग खातिर एगो भजन या गीत।) उनकर नींव पवित्र पहाड़न में बा।
2 याकूब के सब निवास से भी जादा परमेश् वर सिय्योन के फाटक से प्यार करेलन।
3 हे भगवान के नगर, तोहरा बारे में महिमा के बात कहल जाला। सेलाह के बा।
4 हम अपना के जाने वाला लोग के राहाब आ बाबुल के जिक्र करब। ई आदमी उहाँ पैदा भइल रहे।
5 सिय्योन के बारे में कहल जाई कि ई आ ऊ आदमी ओकरा में पैदा भइल बा आ सबसे ऊँच आदमी ओकरा के मजबूत करी।
6 प्रभु जब लोग के लिखिहें त गिना करीहें कि ई आदमी उहाँ पैदा भइल बा। सेलाह के बा।
7 गायक लोग के साथे-साथे वाद्ययंत्र बजावे वाला लोग भी उहाँ रही, हमार सब झरना तोहरा में बा।

अध्याय 88 के बा

1 (कोराह के बेटा लोग खातिर एगो गीत या भजन, एज्राई हेमन के मशिल महालथ लीननोथ के प्रमुख संगीतकार के।) हे हमार उद्धार के परमेश् वर, हम तोहरा सामने दिन-रात चिल्लात बानी।
2 हमार प्रार्थना तोहरा सामने आवे, हमरा पुकार के कान झुका द।
3 काहेकि हमार प्राण संकट से भरल बा आ हमार जान कब्र के नजदीक आ गईल बा।
4 हम गड्ढा में उतरे वाला लोग के साथे गिनल जानी, हम ओह आदमी निहन बानी, जेकरा लगे कवनो ताकत नईखे।
5 मुअल लोग के बीच से मुक्त हो जा, जइसे कि कब्र में पड़ल मारल गइल लोग, जेकरा के तू अब याद ना करेलऽ, आ ऊ लोग तोहरा हाथ से कट गइल बा।
6 तू हमरा के सबसे निचला गड्ढा में, अन्हार में, गहिराह में रखले बाड़ू।
7 तोहार क्रोध हमरा पर कड़ा बा, आ तू हमरा के अपना सब लहर से दुख देले बाड़ू। सेलाह के बा।
8 तू हमार परिचित के हमरा से दूर कर देले बाड़ू। तू हमरा के ओ लोग खातिर घिनौना बना देले बाड़ू, हम बंद हो गईल बानी अवुरी हम बाहर नईखी आ सकत।
9 हमार आँख दुख के चलते शोक मनावत बा, प्रभु, हम रोज तोहरा के पुकारत बानी, तोहरा ओर हाथ बढ़ावत बानी।
10 का तू मुअल लोग के चमत्कार करबऽ? का मरल लोग उठ के तोहार स्तुति करी? सेलाह के बा।
11 का तोहार दया कब्र में बतावल जाई? या विनाश में तोहार निष्ठा?
12 का तोहार अचरज के अन्हार में पता चल जाई? आ भुलाए के देश में तोहार धार्मिकता?
13 हे प्रभु, हम तोहरा से पुकारत बानी। आ सबेरे हमार प्रार्थना तोहरा के रोक दी।
14 प्रभु, तू हमरा जान के काहे फेंकत बाड़ू? तू हमरा से आपन चेहरा काहे छिपावत बाड़ू?
15 हम अपना जवानी से दुखी बानी आ मरला खातिर तइयार बानी, जबले हम तोहार भय के भोगत बानी तबले हम विचलित बानी।
16 तोहार भयंकर क्रोध हमरा पर चलत बा। तोहार आतंक हमरा के काट देले बा।
17 उ लोग रोज पानी निहन हमरा चारो ओर घूमत रहले। उ लोग एक संगे हमरा के घेरले रहले।
18 प्रेमी आ दोस्त के तू हमरा से दूर आ हमरा परिचित के अन्हार में डाल देले बाड़ू।

अध्याय 89 के बा

1 (एज्राई एथन के मस्किल।) हम हमेशा खातिर प्रभु के दया के बारे में गावत रहब, हम अपना मुँह से तोहार वफादारी के हर पीढ़ी तक बताइब।
2 काहेकि हम कहले बानी कि दया हमेशा खातिर बनल रही।
3 हम अपना चुनल लोग से एगो वाचा कइले बानी, हम अपना सेवक दाऊद के किरिया खइले बानी।
4 हम तोहार संतान के हमेशा खातिर स्थापित करब आ हर पीढ़ी तक तोहार सिंहासन के निर्माण करब। सेलाह के बा।
5 हे प्रभु, आकाश तोहार चमत्कार के स्तुति करी, पवित्र लोग के मंडली में भी तोहार विश्वास के स्तुति करी।
6 स्वर्ग में केकर तुलना प्रभु से हो सकेला? पराक्रमी लोग में से केकर तुलना प्रभु से कइल जा सकेला?
7 पवित्र लोग के सभा में परमेश्वर से बहुत डेराए के चाहीं आ ओकरा आसपास के सब लोग के आदर करे के चाहीं।
8 हे सेना के परमेश्वर यहोवा, तोहरा जइसन मजबूत प्रभु के ह? या तोहरा आसपास के वफादारी के?
9 तू समुंदर के उफान पर राज करेलन, जब ओकर लहर उठेला त ओकरा के शांत कर देत बाड़ू।
10 तू राहाब के टुकड़ा-टुकड़ी कर देले बाड़ू, जइसे कि मारल गइल बा। तू अपना मजबूत बांह से अपना दुश्मनन के बिखर देले बाड़ू।
11 आकाश तोहार ह, धरती भी तोहार ह, दुनिया आ ओकर पूर्णता के त तू ओकरा के नींव बनवले बाड़ू।
12 उत्तर आ दक्षिण के तू बनवले बाड़ू, ताबोर आ हरमोन तोहरा नाम पर आनन्दित होई।
13 तोहार एगो ताकतवर बांह बा, तोहार हाथ मजबूत बा आ तोहार दाहिना हाथ ऊँच बा।
14 न्याय आ न्याय तोहार सिंहासन के निवास ह, दया आ सच्चाई तोहरा सामने चल जाई।
15 धन्य बा ऊ लोग जे आनन्द के आवाज के जानत बा, हे प्रभु, ऊ लोग तोहरा चेहरा के रोशनी में चलत होई।
16 उ लोग दिन भर तोहरा नाम से खुश रहीहें आ तोहरा धार्मिकता में ऊ लोग के ऊँचाई दिहल जाई।
17 काहे कि तू ओह लोग के ताकत के महिमा हउअ आ तोहरा अनुग्रह से हमनी के सींग के ऊंचाई दिहल जाई।

18 काहे कि यहोवा हमनी के बचाव हउवें। आ इस्राएल के पवित्र आदमी हमनी के राजा हवे।
19 तब तू अपना पवित्र से दर्शन में कहनी कि हम एगो पराक्रमी के सहायता देले बानी। हम जनता में से चुनल आदमी के ऊंचाई देले बानी।
20 हम अपना सेवक दाऊद के पा लेले बानी। हम अपना पवित्र तेल से ओकरा के अभिषेक कइले बानी।
21 जेकरा से हमार हाथ मजबूत होई, हमार बांह भी ओकरा के मजबूत करी।
22 दुश्मन ओकरा से कवनो वसूली ना करी। ना ही बुराई के बेटा ओकरा के दुखी करेला।
23 हम ओकरा दुश्मनन के ओकरा सामने पीट के ओकरा से नफरत करे वाला लोग के सता देब।
24 बाकिर हमार वफादारी आ दया ओकरा साथे रही आ हमरा नाम से ओकर सींग ऊँच हो जाई.
25 हम ओकर हाथ समुंदर में आ ओकर दाहिना हाथ नदी में रख देब।
26 ऊ हमरा से पुकारत होई कि तू हमार बाप हउअ, हमार भगवान हउअ आ हमरा उद्धार के चट्टान हउअ।
27 हम ओकरा के आपन जेठ बच्चा बना देब, जवन धरती के राजा लोग से भी ऊँच बा।
28 हम आपन दया ओकरा खातिर हमेशा खातिर रखब आ ओकर वाचा ओकरा साथे मजबूत रही।
29 हम उनकर संतान के हमेशा खातिर टिकब आ उनकर सिंहासन के स्वर्ग के दिन निहन बना देब।
30 अगर ओकर लइका हमरा व्यवस्था के छोड़ के हमरा फैसला पर ना चले।
31 अगर उ लोग हमार नियम के तोड़त अवुरी हमार आज्ञा के पालन ना करीहे।
32 तब हम ओह लोग के अपराध के लाठी से आ ओह लोग के अपराध के कोड़ा मार देब।
33 लेकिन हम ओकरा से आपन दया पूरा तरह से ना छीनब आ ना ही आपन विश्वास के खत्म होखे देब।
34 हम आपन वाचा ना तोड़ब आ ना ही अपना होंठ से निकलल चीज के बदलब।
35 हम एक बेर अपना पवित्रता के कसम खइले बानी कि हम दाऊद से झूठ ना बोलब।
36 ओकर संतान हमेशा खातिर टिकल रही आ ओकर सिंहासन हमरा सोझा सूरज निहन रही।
37 ई चंद्रमा के रूप में आ स्वर्ग में एगो विश्वासी गवाह के रूप में हमेशा खातिर स्थापित होई। सेलाह के बा।
38 बाकिर तूँ फेंक दिहलऽ आ घृणा कइलऽ, तू अपना अभिषिक्त पर क्रोधित हो गइल बाड़ऽ।
39 तू अपना सेवक के वाचा के शून्य क देले बाड़ू, ओकरा मुकुट के जमीन प फेंक के ओकरा के अशुद्ध क देले बाड़ू।
40 तू ओकर सब हेड़ के तोड़ देले बाड़ू। तू ओकर गढ़ के बर्बाद क देले बाड़ू।
41 रास्ता से गुजरे वाला सब ओकरा के लूट लेला, उ अपना पड़ोसी के निंदा ह।
42 तू ओकर विरोधियन के दाहिना हाथ खड़ा कर देले बाड़ऽ। तू ओकर सभ दुश्मन के खुश क देले बाड़ू।
43 तूँ ओकर तलवार के धार भी घुमा के ओकरा के लड़ाई में खड़ा ना करवले बाड़ू।
44 तू ओकर महिमा के खतम क के ओकर सिंहासन जमीन पर गिरा देले बाड़ू।
45 ओकर जवानी के दिन छोट कर देले बाड़ू, ओकरा के लाज से ढंक देले बाड़ू। सेलाह के बा।
46 कब तक हे प्रभु? का तू हमेशा खातिर लुकाइल रहबऽ? का तोहार क्रोध आग निहन जर जाई?
47 याद करऽ कि हमार समय केतना कम बा, तू सब आदमी के बेकार में काहे बनवले बाड़ू?
48 ऊ कवन आदमी ह जे जिंदा बा आ मौत ना देख पाई? का ऊ आपन जान कब्र के हाथ से बचाई? सेलाह के बा।
49 प्रभु, तोहार पहिले के दया कहाँ बा जवन तू अपना सच्चाई में दाऊद के कसम खइले रहलू?
50 हे प्रभु, अपना सेवकन के निंदा के याद करऽ। कइसे हम अपना गोदी में सब पराक्रमी लोग के निंदा के सहत बानी।
51 हे प्रभु, तोहार दुश्मन लोग एकरा से निंदा कइले बा। जवना से उ लोग तोहार अभिषिक्त के कदम के निंदा कईले बाड़े।
52 प्रभु के हमेशा खातिर धन्य होखे। आमीन, अउर आमीन।

अध्याय 90 के बा

1 (परमेशवर के आदमी मूसा के एगो प्रार्थना।) प्रभु, तू हर पीढ़ी से हमनी के निवास रहल बाड़ू।
2 पहाड़ के पैदा होखे से पहिले, चाहे तू धरती आ दुनिया के अनन्त से अनन्त तक बनवले रहलू, तू भगवान हउअ।
3 तू आदमी के विनाश के ओर मोड़ देत बाड़ू। आ कहत बा कि, हे मनुष्य के संतान, लौट जाइब।
4 हजार साल तोहरा नजर में काल्ह के जइसन बा आ रात में पहरा जइसन बा।
5 तू ओह लोग के बाढ़ जइसन ले जाइले। ऊ लोग नींद नियर होला, सबेरे ऊ घास नियर होला जवन बढ़ेला।
6 सबेरे पनपेला आ बड़ हो जाला। साँझ के काट के मुरझा जाला।
7 हमनी के तोहार क्रोध से भस्म हो गईल बानी जा, आ तोहार क्रोध से हमनी के घबरा गईल बानी जा।
8 तू हमनी के अपराध के अपना सामने रखले बाड़ू, हमनी के गुप्त पाप के अपना चेहरा के रोशनी में रखले बाड़ू।
9 हमनी के सब दिन तोहरा क्रोध में बीत गईल बा, हमनी के आपन साल एगो कहानी के रूप में बितावेनी जा।
10 हमनी के साल के दिन साठ साल आ दस साल बा। आ अगर ताकत का चलते ऊ लोग चौदह साल के हो गइल बा तबो ओह लोग के ताकत श्रम आ दुख बा. काहे कि ऊ जल्दीए कट जाला आ हमनी के उड़ जानी जा।
11 तोहार क्रोध के ताकत के जानत बा? तोहरा डर के हिसाब से भी तोहार क्रोध भी बा।
12 एह से हमनी के आपन दिन गिने के सिखाईं ताकि हमनी के आपन दिल बुद्धि के काम में लगा सकीले।
13 हे प्रभु, कब तक लवट आईं? आ तोहरा सेवकन के बारे में पश्चाताप करे।
14 हे अपना दया से हमनी के जल्दी संतुष्ट कर; ताकि हमनी के पूरा दिन खुश होके खुश रहीं जा।
15 जवना दिन तू हमनी के दुख देले बाड़ू, आ जवना साल हमनी के बुराई देखले बानी जा, ओकरा हिसाब से हमनी के खुश करऽ।

16 तोहार काम तोहार सेवकन के सामने आऊ तोहार महिमा ओह लोग के लइकन के सामने लउके।
17 हमनी के परमेश्वर यहोवा के सुंदरता हमनी पर होखे, आ हमनी के हाथ के काम हमनी पर स्थापित करऽ। हँ, हमनी के हाथ के काम ओकरा के स्थापित करऽ।

अध्याय 91 के बा

1 जे परम परमात्मा के गुप्त स्थान में रहेला, उ सर्वशक्तिमान के छाया में रहेला।
2 हम यहोवा के बारे में कहब कि उ हमार शरण आ किला हवें। ओकरा पर भरोसा करब।
3 ऊ तोहरा के चिरई के जाल से आ शोरगुल वाला महामारी से बचाई।
4 ऊ तोहरा के अपना पंख से ढंक के राखब आ ओकरा पाँख के नीचे तू भरोसा करबऽ, ओकर सच्चाई तोहार ढाल आ बकरी होई।
5 रात में आतंक से ना डेराएब। ना दिन में उड़े वाला तीर खातिर;
6 ना ही अन्हार में चले वाला महामारी खातिर। ना ही दुपहरिया में बर्बाद होखे वाला विनाश खातिर।
7 तोहरा बगल में हजार आ दाहिना ओर दस हजार गिर जाई। बाकिर ऊ तोहरा लगे ना आई।
8 खाली अपना आँख से दुष्टन के इनाम देखब आ देखब।
9 काहे कि तू हमरा शरण में प्रभु के आपन निवास बना देले बाड़ू।
10 तोहरा पर कवनो बुराई ना होई आ ना कवनो विपत्ति तोहरा निवास के नजदीक आई।
11 काहेकि उ अपना स्वर्गदूतन के तोहरा पर आज्ञा देई कि तोहरा सब रास्ता में तोहरा के रखे।
12 ऊ लोग तोहरा के अपना हाथ में उठा ली, कहीं तू आपन गोड़ पत्थर से ना टकरा जा।
13 शेर आ अजगर के रौंदब, शेर के बच्चा आ अजगर के गोड़ से रौंदब।
14 काहे कि उ हमरा पर आपन प्रेम रखले बा, एहसे हम ओकरा के बचा देब।
15 उ हमरा के पुकार के हम ओकरा के जवाब देब, हम ओकरा संगे विपत्ति में रहब। हम ओकरा के बचाइब आ ओकर आदर करब।
16 हम ओकरा के लंबा उमिर से संतुष्ट करब आ ओकरा के आपन उद्धार देखा देब।

अध्याय 92 के बा

1 (विश्राम के दिन खातिर एगो भजन या गीत।) हे परमात्मा, प्रभु के धन्यवाद दिहल आ अपना नाम के गुणगान कइल बढ़िया काम ह।
2 सबेरे आपन दया आ हर रात आपन विश्वास देखावे खातिर।
3 दस तार के वाद्ययंत्र पर आ भजन के गाना पर। वीणा पर गंभीर आवाज के साथ।
4 काहे कि हे प्रभु, तू हमरा के अपना काम से खुश कर देले बाड़ू, हम तोहरा हाथ के काम में जीत हासिल करब।
5 हे प्रभु, तोहार काम केतना बड़ बा! आ तोहार विचार बहुते गहिराह बा।
6 क्रूर आदमी ना जानेला। ना त कवनो मूर्ख के ई बात समझ में आवेला।
7 जब दुष्ट घास के रूप में उभरत बाड़े आ जब सब अधर्म के काम करे वाला पनपत बाड़े। इ ह कि उ लोग हमेशा खातिर नष्ट हो जईहे।
8 लेकिन हे प्रभु, तू हमेशा खातिर सबसे ऊँच बाड़ू।
9 हे प्रभु, तोहार दुश्मन देखऽ, तोहार दुश्मन नाश हो जइहें। सब अधर्म के काम करे वाला लोग तितर-बितर हो जइहें।
10 लेकिन तू हमरा सींग के गेंडा के सींग निहन ऊँच करब, हमरा के ताजा तेल से अभिषेक कईल जाई।
11 हमार आँख भी हमरा दुश्मनन पर हमार इच्छा देखत होई आ हमार कान हमरा खिलाफ उठल दुष्टन के इच्छा सुनत होई।
12 धर्मी लोग ताड़ के पेड़ निहन पनपल, उ लेबनान में देवदार निहन उग जाई।
13 जे प्रभु के घर में लगावल जाई उ हमनी के परमेश्वर के आँगन में फलत-फूलत होई।
14 उ लोग बुढ़ापा में भी फल पैदा करीहे। ऊ लोग मोट आ फलत-फूलत होई।
15 ई देखावे खातिर कि यहोवा सीधा हउवें, उ हमार चट्टान हउवें आ ओकरा में कवनो अधर्म नइखे।

अध्याय 93 के बा

1 प्रभु राज करेलन, ऊ महिमा के कपड़ा पहिनले बाड़न। प्रभु ताकत के कपड़ा पहिनले बाड़े, जवना से उ अपना के कमरबंद कईले बाड़े, दुनिया भी स्थिर बा कि उ हिलल नईखे जा सकत।
2 तोहार सिंहासन पुरान से स्थापित बा, तू अनन्त से बाड़ू।
3 हे प्रभु, बाढ़ उठल बा, बाढ़ के आवाज उठल बा। बाढ़ आपन लहर ऊपर उठावेला।
4 ऊंच पर के यहोवा बहुत पानी के शोर से भी ताकतवर हउवें, हँ, समुंदर के तेज लहर से भी।
5 तोहार गवाही बहुत पक्का बा, हे प्रभु, तोहार घर के पवित्रता हमेशा खातिर बनल बा।

अध्याय 94 के बा

1 हे प्रभु परमेश्वर, जेकर बदला लेवे के बा। हे भगवान, जेकरा के बदला लेवे के बा, अपना के देखा द।
2 हे धरती के न्यायाधीश, अपना के उठा, घमंडी लोग के इनाम दे।
3 प्रभु, कब तक दुष्ट के जीत होई, कब तक दुष्ट के जीत होई?
4 ऊ लोग कब तक कड़ा बात कहत आ बोलत होई? आ सब अधर्म के काम करे वाला लोग घमंड करेला?
5 हे प्रभु, ऊ लोग तोहार लोग के टुकड़ा-टुकड़ा कर देला आ तोहार विरासत के दुखी कर देला।
6 ऊ लोग विधवा आ परदेसी के हत्या कर देला आ अनाथ के हत्या कर देला।
7 तबो उ लोग कहत बाड़े कि, “प्रभु ना देखिहे, ना याकूब के परमेश्वर एकरा के परवाह करीहे।”
8 हे लोग के बीच में क्रूर लोग, समझीं, आ हे मूर्ख लोग, कब बुद्धिमान होखब?
9 जे कान रोपले बा, का उ ना सुनाई? जे आँख बनवले बा, का उ ना देखाई?

10 जे गैर-यहूदी के ताड़ देला, का उ सुधार ना करी? जे आदमी के ज्ञान सिखावेला, का उ ना जान पाई?
11 प्रभु आदमी के विचार के जानत हउवें कि उ व्यर्थ ह।
12 हे प्रभु, जेकरा के तू सजा देत बाड़ऽ आ ओकरा के अपना व्यवस्था से सिखावत बाड़ऽ, ऊ धन्य बा।
13 ताकि तू ओकरा के विपत्ति के दिन से आराम देब जब तक कि दुष्टन खातिर गड्ढा ना खोदल जाव।
14 काहेकि यहोवा अपना लोग के ना छोड़िहें आ ना ही ऊ आपन विरासत छोड़िहें।
15 लेकिन न्याय धर्म में वापस आ जाई आ मन के सब सोझ लोग ओकरा पीछे चल जाई।
16 हमरा खातिर के बुराई के खिलाफ खड़ा होई? या अधर्म के काम करे वाला लोग के खिलाफ हमरा खातिर के खड़ा होई?
17 जब तक प्रभु हमार मदद ना कईले रहते, तब तक हमार प्राण लगभग चुप्पी में रह गईल रहित।
18 जब हम कहनी कि हमार गोड़ फिसल जाला। हे प्रभु, तोहार दया हमरा के ऊपर उठवले बा।
19 हमरा भीतर हमरा विचार के भीड़ से तोहार आराम हमरा आत्मा के खुश करेला।
20 का अधर्म के सिंहासन के तोहरा साथे साझीदारी होई, जवन कवनो कानून के द्वारा दुष्टता के निर्माण करेला?
21 ऊ लोग धर्मी लोग के आत्मा के खिलाफ एकजुट होके निर्दोष खून के दोषी ठहरावेला।
22 लेकिन यहोवा हमार बचाव हउवें। आ हमार भगवान हमरा शरण के चट्टान हवें।
23 ऊ ओह लोग पर आपन अपराध ले अइहें आ ओह लोग के अपना दुष्टता में काट दीहें. हँ, हमनी के परमेश्वर यहोवा ओह लोग के काट दिहे।

अध्याय 95 के बा

1 हे आ, हमनी के प्रभु के गाना, हमनी के अपना उद्धार के चट्टान के खुशी के आवाज उठावे।
2 हमनी के धन्यवाद के साथे उनकरा सामने आके भजन के साथ उल्लास से हल्ला मचाईं जा।
3 काहेकि यहोवा एगो बड़हन भगवान हवें आ सब देवता लोग से ऊपर एगो बड़हन राजा हवें।
4 ओकरा हाथ में धरती के गहिराह जगह बा, पहाड़ी के ताकत भी ओकर बा।
5 समुंदर ओकरे ह, उहे बनवले, आ ओकर हाथ सूखल जमीन बनवले।
6 आ जा, हमनी के आराधना करीं जा आ प्रणाम करीं जा, हमनी के अपना बनावे वाला यहोवा के सामने घुटना टेक के चलल जाव।
7 काहेकि उ हमनी के परमेश्वर हउवें। आ हमनी के ओकर चारागाह के लोग हईं जा आ ओकर हाथ के भेड़ हईं जा। आज अगर रउवां उनकर आवाज सुनब त
8 अपना मन के कठोर मत करऽ, जइसे कि उकसाव में आ जंगल में परीक्षा के दिन होखे।
9 जब तोहार बाप-दादा हमरा के परीक्षा दिहले, हमरा के परखले आ हमार काम देखले।
10 चालीस साल से हम एह पीढ़ी के साथे दुखी रहनी आ कहनी कि, “ई एगो अइसन जनता ह जवन अपना मन में गलती करेला, लेकिन उ लोग हमार रास्ता नईखन जानत।
11 जेकरा से हम अपना क्रोध में किरिया खइले रहनी कि उ लोग हमरा विश्राम में ना घुसे।

अध्याय 96 के बा

1 हे प्रभु के एगो नया गीत गाईं, हे पूरा धरती, प्रभु के गाईं।
2 प्रभु के गाईं, उनकर नाम के आशीष दीं। दिन-प्रतिदिन आपन उद्धार देखावत रहेला।
3 गैर-यहूदी लोग के बीच ओकर महिमा, सब लोग के बीच ओकर चमत्कार के घोषणा करीं।
4 काहेकि यहोवा बहुत बड़ हउवें आ उनकर बहुत स्तुति होखे के चाहीं, उ सब देवता से भी डेराए के चाहीं।
5 काहेकि राष्ट्रन के सब देवता मूर्ति हवें, लेकिन प्रभु आकाश के बनवले बाड़न।
6 ओकरा सामने आदर आ महिमा बा, ओकरा पवित्र स्थान में ताकत आ सुंदरता बा।
7 हे लोग के रिश्तेदार, प्रभु के दीं, प्रभु के महिमा आ ताकत दीं।
8 प्रभु के उनकर नाम के महिमा दीं, चढ़वा लेके आके उनकर आँगन में आ जा।
9 हे पवित्रता के सुंदरता में प्रभु के आराधना करीं, हे पूरा धरती, ओकरा से डेराईं।
10 गैर-यहूदी लोग के बीच कहऽ कि यहोवा राज करत बाड़न, दुनिया भी मजबूत हो जाई कि ऊ कवनो हिलल ना जाई।
11 आकाश आनन्दित होखे आ धरती खुश होखे। समुंदर के गर्जना करे आ ओकर पूरापन।
12 खेत आ ओकरा में मौजूद सब कुछ आनन्दित होखे, तब जंगल के सब पेड़ खुश हो जइहें
13 प्रभु के सोझा, काहेकि उ धरती के न्याय करे आवेला, उ दुनिया के धार्मिकता से अवुरी लोग के अपना सच्चाई से न्याय करीहे।

अध्याय 97 के बा

1 प्रभु के राज बा। धरती के खुशी होखे; द्वीप के भीड़ एकरा से खुश होखे।
2 ओकरा चारो ओर बादल आ अन्हार बा, धर्म आ न्याय ओकर सिंहासन के निवास ह।
3 ओकरा आगे आग चल के ओकरा चारो ओर दुश्मनन के जरा देले।
4 उनकर बिजली दुनिया के रोशन कइलस, धरती देखलस आ काँप गइल।
5 पूरा धरती के प्रभु के सामने पहाड़ी मोम निहन पिघल गईल।
6 आकाश उनकर धार्मिकता के घोषणा करेला आ सब लोग उनकर महिमा देखत बा।
7 ऊ सब उकेरल मूर्ति के सेवा करे वाला आ मूर्ति के घमंड करे वाला सब लज्जित हो जास।
8 सिय्योन सुन के खुश हो गइल। हे प्रभु, तोहार न्याय के चलते यहूदा के बेटी लोग खुश हो गईली।
9 काहे कि हे प्रभु, तू पूरा धरती से ऊपर ऊँच बाड़ू, तू सब देवता से बहुत ऊपर उठल बाड़ू।

10 जे प्रभु से प्रेम करेलन, बुराई से नफरत करीं, ऊ अपना पवित्र लोग के प्राण के बचावेला। ऊ ओह लोग के दुष्टन के हाथ से बचावेला।
11 धर्मी लोग खातिर इजोत बोवल जाला आ सोझ दिल वाला लोग खातिर उल्लास बोवल जाला।
12 हे धर्मी लोग, प्रभु में आनन्दित होखऽ। आ उनकर पवित्रता के याद में धन्यवाद दीं।

अध्याय 98 के बा

1 (एक भजन) हे प्रभु के एगो नया गीत गाईं; काहे कि ऊ अद्भुत काम कइले बाड़न, उनकर दाहिना हाथ आ पवित्र बाँहि उनका के जीत हासिल कइले बा।
2 यहोवा आपन उद्धार के बारे में बता देले बाड़न, उ आपन धार्मिकता गैर-यहूदी लोग के सामने खुल के देखा दिहले बाड़न।
3 उ इस्राएल के घराना के प्रति आपन दया आ सच्चाई के याद कईले बा, धरती के सब छोर हमनी के परमेश्वर के उद्धार देखले बा।
4, पूरा धरती, प्रभु के हल्ला मचाईं, जोर से हल्ला करीं, आनन्दित होखीं आ स्तुति गाईं।
5 वीणा से प्रभु के गाईं। वीणा आ भजन के आवाज के साथे।
6 तुरही आ कोर्नेट के आवाज से राजा यहोवा के सामने खुशी के आवाज करऽ।
7 समुंदर आ ओकर पूरा-पूरा गर्जत होखे। दुनिया आ ओकरा में रहे वाला लोग।
8 बाढ़ ताली बजावे, पहाड़ी एक संगे आनन्दित होखे
9 प्रभु के सामने; काहेकि उ धरती के न्याय करे आवेला, उ धर्म से दुनिया के आ लोग के न्याय करी।

अध्याय 99 के बा

1 प्रभु के राज बा। लोग काँप जाव, ऊ करुबन के बीच में बइठल बा। धरती के हिलल होखे।
2 सिय्योन में प्रभु महान हवें। आ ऊ सब लोग से ऊपर ऊँच बा।
3 ऊ लोग तोहार बड़हन आ भयानक नाम के स्तुति करस। काहे कि ई पवित्र बा।
4 राजा के ताकत भी न्याय से प्रेम करेला। तू याकूब में न्याय आ धार्मिकता के अंजाम देत बाड़ू।
5 हमनी के परमेश्वर यहोवा कै ऊपर उठाईं आ उनकर गोड़ पर आराधना करीं। काहे कि ऊ पवित्र हउवें.
6 मूसा आ हारून उनकर याजकन में आ शमूएल उनकर नाम के पुकारे वाला लोग में। उ लोग प्रभु के पुकारल, त उ ओ लोग के जवाब देले।
7 ऊ बादल वाला खंभा में उनकरा से बात कइलन आ उनकर गवाही आ उनकर दिहल नियम के पालन करत रहले।
8 तू ओह लोग के जवाब दिहनी, हे हमनी के परमेश्वर यहोवा, तू एगो अइसन भगवान रहलू जे ओह लोग के माफ कर दिहलऽ, भले तू ओह लोग के आविष्कार के बदला लेत रहलू।
9 हमनी के परमेश्वर यहोवा के ऊपर उठाईं आ उनकर पवित्र पहाड़ी पर आराधना करीं। काहे कि हमनी के परमेश्वर यहोवा पवित्र हउवें।

अध्याय 100 के बा

1 (स्तुति के भजन।) हे सब देश, प्रभु के हल्ला मचाईं।
2 खुशी से प्रभु के सेवा करीं, गावत-गावत उनकर सामने आ जा।
3 तू लोग जानऽ कि यहोवा भगवान हवें, उहे हमनी के बनवले बाड़न, हमनी के खुद ना। हमनी के ओकर लोग हईं जा, आ ओकर चारागाह के भेड़ हईं जा।
4 धन्यवाद के साथे ओकर फाटक में आ स्तुति के साथे ओकर आँगन में प्रवेश करीं।
5 काहेकि यहोवा अच्छा हवें। ओकर दया अनन्त बा; आ ओकर सच्चाई हर पीढ़ी तक बनल रहेला।

अध्याय 101 के बा

1 (दाऊद के भजन।) हम दया आ न्याय के गाब, हे प्रभु, हम तोहरा खातिर गाब।
2 हम अपना के सही तरीका से समझदारी से व्यवहार करब। हे तू हमरा लगे कब आईबऽ? हम अपना घर के भीतर एकदम सही दिल से चलब।
3 हम अपना आँख के सामने कवनो दुष्ट बात ना रखब, हम ओह लोग के काम से नफरत करेनी। हमरा से ना चिपक पाई।
4 हमरा से एगो खिसियाह दिल दूर हो जाई, हम कवनो दुष्ट के ना जानब।
5 जे गुप्त रूप से अपना पड़ोसी के निंदा करेला, ओकरा के हम काट देब।
6 हमार नजर देश के विश्वासी लोग पर रही ताकि उ लोग हमरा साथे रह सके।
7 धोखा करे वाला हमरा घर में ना रह पाई, झूठ बोले वाला हमरा नजर में ना रह पाई।
8 हम देश के सब दुष्टन के जल्दी नाश कर देब। ताकि हम परमेश् वर के नगर से सब दुष्ट लोग के काट देब।

अध्याय 102 के बा

1 (पीड़ित के प्रार्थना, जब ऊ अभिभूत हो जाला आ आपन शिकायत प्रभु के सामने उड़ा देला।) हे प्रभु, हमार प्रार्थना सुनऽ आ हमार पुकार तोहरा लगे आवे।
2 जवना दिन हम विपत्ति में पड़ब, ओह दिन हमरा से आपन चेहरा मत छिपाईं। हमरा ओर आपन कान झुका द, जवना दिन हम फोन करब त जल्दी हमरा के जवाब दिहीं।
3 काहे कि हमार दिन धुँआ निहन भस्म हो गईल बा अवुरी हमार हड्डी चूल्हा निहन जरि गईल बा।
4 हमार दिल चोट खा गइल बा आ घास नियर मुरझा गइल बा। जेसे हम आपन रोटी खाए के भूला जाइब।
5 हमरा कराह के आवाज के कारण हमार हड्डी हमरा चमड़ी से चिपक जाला।
6 हम जंगल के पेलिकन निहन बानी, हम रेगिस्तान के उल्लू निहन बानी।
7 हम देखत बानी आ घर के चोटी पर अकेले गौरैया नियर बानी।
8 हमार दुश्मन दिन भर हमरा के डांटत रहेले। आ हमरा खिलाफ पागल लोग हमरा खिलाफ किरिया खइले बा।
9 काहेकि हम रोटी निहन राख खईले बानी अवुरी अपना पेय के रोवे में मिला देले बानी।

10 तोहार क्रोध आ क्रोध के चलते, काहेकि तू हमरा के उठा के गिरा देले बाड़।
11 हमार दिन एगो परछाई जइसन बा जवन क्षीण होखत बा। आ हम घास नियर मुरझा गइल बानी।
12 हे प्रभु, तू हमेशा खातिर टिकल रहबऽ। आ तोहार याद हर पीढ़ी तक।
13 तू उठ के सिय्योन पर दया करब, काहे कि ओकरा पर अनुग्रह करे के समय आ गइल बा।
14 काहेकि तोहार सेवक ओकरा पत्थर से खुश होके ओकर धूल के अनुग्रह करेले।
15 एही से गैर-यहूदी लोग प्रभु के नाम से डेराई, आ धरती के सब राजा तोहार महिमा से डेराई।
16 जब यहोवा सिय्योन के निर्माण करीहे त उ अपना महिमा में प्रकट होईहे।
17 ऊ गरीबन के प्रार्थना के देखत, आ ओह लोग के प्रार्थना के तिरस्कार ना करी।
18 ई बात आवे वाली पीढ़ी खातिर लिखल जाई आ जवन लोग सृजित होई, ऊ प्रभु के स्तुति करी।
19 काहेकि उ अपना पवित्र स्थान के ऊँचाई से नीचे देखले बाड़े। स्वर्ग से प्रभु धरती के देखले।
20 कैदी के कराह सुने खातिर। जे लोग के मौत खातिर नियुक्त कइल गइल बा ओकरा के ढीला करे के;
21 सिय्योन में प्रभु के नाम आ यरूशलेम में उनकर स्तुति के प्रचार करे खातिर।
22 जब लोग आ राज्य सभ के एकट्ठा होके परमेश् वर के सेवा करे।
23 ऊ रास्ता में हमार ताकत कमजोर कर दिहलन। उ हमार दिन छोट क देले।
24 हम कहनी, हे हमार भगवान, हमरा के दिन के बीच में मत ले जा, तोहार साल हर पीढ़ी के बा।
25 तू पहिले से धरती के नींव रखले बाड़ू, आ आकाश तोहरा हाथ के काम ह।
26 ऊ नाश हो जइहें, बाकिर तू टिकल रहबऽ, हँ, सब कपड़ा नियर पुरान हो जइहें। तूँ ओह लोग के कपड़ा नियर बदलबऽ आ ऊ बदलल जाई।
27 लेकिन तू उहे बाड़ू, आ तोहार साल के अंत ना होई।
28 तोहार नौकरन के संतान टिकल रहीहें आ ओकर संतान तोहरा सोझा मजबूत हो जाई।

अध्याय 103 के बा

1 (दाऊद के भजन।) हे हमार प्राण, प्रभु के आशीष करीं, आ हमरा भीतर के सब कुछ उनकर पवित्र नाम के आशीष दीं।
2 हे हमार प्राण, प्रभु के आशीष करीं आ ओकर सब फायदा मत भुलाईं।
3 ऊ तोहार सब अपराध के माफ कर देला। जे तोहार सब बेमारी के ठीक करेला।
4 जे तोहार जान के विनाश से मुक्त कर देला। जे तोहरा के दया आ कोमल दया के मुकुट पहिरावेला।
5 जे तोहार मुँह के नीमन बात से तृप्त करेला। ताकि तोहार जवानी चील के जवानी निहन नवीन हो जाला।
6 परमेस् वर सभ दबल-कुचलल लोग खातिर धार्मिकता आ न्याय करेलन।
7 उ मूसा के आपन रास्ता, इस्राएल के लोग के आपन काम के बारे में बतवले।
8 प्रभु दयालु आ कृपालु हउवें, क्रोध में धीमा आ दया में भरपूर हउवें।
9 ऊ हमेशा डांट ना करी आ ना ही ऊ आपन क्रोध हमेशा खातिर राखी।
10 उ हमनी के पाप के बाद हमनी के साथे व्यवहार ना कईले। ना ही हमनी के अधर्म के हिसाब से इनाम दिहलस।
11 जइसे आकाश धरती से ऊँच बा, ओइसहीं ओकर दया ओकरा से डेरावे वाला लोग पर बा।
12 जेतना दूर पूरब पश्चिम से बा, ओतना दूर उ हमनी के अपराध के हमनी से दूर क देले बाड़े।
13 जइसे बाप अपना लइकन पर दया करेला, ओइसहीं प्रभु ओकरा से डेरावे वाला लोग पर दया करेला।
14 काहेकि उ हमनी के फ्रेम के जानत बा। ओकरा याद आवेला कि हमनी के धूल हईं जा।
15 आदमी के त ओकर दिन घास निहन होला, खेत के फूल निहन उ पनपेला।
16 काहेकि हवा ओकरा ऊपर से गुजरत बा आ ऊ खतम हो गइल बा। आ ओकर जगह ओकरा के अब ना जान पाई।
17 लेकिन प्रभु के दया अनन्त से अनन्त तक उनकरा से डेराए वाला लोग पर रहेला आ उनकर धार्मिकता लइकन के लइकन पर रहेला।
18 जे उनकर वाचा के पालन करेला आ जे उनकर आज्ञा के याद करेला, उ लोग के पालन करे खातिर।
19 प्रभु आकाश में आपन सिंहासन तइयार कइले बाड़न। आ ओकर राज्य सब पर राज करेला।
20 हे उनकर स्वर्गदूत, जे ताकत में बढ़िया काम करेनी आ उनकर आज्ञा के पालन करेनी आ उनकर वचन के आवाज सुनत बानी, प्रभु के आशीष करीं।
21 हे उनकर सब सेना, प्रभु के आशीष करीं। हे ओकर सेवक लोग, जे ओकर मन करे के काम करेला।
22 प्रभु के आशीष करीं, उनकर सब काम के उनकरा प्रभु के हर जगह पर, हे हमार प्राण, प्रभु के आशीष करीं।

अध्याय 104 के बा

1 हे हमार आत्मा, प्रभु के आशीष करीं। हे हमार परमेश्वर यहोवा, तू बहुत बड़ हउअ। तू आदर आ महिमा के कपड़ा पहिनले बाड़ू।
2 जे अपना के कपड़ा के तरह रोशनी से ढंकल बा, जे परदा निहन आकाश के तानत बा।
3 ऊ पानी में आपन कोठरी के किरण बिछावेला आ बादल के आपन रथ बनावेला आ हवा के पाँख पर चलेला।
4 जे अपना स्वर्गदूतन के आत्मा बनावेला। उनकर मंत्री लोग एगो ज्वालामुखी आग:
5 उ धरती के नींव रखले कि उ हमेशा खातिर ना हटावे।
6 तू ओकरा के गहिराई से ढंकले बाड़ू जइसे कपड़ा से ढंकले बाड़ऽ, पानी पहाड़न के ऊपर खड़ा रहे।
7 तोहरा डांटला पर ऊ लोग भाग गइल। तोहरा गरज के आवाज पर ऊ लोग जल्दबाजी में चल गइल।
8 ऊ लोग पहाड़ के किनारे चढ़ जाला। ऊ लोग घाटी के बीच से नीचे उतर के ओह जगह पर जाला जहाँ तू ओह लोग खातिर नींव बनवले बाड़ू।

9 तू एगो सीमा तय कइले बाड़ऽ कि ऊ लोग पार ना कर सके। कि ऊ लोग फेर से धरती के ढँके खातिर ना मुड़ जाव.
10 ऊ झरना के घाटी में भेज देला जवन पहाड़ी के बीच से बहत रहेला।
11 ऊ लोग खेत के हर जानवर के पानी देवेला, जंगली गदहा ओकर प्यास बुझावेला।
12 ओह लोग के द्वारा आकाश के चिरई के निवास होई, जवन डाढ़ के बीच में गावेला।
13 ऊ अपना कोठरी से पहाड़ी के पानी देला, धरती तोहरा काम के फल से तृप्त हो जाले।
14 ऊ मवेशी खातिर घास आ आदमी के सेवा खातिर जड़ी-बूटी उगावेला, ताकि ऊ धरती से अन्न निकाल सके।
15 आ आदमी के दिल के खुश करे वाला शराब आ ओकर चेहरा चमकावे खातिर तेल आ आदमी के दिल के मजबूत करे वाला रोटी।
16 यहोवा के पेड़ रस से भरल बा। लेबनान के देवदार के पेड़ जवन उ रोपले बाड़े।
17 जहाँ चिरई आपन घोंसला बनावेली स, सारस के त देवदार के पेड़ ओकर घर ह।
18 ऊँच पहाड़ी जंगली बकरी के आश्रय ह। आ शंकु खातिर चट्टान।
19 उ चाँद के मौसम खातिर तय कईले, सूरज ओकर अस्त होखे के जानत बा।
20 तू अन्हार बनावत बाड़ू आ रात हो गइल बा, जवना में जंगल के सब जानवर रेंगत निकलत बाड़े।
21 शेर के बच्चा अपना शिकार के पीछे गर्जत बाड़े अवुरी भगवान से आपन खाना खोजत बाड़े।
22 सूरज उग के ऊ लोग अपना के बटोर के अपना मांद में सुता देला।
23 आदमी साँझ तक अपना काम आ मेहनत में लागेला।
24 हे प्रभु, तोहार काम केतना तरह के बा! तू बुद्धि से सब के बनवले बाड़ू, धरती तोहरा धन से भरल बा।
25 इहे बड़हन आ चौड़ा समुंदर ह, जवना में छोट-बड़ जानवर अनगिनत रेंगत बा।
26 उहाँ जहाज चलेला, उहाँ उ लेवियथन बा, जेकरा के तू ओकरा में खेले खातिर बनवले बाड़।
27 ई सब तोहार इंतजार करत बा। ताकि तू समय पर ओह लोग के खाना दे दीं।
28 कि तू ओह लोग के बटोर के देबऽ, तू आपन हाथ खोलऽ, ऊ लोग भलाई से भरल बा।
29 तू आपन चेहरा छुपावत बाड़ऽ, ऊ लोग घबरा जाला, तू ओह लोग के साँस छीन लेत बाड़ऽ, ऊ लोग मर जाला आ अपना धूल में लवट जाला।
30 तू आपन आत्मा के भेजत बाड़, उ लोग रचल बा, आ तू धरती के चेहरा के नवीकरण कर देत बाड़।
31 प्रभु के महिमा हमेशा खातिर बनल रही, प्रभु अपना काम में खुश रही।
32 ऊ धरती के देखेला आ ऊ काँप जाला, ऊ पहाड़ी के छूवेला आ ऊ धुँआ निकलेला।
33 हम जब तक जिंदा रहब तब तक प्रभु के गाना गावत रहब, जब तक हम अपना भगवान के स्तुति गावत रहब।
34 ओकरा बारे में हमार मनन मीठ होई, हम प्रभु में खुश होखब।
35 पापी लोग धरती से नाश हो जाव आ दुष्ट लोग अब ना रह जाव। हे हमार प्राण, प्रभु के आशीष करऽ। प्रभु के स्तुति करीं।

अध्याय 105 के बा

1 हे प्रभु के धन्यवाद दीं। ओकर नाम पुकारऽ, लोग के बीच ओकर करनी के जानकारी दीं।
2 ओकरा खातिर गाईं, ओकरा खातिर भजन गाईं, ओकर सब चमत्कार के बारे में बात करीं।
3 तूँ उनकर पवित्र नाम पर महिमा करऽ, जे लोग प्रभु के खोजत बा, उनकर मन खुश होखे।
4 प्रभु आ ओकर ताकत के खोज करीं, हमेशा उनकर मुँह खोजीं।
5 उनकर अचरज के काम याद करीं जवन ऊ कइले बाड़न। ओकर अचरज आ ओकर मुँह के फैसला;
6 हे उनकर सेवक अब्राहम के वंशज, उनकर चुनल याकूब के संतान।
7 ऊ हमनी के परमेश्वर यहोवा हवें, उनकर न्याय पूरा धरती पर बा।
8 उ अपना वाचा के हमेशा खातिर याद रखले बाड़े, जवन उ हजार पीढ़ी तक आज्ञा देले रहले।
9 उ अब्राहम के साथे इ वाचा कईले रहले अवुरी इसहाक के किरिया कईले रहले।
10 ऊ याकूब के एगो व्यवस्था के रूप में आ इस्राएल के अनन्त वाचा के रूप में मजबूत कइलन।
11 ऊ कहलन कि हम तोहरा के कनान के देश के देब, जवन तोहार उत्तराधिकार के भाग ह।
12 जब उ लोग के संख्या में कुछ आदमी रहले। हँ, बहुते कम, आ एहमें पराया लोग.
13 जब उ लोग एक जाति से दूसरा जाति में, एक राज्य से दूसरा प्रजा में जात रहले।
14 ऊ केहू के गलत काम ना करे दिहलन, हँ, ऊ राजा लोग के डांटत रहलन।
15 कहलन, “हमार अभिषिक्त लोग के हाथ मत लगाईं आ हमरा भविष्यवक्ता लोग के कवनो नुकसान मत करीं।”
16 उ देश पर अकाल के आवाज दिहले, उ पूरा रोटी के लाठी के तोड़ देले।
17 उ लोग के आगे एगो आदमी भेजले, उ यूसुफ रहे, जेकरा के एगो नौकर के रूप में बेचल गईल।
18 जेकर गोड़ बेड़ी से चोट करत रहे, ओकरा के लोहा में बिछावल गइल।
19 जब तक उनकर वचन ना आईल, तब तक यहोवा के वचन उनकर परीक्षण करत रहे।
20 राजा भेज के ओकरा के खोल दिहले। इहाँ तक कि जनता के शासक के भी, आ ओकरा के आजाद होखे दीं।
21 उ ओकरा के अपना घर के मालिक आ अपना सब संपत्ति के मालिक बनवले।
22 अपना मर्जी से अपना राजकुमारन के बान्हे खातिर। आ अपना सीनेटरन के बुद्धि सिखावेलें.
23 इस्राएल भी मिस्र में आ गइलन। आ याकूब हाम के देश में प्रवास कइले।
24 ऊ अपना लोग के बहुते बढ़ा दिहलन. आ दुश्मनन से भी मजबूत बना दिहलस।

25 उ लोग के मन मोड़ के अपना लोग से नफरत करे, अपना सेवकन के संगे धोखाधड़ी करे।
26 उ मूसा के आपन नौकर भेजले। आ हारून जेकरा के ऊ चुनले रहले.
27 ऊ लोग हाम के देश में ओकर चमत्कार आ चमत्कार देखवलस।
28 ऊ अन्हार भेज के अन्हार कर दिहले। उ लोग उनकर बात के खिलाफ विद्रोह ना कईले।
29 ऊ ओह लोग के पानी के खून में बदल दिहलन आ ओह लोग के मछरी के मार दिहलन.
30 ओह लोग के देश में, ओह लोग के राजा लोग के कोठरी में, बेंग के भरमार पैदा भइल।
31 ऊ बोललन त ओह लोग के चारो ओर तरह तरह के मक्खी आ जूँ आ गइलन.
32 ऊ ओह लोग के बरखा के बदले ओला दे दिहलन आ ओह लोग के देश में ज्वालामुखी आग दे दिहलन.
33 उ ओह लोग के बेल आ अंजीर के पेड़ के भी मार दिहलस। आ ओह लोग के तट के पेड़न के तोड़ दिहले.
34 ऊ बोलल त टिड्डी आ केटरपिलर आ ऊ लोग के गिनती ना भइल.
35 उ लोग अपना देश के सब जड़ी-बूटी के खा गईले अवुरी ओ लोग के जमीन के फल के खा गईले।
36 उ ओह लोग के देश के सब जेठ बच्चा के भी मार दिहलस, जवन कि ओ लोग के सब ताकत के प्रमुख रहले।
37 उ चांदी आ सोना के साथे भी उ लोग के सामने ले अइले आ ओह लोग के गोत्र में एको कमजोर आदमी ना रहे।
38 जब उ लोग निकलल त मिस्र खुश हो गईल, काहेकि उ लोग के डर रहे।
39 ऊ ढंकला खातिर बादल पसार दिहलन। आ रात में रोशनी देवे खातिर आग।
40 लोग पूछल त ऊ बटेर लेके आके स्वर्ग के रोटी से तृप्त कर दिहलन।
41 ऊ चट्टान खोल दिहलन त पानी बह गइल। सूखल जगहन पर नदी नियर दौड़त रहले।
42 काहेकि उ आपन पवित्र वादा आ अब्राहम के सेवक के याद करत रहले।
43 ऊ अपना लोग के खुशी से आ अपना चुनल लोग के खुशी से बाहर ले अइले।
44 ऊ लोग के गैर-यहूदी के देस दे दिहलन आ ओह लोग के लोग के मेहनत के विरासत में मिल गइल।
45 ताकि उ लोग उनकर नियम के पालन करस आ उनकर नियम के पालन करस। प्रभु के स्तुति करीं।

अध्याय 106 के बा

1 तू लोग प्रभु के स्तुति करीं। हे प्रभु के धन्यवाद दीं; काहे कि ऊ भलाई ह, काहे कि ओकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
2 प्रभु के पराक्रम के के कह सकेला? ओकर सब स्तुति के कर सकेला?
3 धन्य बा उ लोग जे न्याय के पालन करेला आ जे हर समय धर्म के काम करेला।
4 हे प्रभु, हमरा के ओह अनुग्रह से याद कर, जवन तू अपना लोग पर देत बाड़ऽ।
5 ताकि हम तोहार चुनल लोग के भलाई देख सकीले कि हम तोहरा जाति के खुशी में खुश हो सकीले, ताकि हम तोहरा विरासत के साथ घमंड कर सकीले।
6 हमनी के अपना पुरखन के साथे पाप कइले बानी जा, अधर्म कइले बानी जा, बुराई कइले बानी जा।
7 हमनी के पुरखा लोग मिस्र में तोहार अचरज के ना समझ पवले। ऊ लोग तोहार दया के भीड़ के याद ना कइल। लेकिन समुंदर में, लाल सागर में भी ओकरा के भड़का दिहलस।
8 फिर भी उ अपना नाम खातिर उनकरा के बचा लिहले ताकि उ आपन पराक्रमी शक्ति के बारे में बतावे।
9 ऊ लाल सागर के भी डांटलन आ ऊ सूख गइल आ ऊ ओह लोग के गहिराई में ले गइलन जइसे कि जंगल में हो गइल.
10 ऊ ओह लोग के नफरत करे वाला के हाथ से बचा लिहलस आ दुश्मन के हाथ से मुक्त कर दिहलस।
11 पानी ओह लोग के दुश्मनन के ढंक दिहलस आ ओह लोग में से केहू ना बचल।
12 तब उ लोग उनकर बात पर विश्वास कईले। उनुकर गुणगान करत रहले।
13 उ लोग जल्दिये उनकर काम भुला गईले। उ लोग उनकर सलाह के इंतजार ना कईले।
14 लेकिन जंगल में बहुत लालसा करत रहले अवुरी रेगिस्तान में भगवान के परीक्षा लेले।
15 ऊ उनकरा के निहोरा दे दिहलन। बाकिर ओह लोग के आत्मा में दुबलापन भेज दिहलसि.
16 उ लोग डेरा में मूसा आ परमेश् वर के संत हारून से भी ईर्ष्या करत रहले।
17 धरती खोल के दाथन के निगल गईल आ अबीराम के दल के ढंक दिहलस।
18 ओह लोग के साथ में आग लाग गइल। लौ दुष्टन के जरा दिहलस।
19 ऊ लोग होरेब में एगो बछड़ा बना के पिघलल मूर्ति के पूजा कइल।
20 एह तरह से ऊ लोग आपन महिमा बदल के घास खाए वाला बैल के रूप में बदल दिहल।
21 उ लोग अपना उद्धारकर्ता परमेश्वर के भूला गईले, जवन मिस्र में बहुत बड़ काम कईले रहले।
22 हाम के देश में अद्भुत काम आ लाल सागर के किनारे भयानक काम।
23 एही से उ कहले कि उ ओ लोग के नाश क दिहे, अगर उनुकर चुनल मूसा उनुका सोझा खड़ा ना रहित कि उनुकर क्रोध के दूर क दिहल जाए कि कहीं उ ओ लोग के नाश ना करस।
24 हँ, उ लोग सुखद देश के तुच्छ समझत रहले, उ लोग उनकर बात पर विश्वास ना कईले।
25 बाकिर अपना डेरा में बड़बड़ात रहले आ प्रभु के आवाज ना सुनले।
26 एही से उ जंगल में उखाड़ फेंके खातिर ओ लोग के खिलाफ हाथ उठवले।
27 उ लोग के वंशज के राष्ट्रन के बीच में उखाड़ फेंके आ देशन में बिखरावे के।
28 उ लोग बालपेओर में भी जुड़ गईले अवुरी मुअल लोग के बलिदान खा गईले।
29 एह तरह से उ लोग अपना आविष्कार से उनुका के नाराज क देले अवुरी महामारी ओ लोग प चोट पहुंच गईल।

30 तब फिनहास खड़ा होके न्याय के अंजाम दिहलन आ एही से विपत्ति रुक गइल।
31 आउर उहे हर पीढ़ी तक हमेशा खातिर धार्मिकता के रूप में गिनल गईल।
32 उ लोग झगड़ा के पानी से भी ओकरा के नाराज क दिहलस कि उ लोग के खातिर मूसा के बेमार हो गईल।
33 काहे कि उ लोग उनकर आत्मा के भड़कावत रहले कि उ अपना होंठ से बेवजह बोलत रहले।
34 ऊ लोग ओह राष्ट्रन के नाश ना कइल जवना के बारे में यहोवा ओह लोग के आज्ञा दिहले रहले।
35 लेकिन उ लोग गैर-यहूदी लोग के बीच घुलमिल गईले अवुरी उ लोग के काम सीखले।
36 उ लोग अपना मूर्ति के सेवा करत रहले, जवन कि उनुका खाती जाल बनल रहे।
37 हँ, ऊ लोग अपना बेटा आ बेटी के दुष्टात्मा के बलिदान कर दिहल.
38 उ लोग निर्दोष खून बहवले, उ अपना बेटा अवुरी बेटी के खून बहवले, जवना के उ लोग कनान के मूर्ति के बलि देले रहले अवुरी देश खून से गंदा हो गईल।
39 एह तरह से उ लोग अपना काम से अशुद्ध हो गईले अवुरी अपना आविष्कार से वेश्यावृत्ति कईले।
40 एही से परमेस् वर के क्रोध अपना लोग के खिलाफ भड़क गईल कि उ अपना विरासत से घृणा कईले।
41 ऊ ओह लोग के गैर-यहूदी लोग के हाथ में दे दिहलन। आ जे लोग ओह लोग से नफरत करत रहे ऊ लोग ओह लोग पर राज करत रहे।
42 उनकर दुश्मन भी उनकरा पर अत्याचार करत रहले आ उनकरा के अधीन कर दिहल गइलन।
43 उ बहुत बेर उ लोग के बचा लेले। लेकिन उ लोग अपना सलाह से उनुका के नाराज क देले अवुरी अपना अपराध के चलते उनुका के नीचा देखावल गईल।
44 लेकिन उ लोग के पुकार सुन के उ लोग के दुख के ध्यान रखले।
45 ऊ ओह लोग खातिर आपन वाचा याद कइलन आ अपना दया के भरमार के हिसाब से पश्चाताप कइलन।
46 उ ओह लोग के बंदी बना के ले जाए वाला सब लोग के दयालु बना दिहले।
47 हे हमनी के परमेश्वर यहोवा, हमनी के बचाव, आ हमनी के गैर-यहूदी लोग के बीच से बटोर, ताकि हमनी के आपन पवित्र नाम के धन्यवाद देवे के आ तोहरा स्तुति में जीत हासिल करे के।
48 इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के अनन्त से अनन्त तक धन्य होखे, आ सब लोग कहे कि आमेन। प्रभु के स्तुति करीं।

अध्याय 107 के बा

1 हे प्रभु के धन्यवाद दीं, काहे कि ऊ भलाई हवें, काहे कि उनकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
2 प्रभु के छुड़ावल लोग अईसन कहे, जेकरा के उ दुश्मन के हाथ से छुड़ा लेले बाड़े।
3 ऊ लोग के पूरब आ पश्चिम, उत्तर आ दक्खिन के देशन से बटोर लिहले।
4 उ लोग जंगल में एकांत में भटकत रहले। उ लोग के रहे खातिर कवनो शहर ना मिलल।
5 भूखल-प्यासल, उनकर आत्मा ओह लोग में बेहोश हो गइल।
6 तब उ लोग अपना संकट में प्रभु से पुकारत रहले अवुरी उ ओ लोग के परेशानी से मुक्त क देले।
7 ऊ ओह लोग के सही रास्ता से ले गइलन कि ऊ लोग कवनो निवास शहर में जा सके.
8 काश लोग प्रभु के भलाई खातिर आ मनुष्य के संतान के प्रति उनकर अद्भुत काम खातिर उनकर स्तुति करत!
9 काहे कि ऊ तड़पत आत्मा के संतुष्ट करेला आ भूखल आत्मा के भलाई से भर देला।
10 जे लोग अन्हार आ मौत के परछाई में बइठल बा आ दुख आ लोहा में बान्हल बा।
11 काहे कि उ लोग परमेश्वर के वचन के खिलाफ विद्रोह कईले अवुरी परमात्मा के सलाह के तिरस्कार कईले।
12 एही से उ मेहनत से उनकर मन के नीचे गिरा दिहलन। ऊ लोग गिर गइल, आ केहू मदद करे वाला ना रहे।
13 तब उ लोग अपना संकट में प्रभु से पुकारत रहले अवुरी उ ओ लोग के परेशानी से बचा लेले।
14 ऊ ओह लोग के अन्हार आ मौत के परछाई से निकाल के ओह लोग के पट्टी के तोड़ दिहलन।
15 काश लोग प्रभु के भलाई खातिर आ मनुष्य के संतान खातिर उनकर अद्भुत काम खातिर उनकर स्तुति करित!
16 काहेकि उ पीतल के फाटक के तोड़ के लोहा के सलाख के काट देले बाड़े।
17 मूर्ख लोग अपना अपराध आ अधर्म के चलते दुखी हो जाला।
18 उनकर प्राण हर तरह के भोजन से घृणा करेला। आ ऊ लोग मौत के दुआर के नजदीक आ जाला।
19 तब उ लोग अपना संकट में प्रभु से पुकारत बाड़े अवुरी उ ओ लोग के परेशानी से बचावेले।
20 ऊ आपन वचन भेज के ओह लोग के ठीक कर दिहलन आ ओह लोग के विनाश से बचा लिहलन.
21 काश लोग प्रभु के भलाई खातिर आ मनुष्य के संतान खातिर उनकर अद्भुत काम खातिर उनकर स्तुति करत!
22 आऊ उ लोग धन्यवाद के बलिदान के बलिदान देस आ उनके काम के उल्लास से सुनस।
23 जहाज में समुन्दर में उतरे वाला लोग, जवन बड़हन पानी में व्यापार करेला।
24 ई लोग प्रभु के काम आ ओकर अचरज के गहिराह में देखत बा।
25 काहे कि ऊ आज्ञा देत बा आ तूफानी हवा के ऊपर उठावेला जवन ओकर लहर के ऊपर उठावेला।
26 ऊ लोग आकाश में चढ़त बा, फेर से गहिराई में उतरत बा, विपत्ति के चलते उनकर आत्मा पिघल गइल बा।
27 उ लोग इधर-उधर घुमावदार होके नशा में धुत्त आदमी निहन डगमगात बाड़े अवुरी अपना बुद्धि के अंत में बाड़े।
28 तब उ लोग अपना संकट में प्रभु से पुकारत बाड़े अवुरी उ ओ लोग के संकट से बाहर निकाल देले।
29 ऊ तूफान के शांत कर देला, जवना से ओकर लहर शान्त हो जाला।
30 तब उ लोग खुश होखेले काहेकि उ लोग चुप बाड़े। एही से ऊ ओह लोग के मनचाहा ठिकाना में ले आवेला।
31 काश आदमी प्रभु के भलाई खातिर आ मनन के संतान खातिर उनकर अद्भुत काम खातिर उनकर स्तुति करित!

32 उ लोग भी लोग के मंडली में उनकर बड़ाई करस आ बुजुर्ग लोग के भीड़ में उनकर स्तुति करस।
33 ऊ नदी के जंगल में बदल देला आ पानी के झरना के सूखा जमीन में बदल देला।
34 फलदार देश के बंजरपन में बदल दिहल, ओहिजा रहे वाला लोग के दुष्टता के चलते।
35 ऊ जंगल के खड़ा पानी में बदल देला आ सूखल जमीन के पानी के झरना में बदल देला।
36 भूखल लोग के उहाँ रहवावेला ताकि उ लोग रहे खातिर एगो शहर तैयार कर सके|
37 खेत में बोईं आ अंगूर के बगइचा लगाईं जवना से बढ़ के फल मिल सके।
38 उ ओह लोग के भी आशीष देला कि उ लोग बहुत बढ़ जाला। आ ओह लोग के मवेशी के कम ना होखे देला।
39 फेरु से उ लोग के अत्याचार, कष्ट आ दुख से कम कर दिहल जाला।
40 ऊ राजकुमारन पर तिरस्कार बरसावेला आ ओह लोग के जंगल में भटकावेला जहाँ कवनो रास्ता नइखे.
41 तबो ऊ गरीबन के कष्ट से ऊपर उठावेला आ ओकरा के झुंड नियर कुल बना देला।
42 धर्मी लोग एकरा के देख के खुश होई, आ सब अधर्म ओकरा मुँह के रोक दिही।
43 जे बुद्धिमान बा आ ई सब बात के पालन करी, उहे प्रभु के दया के समझी।

अध्याय 108 के बा

1 (दाऊद के गीत या भजन।) हे भगवान, हमार मन स्थिर बा। हम गाब आ स्तुति करब, उहो अपना महिमा से।
2 जाग, भजन आ वीणा, हम खुदे जल्दी जागब।
3 हे प्रभु, हम लोग के बीच तोहार स्तुति करब आ राष्ट्रन के बीच तोहार स्तुति गाब।
4 काहेकि तोहार दया आकाश से ऊपर बा आ तोहार सच्चाई बादल तक पहुँच जाला।
5 हे परमेस् वर, तू आकाश से ऊपर उठावल जा, आ तोहार महिमा पूरा धरती से ऊपर हो जा।
6 ताकि तोहार प्रियजन के मुक्ति मिल सके, अपना दाहिना हाथ से बचा के हमरा के जवाब दीं।
7 भगवान अपना पवित्रता में बात कइले बाड़न। हम खुश होखब, शेकेम के बांटब, आ सुक्कोत के घाटी के मेट करब।
8 गिलिआद हमार ह। मनश्शे हमार हउवें; एफ्राइम भी हमरा माथा के ताकत ह। यहूदा हमार कानून बनावे वाला ह।
9 मोआब हमार धोखा ह। एदोम के ऊपर हम आपन जूता निकालब। फिलिस्ती पर हम जीत हासिल करब।
10 हमरा के मजबूत शहर में के ले आई? के हमरा के एदोम में ले जाई?
11 हे भगवान, का तू ना चाहब, जे हमनी के फेंक देले बाड़ऽ? हे भगवान, का तू हमनी के सेना के साथे ना निकलबऽ?
12 हमनी के संकट से सहायता दीं, काहेकि आदमी के सहायता व्यर्थ बा।
13 हमनी के परमेश्वर के द्वारा वीरता से काम करब जा, काहेकि उहे हमनी के दुश्मनन के रौंद दिही।

अध्याय 109 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के, दाऊद के भजन।) हे हमार स्तुति करे वाला परमेश्वर, आपन चुप मत रहऽ।
2 काहे कि दुष्टन आ धोखेबाज के मुँह हमरा खिलाफ खुलल बा, उ लोग हमरा खिलाफ झूठ बोलत बा।
3 उ लोग हमरा के घृणा के बात से घेर लेले। आ हमरा से बिना कवनो कारण से लड़ल।
4 हमरा प्रेम के चलते उ लोग हमार विरोधी हवे, लेकिन हम अपना के प्रार्थना में देतानी।
5 उ लोग हमरा के भलाई के बदला बुराई के इनाम देले बाड़े अवुरी हमरा प्रेम के नफरत देले बाड़े।
6 ओकरा ऊपर एगो दुष्ट आदमी के रखऽ, आ शैतान के ओकरा दाहिना ओर खड़ा होखे दीं।
7 जब ओकर न्याय होई त ओकर दोषी ठहरावल जाव आ ओकर प्रार्थना पाप बन जाव।
8 ओकर दिन कम होखे; आ दोसरा के आपन पद सम्हारे दीं.
9 ओकर लइका-लइकी अबाप होखे आ ओकर मेहरारू विधवा होखे।
10 ओकर लइका-लइकी लगातार भटकल रहस आ भीख मांगत रहस, उ लोग भी अपना उजाड़ जगह से आपन रोटी खोजत रहस।
11 लुटेरा अपना लगे जवन कुछ बा ओकरा के पकड़ लेव। आ परदेसी लोग ओकर मेहनत बिगाड़ देव।
12 ओकरा पर दया करे वाला केहु ना होखे, आ ना ही ओकरा अनाथ संतान के अनुग्रह करे वाला केहु होखे।
13 ओकर संतान के काट दिहल जाव। आ ओकरा बाद के पीढ़ी में ओह लोग के नाम मिटा दिहल जाव.
14 प्रभु के सामने ओकर पुरखन के पाप के याद कइल जाव। आ ओकरा माई के पाप के ना मिटावे के चाहीं।
15 उ लोग हमेशा प्रभु के सोझा रहे, ताकि उ धरती से ओ लोग के याद के काट देवे।
16 काहे कि उ दया ना करे के याद कईले, बल्कि गरीब आ गरीब आदमी के सतावत रहले, ताकि उ टूटल दिल के हत्या तक क सके।
17 जइसे उ गारी देवे से प्यार करत रहले, ओसही उनुका लगे आवे।
18 जइसे उ अपना कपड़ा के तरह गारी के कपड़ा पहिनले रहले, ओसही ओकरा आंत में पानी निहन आ तेल निहन ओकरा हड्डी में आवे के चाही।
19 ओकरा खातिर ऊ कपड़ा जइसन होखे जवन ओकरा के ढंकत रहेला आ जवना पट्टी से ऊ लगातार पट्टी बान्हल रहेला.
20 इहे इनाम प्रभु के ओर से हमरा विरोधियन के आ हमरा जान के खिलाफ बुराई करे वाला लोग के इनाम होखे।
21 हे प्रभु प्रभु, तू हमरा खातिर अपना नाम खातिर करऽ, काहे कि तोहार दया बढ़िया बा, हमरा के बचावऽ।
22 हम गरीब आ जरूरतमंद हईं आ हमार मन हमरा भीतर घायल हो गइल बा।
23 हम परछाई नियर चल गइल बानी जब ऊ घटत बा आ टिड्डी नियर ऊपर नीचे उछालत बानी।
24 उपवास के चलते हमार घुटना कमजोर हो गईल बा। आ हमार शरीर मोटाई से कमजोर हो जाला।

25 हम ओह लोग के निंदा के रूप में भी बन गईनी, जब उ लोग हमरा के देखले त उ लोग आपन माथा हिला देले।
26 हे हमार परमेस् वर यहोवा, हमार मदद करऽ।
27 ताकि उ लोग जान सकस कि इ तोहार हाथ ह। कि तू ही प्रभु, ई काम कइले बाड़ऽ।
28 उ लोग गारी देवे, लेकिन तू आशीष देस, जब उ लोग उठी त उ लोग के शर्म आवे। लेकिन तोहार सेवक खुश होखे।
29 हमरा विरोधियन के लाज के कपड़ा पहिनावल जाव आ ऊ लोग अपना के अपना उलझन से ढंकल जाव जइसे कि एगो वस्त्र से ढंकल जाव.
30 हम अपना मुँह से प्रभु के बहुत स्तुति करब। हँ, हम भीड़ के बीच उनकर स्तुति करब।
31 काहेकि उ गरीब के दाहिना ओर खड़ा होके ओकरा के अपना प्राण के दोषी ठहरावे वाला लोग से बचाई।

अध्याय 110 के बा

1 (दाऊद के भजन।) यहोवा हमरा प्रभु से कहलन, "तू हमरा दाहिना ओर बईठ जा, जब तक हम तोहरा दुश्मनन के तोहार गोड़ के ठेहुना ना बना देब।"
2 प्रभु सिय्योन से तोहार ताकत के लाठी भेज दिहे, तू अपना दुश्मनन के बीच राज करऽ।
3 तोहार लोग तोहार शक्ति के दिन, भोर से पवित्रता के सुंदरता में इच्छुक होई, तोहरा जवानी के ओस बा।
4 प्रभु कसम खइले बाड़न आ पश्चाताप ना करीहें कि तू मल्कीसेदेक के क्रम में हमेशा खातिर याजक हउअ।
5 तोहरा दाहिना हाथ के प्रभु अपना क्रोध के दिन राजा लोग के मार दिहे।
6 उ गैर-यहूदी के बीच न्याय करी, उ जगह के लाश से भर दिही। ऊ कई देशन पर माथा घाव कर दीहें.
7 ऊ रास्ता में धार से पी लेत बा, एही से ऊ माथा ऊपर उठाई।

अध्याय 111 के बा

1 तू लोग प्रभु के स्तुति करीं। हम अपना पूरा मन से, सोझ लोग के सभा में आ मंडली में प्रभु के स्तुति करब।
2 यहोवा के काम बहुत बड़ बा, जवन सब ओकरा में खुश होखे वाला लोग से खोजल जाला।
3 उनकर काम आदर आ गौरवशाली बा आ उनकर धार्मिकता हमेशा खातिर बनल रहेला।
4 ऊ आपन अचरज के काम के याद करे खातिर बनवले बाड़न, प्रभु कृपालु आ दया से भरल हवें।
5 उ अपना से डेरावे वाला के खाना देले बाड़े, उ हमेशा अपना वाचा के बारे में याद करत रहीहे।
6 उ अपना लोग के अपना काम के ताकत देखा देले बाड़े ताकि उ लोग के गैर-यहूदी के विरासत दे सके।
7 उनकर हाथ के काम सच्चाई आ न्याय ह। उनकर सब आज्ञा पक्का बा।
8 उ लोग हमेशा खातिर मजबूती से खड़ा रहेले, अवुरी सच्चाई अवुरी सोझता में काम करेले।
9 ऊ अपना लोग के मोक्ष भेजलन, ऊ हमेशा खातिर आपन वाचा के आज्ञा देले बाड़न, उनकर नाम पवित्र आ आदरणीय ह।
10 प्रभु के भय ही बुद्धि के शुरुआत ह, उनकर आज्ञा के पालन करे वाला सब लोग के अच्छा समझ होला, उनकर स्तुति हमेशा खातिर रहेला।

अध्याय 112 के बा

1 तू लोग प्रभु के स्तुति करीं। धन्य बा उ आदमी जे प्रभु से डेरात बा, जे उनकर आज्ञा में बहुत आनन्दित बा।
2 ओकर संतान धरती पर पराक्रमी होई, सोझ लोग के पीढ़ी धन्य होई।
3 ओकरा घर में धन आ धन-दौलत रही आ ओकर धार्मिकता हमेशा खातिर बनल रही।
4 सोझ लोग खातिर अन्हार में रोशनी पैदा होला, ऊ दयालु, दया से भरल आ धर्मी हवे।
5 भला आदमी अनुग्रह करेला आ उधार देला, ऊ विवेक से अपना काम के मार्गदर्शन करी।
6 ऊ हमेशा खातिर हिलल ना होई, धर्मी लोग के अनन्त याद कइल जाई।
7 ऊ बुरा खबर से ना डेराई, ओकर मन टिकल बा, प्रभु पर भरोसा करत बा।
8 ओकर मन स्थिर हो गइल बा, जबले ऊ अपना दुश्मनन पर आपन इच्छा ना देखाई तबले ऊ ना डेराई।
9 ऊ तितर-बितर हो गइल बा, गरीबन के दे दिहले बा। ओकर धार्मिकता हमेशा खातिर बनल रहेला। ओकर सींग आदर से ऊँच हो जाई।
10 दुष्ट लोग एकरा के देख के दुखी होई। ऊ दाँत चीर के पिघल जाई, दुष्टन के इच्छा नाश हो जाई।

अध्याय 113 के बा

1 तू लोग प्रभु के स्तुति करीं। हे प्रभु के सेवक लोग, स्तुति करीं, प्रभु के नाम के स्तुति करीं।
2 अब से आ हमेशा खातिर प्रभु के नाम के धन्य होखे।
3 सूरज के उगला से लेके अस्त होखे तक प्रभु के नाम के स्तुति करे के बा।
4 प्रभु सब जाति से ऊपर बा आ ओकर महिमा आकाश से ऊपर बा।
5 ऊ हमनी के परमेश्वर यहोवा के जइसन बा, जे ऊँच पर रहेलन।
6 जे स्वर्ग आ धरती के चीजन के देखे खातिर अपना के नम्र हो जाला!
7 ऊ गरीबन के धूल से उठावेला आ गरीबन के गोबर से उठावेला।
8 ताकि ऊ ओकरा के अपना लोग के राजकुमारन के साथे राजकुमारन के साथे बइठा सके।
9 ऊ बंजर मेहरारू के घर रखे आ लइका-लइकी के खुशहाल महतारी बनावेला। प्रभु के स्तुति करीं।

अध्याय 114 के बा

1 जब इस्राएल मिस्र से निकलल, याकूब के घराना पराया भाषा के लोग से निकलल।
2 यहूदा उनकर पवित्र स्थान रहे आ इस्राएल उनकर राज रहे।

3 समुंदर ओकरा के देख के भाग गईल, यरदन के पीछे भगा दिहल गईल।
4 पहाड़ मेढ़क नियर कूदत रहे आ छोट-छोट पहाड़ी मेमना नियर।
5 हे समुंदर, तोहरा के कवन बेमारी भइल कि तू भाग गइलऽ? तू यरदन, कि तू पीछे भगा दिहल गइल बाड़ऽ?
6 हे पहाड़, जे मेढ़क निहन कूदत रहनी। आ तू छोट-छोट पहाड़ी, मेमना निहन?
7 हे धरती, प्रभु के सामने, याकूब के परमेश्वर के सामने से काँप जा।
8 जवन चट्टान के खड़ा पानी में बदल दिहलस, चकमक पत्थर के पानी के फव्वारा में बदल दिहलस।

अध्याय 115 के बा

1 हे प्रभु, हमनी के ना, हमनी के ना, बलुक अपना दया आ सच्चाई खातिर अपना नाम के महिमा करऽ।
2 गैर-यहूदी लोग काहे कहत बा कि अब उनकर भगवान कहाँ बाड़े?
3 लेकिन हमनी के परमेश्वर स्वर्ग में बाड़े, उ जवन मन करे उहे कईले बाड़े।
4 उनकर मूर्ति चांदी आ सोना के ह, जवन आदमी के हाथ के काम ह।
5 उ लोग के मुँह बा, लेकिन उ लोग ना बोलेले, उ लोग के आँख बा, लेकिन उ लोग नईखन देखत।
6 कान बा, लेकिन ना सुनेला, नाक में बा, लेकिन गंध ना आवेला।
7 उ लोग के हाथ बा, लेकिन उ लोग के हाथ नईखे, गोड़ बा, लेकिन उ लोग ना चलेले अवुरी ना उ लोग गला से बोलेले।
8 जे ओकरा के बनावेला ऊ ओह लोग के जइसन होला। ओइसहीं हर केहू जे ओह लोग पर भरोसा करेला.
9 हे इस्राएल, तू परमेस् वर पर भरोसा राखऽ, ऊ ओह लोग के सहायक आ ढाल हवे।
10 हे हारून के घराना, प्रभु पर भरोसा करीं, उ उनकर सहायक आ ढाल हवे।
11 हे जे परमेश् वर से डेरात हई, प्रभु पर भरोसा करीं, उ उनकर सहायक आ ढाल हवे।
12 प्रभु हमनी के मन में रखले बाड़े, उ हमनी के आशीर्वाद दिहे। उ इस्राएल के घराना के आशीर्वाद दिहे। उ हारून के घर के आशीर्वाद दिहे।
13 उ छोट-बड़ जे लोग प्रभु से डेरेला, ओकरा के आशीर्वाद दिहे।
14 प्रभु तोहनी के अउरी तोहरा लइकन के अउरी बढ़ा दिहे।
15 तोहिन परमेस् वर के आशीष बा, जे आकाश आ धरती बनवले बाड़न।
16 आकाश, आकाश, प्रभु के ह, लेकिन धरती उ आदमी के संतान के देले बाड़े।
17 मरल लोग प्रभु के स्तुति ना करेला आ ना केहू चुप होके उतरल।
18 लेकिन हमनी के अब से आ हमेशा खातिर प्रभु के आशीष करब। प्रभु के स्तुति करीं।

अध्याय 116 के बा

1 हम यहोवा से प्यार करेनी, काहेकि उ हमार आवाज आ हमार निहोरा सुनले बाड़े।
2 काहे कि उ हमरा ओर आपन कान झुका लेले बाड़े, एहसे हम जब तक जिंदा रहब तब तक उनुका के पुकारब।
3 मौत के दुख हमरा के घेरले रहे आ नरक के पीड़ा हमरा के पकड़ लेले रहे, हमरा परेशानी आ दुख मिलल।
4 तब हम यहोवा के नाम पुकारनी। हे प्रभु, हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि हमरा प्राण के बचाईं।
5 प्रभु कृपालु आ धर्मी हउवें। हँ, हमनी के भगवान दयालु हवें।
6 परमेस् वर साधारण लोग के बचावेले, हमरा के नीचा करावल गईल, उ हमार मदद कईले।
7 हे हमार प्राणी, अपना आराम में लवट आ जा। काहेकि यहोवा तोहरा साथे बहुते काम कइले बाड़न।
8 काहेकि तू हमरा प्राण के मौत से, आँख के लोर से, आ गोड़ के गिरला से बचा देले बाड़।
9 हम जिंदा लोग के देश में यहोवा के सामने चलब।
10 हम विश्वास कईनी, एही से हम बोलनी, हम बहुत दुखी हो गईनी।
11 हम जल्दबाजी में कहनी कि सब लोग झूठा हवे।
12 हम यहोवा के का देब, जवन कि हमरा से मिलल सब फायदा के बदला में?
13 हम उद्धार के प्याला लेके प्रभु के नाम पुकारब।
14 हम अब प्रभु के प्रति आपन व्रत पूरा करब, उनकर सब लोग के सामने।
15 प्रभु के नजर में उनकर पवित्र लोग के मौत अनमोल बा।
16 हे प्रभु, हम तोहार सेवक हईं। हम तोहार नौकर हईं आ तोहार दासी के बेटा हईं, तू हमार बंधन खोल देले बाड़ऽ।
17 हम तोहरा के धन्यवाद के बलि चढ़ावब आ प्रभु के नाम पुकारब।
18 हम अब प्रभु के प्रति आपन व्रत पूरा करब, उनकर सब लोग के सामने।
19 हे यरूशलेम, प्रभु के घर के आँगन में, तोहरा बीच में। प्रभु के स्तुति करीं।

अध्याय 117 के बा

1 हे सब राष्ट्र, प्रभु के स्तुति करीं, हे सब लोग उनकर स्तुति करीं।
2 काहेकि उनकर दयालु दया हमनी पर बहुत बा आ प्रभु के सच्चाई हमेशा खातिर बनल रहेला। प्रभु के स्तुति करीं।

अध्याय 118 के बा

1 हे प्रभु के धन्यवाद दीं। काहे कि ऊ भलाई ह, काहे कि ओकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
2 इस्राएल अब कहे कि ओकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
3 हारून के घराना अब कहे कि उनकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
4 अब प्रभु से डेराए वाला लोग कहे कि उनकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
5 हम दुखी होके यहोवा के पुकार कइनी, यहोवा हमरा के जवाब दिहलन आ हमरा के एगो बड़हन जगह पर बइठा दिहलन।

6 प्रभु हमरा पक्ष में बाड़े। हम डेराएब ना, आदमी हमरा के का कर सकेला?
7 हमरा मदद करे वाला लोग के साथे यहोवा हमार हिस्सा लेवेलन, एही से हम हमरा से नफरत करे वाला लोग पर आपन इच्छा देखब।
8 आदमी पर भरोसा करे से बेहतर बा कि प्रभु पर भरोसा कइल जाव।
9 राजकुमारन पर भरोसा करे से बेहतर बा कि प्रभु पर भरोसा कइल जाव।
10 सब राष्ट्र हमरा के घेरले रहे, लेकिन हम प्रभु के नाम से ओ लोग के नाश करब।
11 उ लोग हमरा के चारों ओर घेरले। हँ, उ लोग हमरा के घेरले रहले, लेकिन हम प्रभु के नाम से ओ लोग के नष्ट क देब।
12 उ लोग हमरा के मधुमक्खी निहन घेरले। उ लोग काँट के आग निहन बुझ गईल बाड़े, काहेकि हम प्रभु के नाम से ओ लोग के नष्ट क देब।
13 तू हमरा पर चोट लगवले बाड़ू कि हम गिर सकीले, लेकिन प्रभु हमार मदद कईले।
14 प्रभु हमार ताकत आ गीत हवे आ हमार उद्धार बन गइल बाड़न।
15 धर्मी लोग के तम्बू में खुशी आ उद्धार के आवाज बा, प्रभु के दाहिना हाथ वीरता से काम करेला।
16 यहोवा के दाहिना हाथ ऊँच हो जाला, प्रभु के दाहिना हाथ वीरता से काम करेला।
17 हम ना मरब, बलुक जिंदा रहब आ प्रभु के काम के बारे में बताइब।
18 परमेस् वर हमरा के बहुते सजा देले बाड़न, लेकिन उ हमरा के मौत के हवाले नइखन देले।
19 हमरा खातिर धार्मिकता के फाटक खोलीं, हम ओह में जाके प्रभु के स्तुति करब।
20 यहोवा के ई फाटक, जवना में धर्मी लोग प्रवेश करी।
21 हम तोहार स्तुति करब, काहेकि तू हमार बात सुनले बाड़ू आ हमार उद्धार बन गईल बाड़ू।
22 जवना पत्थर के बिल्डर लोग मना क दिहल, उ कोना के सिर के पत्थर बन गईल।
23 इहे प्रभु के काम ह। हमनी के नजर में ई अद्भुत बा।
24 इहे उ दिन ह जवन प्रभु बनवले बाड़े। हमनी के एकरा में खुश होखब जा आ खुश होखब जा।
25 हे प्रभु, हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि अब बचाव, हे प्रभु, हम निहोरा करत बानी कि अब समृद्धि भेजऽ।
26 प्रभु के नाम से आवे वाला के धन्य होखे, हम तोहके प्रभु के घर से आशीष देले बानी।
27 परमेश्वर यहोवा हउवें जे हमनी के रोशनी देले बाड़न, बलिदान के वेदी के सींग तक डोरी से बान्ह के रखीं।
28 तू हमार भगवान हउअ आ हम तोहार स्तुति करब, तू हमार भगवान हउअ, हम तोहरा के ऊंचाई देब।
29 हे प्रभु के धन्यवाद दीं। काहे कि ऊ भलाई ह, काहे कि ओकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।

अध्याय 119 के बा

1 अलेफ के बा। धन्य बा कि रास्ता में अशुद्ध लोग, जे प्रभु के व्यवस्था में चलेला।
2 धन्य हवें उ लोग जे उनकर गवाही के पालन करेला आ पूरा मन से उनकर खोज करेला।
3 उ लोग भी कवनो अधर्म ना करेला, उ लोग उनकर रास्ता पर चलेला।
4 तू हमनी के आपन आज्ञा के पूरा मन से पालन करे के आज्ञा देले बाड़ू।
5 काश तोहार नियम के पालन करे खातिर हमार रास्ता तय होखे!
6 तब हम लाज ना करब, जब हम तोहार सब आज्ञा के आदर करब।
7 जब हम तोहार धार्मिक न्याय के सीख लेब त हम तोहार सोझ मन से स्तुति करब।
8 हम तोहार नियम के पालन करब, हे हमरा के पूरा तरह से मत छोड़।
9 बेथ के बा। नवही कवना से आपन रास्ता साफ करी? तोहरा वचन के अनुसार एकर ध्यान रख के।
10 हम अपना पूरा मन से तोहरा के खोजले बानी, हे हमरा के तोहार आज्ञा से भटक ना जाए दीं।
11 हम तोहार वचन अपना मन में छिपा के रखले बानी ताकि हम तोहरा खिलाफ पाप ना कर सकी।
12 हे प्रभु, तू धन्य हउअ, हमरा के आपन नियम सिखाव।
13 हम अपना होठ से तोहरा मुँह के सब फैसला सुनवले बानी।
14 हम तोहार गवाही के रास्ता में ओतने खुश बानी जतना कि सब धन में।
15 हम तोहार आज्ञा के मनन करब आ तोहार रास्ता के आदर करब।
16 हम तोहार नियम में खुश रहब, तोहार वचन के ना भुलाएब।
17 गिमेल के बा। अपना सेवक के साथे भरपूर व्यवहार करऽ ताकि हम जिंदा रह सकीले आ तोहार वचन के पालन कर सकीले।
18 तू हमार आँख खोलऽ ताकि हम तोहरा व्यवस्था से अद्भुत बात देख सकीले।
19 हम धरती पर परदेसी हईं, आपन आज्ञा हमरा से मत छिपाईं।
20 हमार प्राण हर समय तोहरा न्याय के लालसा से टूट जाला।
21 तू ओह घमंडी लोग के डांटले बाड़ू जे शापित बा, जे तोहार आज्ञा से भटकत बा।
22 हमरा से निंदा आ तिरस्कार दूर करऽ। काहे कि हम तोहार गवाही के पालन कइले बानी।
23 राजकुमार भी बईठ के हमरा खिलाफ बोलत रहले, लेकिन तोहार सेवक तोहार नियम के मनन करत रहले।
24 तोहार गवाही भी हमार आनन्द आ सलाहकार ह।
25 डेलेथ के बा। हमार प्राण धूरा से चिपकल बा, तू हमरा के अपना वचन के अनुसार जिंदा करऽ।
26 हम आपन रास्ता बता देले बानी आ तू हमार बात सुनले बाड़ऽ, हमरा के आपन नियम सिखावऽ।
27 हमरा के तोहार आज्ञा के रास्ता समझवा, हम तोहार अचरज के काम के बात करब।
28 हमार प्राण भारीपन खातिर पिघल जाला, तू हमरा के अपना वचन के अनुसार मजबूत करऽ।
29 हमरा से झूठ बोले के रास्ता हटा द, आ कृपा से आपन व्यवस्था हमरा के दे दीं।
30 हम सच्चाई के रास्ता चुनले बानी, तोहार न्याय के हम अपना सोझा रखले बानी।

31 हम तोहार गवाही पर अड़ल बानी, हे प्रभु, हमरा के शर्मिंदा मत करऽ।
32 हम तोहार आज्ञा के रास्ता पर दौड़ब, जब तू हमार दिल के बड़ करबऽ।
33 हे के बा। हे प्रभु, हमरा के आपन नियम के रास्ता सिखाईं। आ हम एकरा के अंत तक रखब।
34 हमरा के समझ दीं आ हम तोहार व्यवस्था के पालन करब। हँ, हम पूरा मन से एकर पालन करब।
35 हमरा के अपना आज्ञा के राह पर चले के मजबूर करऽ। काहे कि हम ओहि में खुश बानी।
36 हमार मन तोहार गवाही के ओर झुकाव, लोभ के ओर ना।
37 आडंबर के देखे से हमार आँख हटा द। आ हमरा के अपना राह में जिंदा करऽ।
38 अपना सेवक के सामने आपन वचन के स्थिर कर, जवन तोहरा डर में समर्पित बा।
39 हमरा जवना निंदा से हम डेरात बानी, ओकरा के मोड़ द, काहेकि तोहार फैसला बढ़िया बा।
40 देखऽ, हम तोहार आज्ञा के लालसा करत बानी, हमरा के अपना धार्मिकता में जिंदा करऽ।
41 वीएयू के बा। हे प्रभु, तोहार दया भी तोहार वचन के अनुसार तोहार उद्धार हमरा पर आवे।
42 हमरा के निंदा करे वाला के जवाब देवे के तरीका हमरा लगे होई, काहेकि हम तोहरा वचन प भरोसा करतानी।
43 आ हमरा मुँह से सच्चाई के वचन के पूरा तरह से मत निकालीं। काहेकि हम तोहरा न्याय पर आशा रखले बानी।
44 हम तोहार व्यवस्था के हमेशा हमेशा खातिर पालन करब।
45 हम आजादी से चलब, काहेकि हम तोहार आज्ञा के खोजत बानी।
46 हम राजा लोग के सामने भी तोहार गवाही के बात करब आ लाज ना करब।
47 हम तोहार आज्ञा में खुश रहब, जवना से हम प्यार कईले बानी।
48 हम आपन हाथ भी तोहार आज्ञा के ऊपर उठाइब, जवना से हम प्यार कइले बानी। आ हम तोहार नियमन में मनन करब।
49 ज़ैन के बा। अपना सेवक के उ वचन याद कर, जवना पर तू हमरा के आशा देले बाड़।
50 हमरा दुख में हमार दिलासा इहे ह, काहेकि तोहार वचन हमरा के जिंदा कर देले बा।
51 घमंडी लोग हमरा के बहुत मजाक उड़ावत बा, लेकिन हम तोहार व्यवस्था से पीछे नईखी हटत।
52 हे प्रभु, हम तोहार पुरान फैसला के याद कइनी। आ अपना के दिलासा देले बानी।
53 तोहार नियम के त्याग करे वाला दुष्टन के चलते हमरा पर भयावहता पैदा हो गईल बा।
54 तोहार विधान हमरा तीर्थ के घर में हमार गीत रहल बा।
55 हे प्रभु, हम रात में तोहार नाम के याद कईले बानी अवुरी तोहार नियम के पालन कईले बानी।
56 ई हमरा लगे रहे काहे कि हम तोहार आज्ञा के पालन करत रहनी।
57 चेठ के बा। हे प्रभु, तू हमार हिस्सा हउअ, हम कहले बानी कि हम तोहार बात के पालन करब।
58 हम पूरा मन से तोहरा अनुग्रह के निहोरा कइनी, तोहरा वचन के अनुसार हमरा पर दया करऽ।
59 हम अपना रास्ता पर सोचनी आ तोहार गवाही के ओर आपन गोड़ घुमा देनी।
60 हम जल्दबाजी में तोहार आज्ञा के पालन करे में देरी ना कइनी।
61 दुष्टन के दल हमरा के लूट लेले बा, लेकिन हम तोहार व्यवस्था के नईखी भुलाइल।
62 आधा रात के हम तोहरा धार्मिक न्याय के चलते तोहरा के धन्यवाद देवे खातिर उठब।
63 हम तोहरा से डेराए वाला आ तोहार आज्ञा के पालन करे वाला सब के साथी हईं।
64 हे प्रभु, धरती तोहार दया से भरल बा, हमरा के आपन नियम सिखाव।
65 दस के बा। हे प्रभु, तू अपना वचन के मुताबिक अपना सेवक के संगे बढ़िया व्यवहार कईले बाड़।
66 हमरा के सद्विचार आ ज्ञान सिखाव, काहेकि हम तोहार आज्ञा पर विश्वास कइले बानी।
67 हम दुखी होखे से पहिले भटक गईल रहनी, लेकिन अब हम तोहार वचन के पालन कईले बानी।
68 तू अच्छा हउअ आ भलाई करत बाड़ऽ। हमरा के आपन नियम सिखाव।
69 घमंडी लोग हमरा खिलाफ झूठ बनवले बा, लेकिन हम तोहार आज्ञा के पूरा मन से पालन करब।
70 इनकर दिल चिकनाई निहन मोट बा। लेकिन हम तोहरा व्यवस्था में खुश बानी।
71 हमरा खातिर ई अच्छा बा कि हम दुखी हो गइल बानी। ताकि हम तोहार नियम सीख सकी।
72 तोहार मुँह के नियम हमरा खातिर हजारन सोना चांदी से बढ़िया बा।
73 जोओडी के बा। तोहार हाथ हमरा के बनवले बा आ हमरा के बनवले बा, हमरा के समझ दीं कि हम तोहार आज्ञा के सीख सकीले।
74 तोहरा से डेराए वाला हमरा के देख के खुश हो जइहें। काहे कि हम तोहरा वचन से आशा कइले बानी।
75 हे प्रभु, हम जानत बानी कि तोहार न्याय सही बा आ तू विश्वास से हमरा के दुख देले बाड़।
76 हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि तोहार दयालु दया हमरा सान्त्वना खातिर होखे, जवन तोहार सेवक से कहल वचन के अनुसार होखे।
77 तोहार कोमल दया हमरा पर आवे के चाहीं कि हम जिंदा रह सकीले, काहे कि तोहार नियम हमरा रमणीय ह।
78 घमंडी लोग के शर्म आवे के चाहीं। काहेकि उ लोग हमरा साथे बेवजह गलत व्यवहार कईले, लेकिन हम तोहार आज्ञा के मनन करब।
79 जे तोहरा से डेराला, उ हमरा ओर मुड़स, आ जे तोहार गवाही के जानत बा।
80 हमार मन तोहरा नियमन में स्थिर रहे। कि हमरा लाज ना होखे।
81 कैपीएच के बा। हमार प्राण तोहरा उद्धार खातिर बेहोश हो गइल बा, बाकिर हम तोहरा वचन पर आशा करत बानी।
82 हमार आँख तोहरा वचन से बेशर्म हो जाला आ कहत बा कि तू हमरा के कब दिलासा देबऽ?
83 काहे कि हम धुँआ में बोतल नियर हो गइल बानी। तबो हम तोहार नियम के ना भुलात बानी।

84 तोहार सेवक के दिन केतना बा? हमरा के सतावे वाला लोग पर तू कब न्याय करबऽ?
85 घमंडी लोग हमरा खातिर गड्ढा खोदले बा, जवन तोहार नियम के मुताबिक नईखे।
86 तोहार सब आज्ञा वफादार बा, उ हमरा के गलत तरीका से सतावेला। तू हमार मदद करऽ।
87 ऊ लोग हमरा के धरती पर लगभग खतम कर दिहले रहे। लेकिन हम तोहार आज्ञा के ना छोड़नी।
88 अपना दया के बाद हमरा के जिंदा करऽ। ओइसहीं हम तोहार मुँह के गवाही के पालन करब।
89 लंगड़ा के बा। हे प्रभु, हमेशा खातिर तोहार वचन स्वर्ग में स्थिर बा।
90 तोहार वफादारी हर पीढ़ी तक बा, तू धरती के स्थापित कइले बाड़ऽ आ ऊ बनल बा।
91 उ लोग आज भी तोहार नियम के अनुसार चलत बाड़े, काहेकि सब लोग तोहार सेवक हवे।
92 जबले तोहार नियम हमरा मन में ना आवे, तब तक हम अपना दुख में नाश हो जाईत।
93 हम तोहार उपदेश के कबो ना भुलाएब, काहे कि ओकरा से तू हमरा के जिंदा कर देले बाड़ू।
94 हम तोहार हईं, हमरा के बेचाईं; काहे कि हम तोहार उपदेश खोजले बानी।
95 दुष्ट लोग हमरा के नाश करे के इंतजार करत बा, लेकिन हम तोहार गवाही प विचार करब।
96 हम सब सिद्धता के अंत देखले बानी, लेकिन तोहार आज्ञा बहुत व्यापक बा।
97 एमईएम के बा। हे हम तोहार नियम से केतना प्यार करेनी! दिन भर हमार ध्यान रहेला।
98 तू अपना आज्ञा से हमरा के अपना दुश्मनन से भी बुद्धिमान बनवले बाड़ू, काहेकि उ लोग हमेशा हमरा साथे रहेला।
99 हमरा सब गुरु लोग से भी जादा समझ बा, काहेकि तोहार गवाही हमार मनन ह।
100 हम पुरनका लोग से बेसी समझत बानी, काहे कि हम तोहार आज्ञा के पालन करत बानी।
101 हम आपन गोड़ हर बुरा रास्ता से परहेज कइले बानी, ताकि हम तोहार बात के पालन कर सकीले।
102 हम तोहार न्याय से ना हटले बानी, काहेकि तू हमरा के सिखवले बाड़ू।
103 तोहार बात हमरा स्वाद खातिर केतना मीठ बा! हँ, हमरा मुँह में शहद से भी मीठ!
104 तोहार उपदेश से हम समझ पावेनी, एही से हम हर झूठ रास्ता से नफरत करेनी।
105 एनयूएन के बा। तोहार वचन हमरा गोड़ खातिर दीया ह आ हमरा रास्ता खातिर रोशनी ह।
106 हम किरिया खइले बानी आ हम ओकरा के पूरा करब कि हम तोहार धार्मिक न्याय के पालन करब।
107 हम बहुते दुखी बानी, हे प्रभु, हमरा के अपना वचन के अनुसार जिंदा करऽ।
108 हे प्रभु, हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि हमरा मुँह के स्वेच्छा से चढ़ावल चढ़ावल स्वीकार करऽ आ हमरा के आपन न्याय सिखावऽ.
109 हमार प्राण हमेशा हमरा हाथ में बा, तबो हम तोहार व्यवस्था के ना भूलत बानी।
110 दुष्ट लोग हमरा खातिर जाल डाल दिहले बा, तबो हम तोहार आज्ञा से ना भटकनी।
111 तोहार गवाही के हम हमेशा खातिर धरोहर बना लेले बानी, काहे कि उ हमरा दिल के आनन्द देवे वाला ह।
112 हम आपन मन के अंत तक हमेशा तोहार नियम के पालन करे खातिर झुका देले बानी।
113 समेच के बा। हम व्यर्थ विचार से नफरत करेनी, लेकिन हम तोहार व्यवस्था से प्यार करेनी।
114 तू हमार लुकाइल आ हमार ढाल हउअ, हम तोहरा वचन पर आशा करत बानी।
115 हे दुष्ट लोग हमरा से दूर हो जा, काहे कि हम अपना भगवान के आज्ञा के पालन करब।
116 हमरा के अपना वचन के अनुसार सहारा द, ताकि हम जिंदा रह सकी।
117 तू हमरा के पकड़ के रखऽ, त हम सुरक्षित रहब, त हम तोहार नियम के लगातार आदर करब।
118 तू अपना नियम से भटकल सब लोग के रौंद देले बाड़ू, काहेकि उनुकर धोखा झूठ ह।
119 तू धरती के सब दुष्टन के कचरा नियर दूर कर देत बाड़ऽ, एही से हम तोहार गवाही से प्यार करेनी।
120 तोहरा डर से हमार शरीर काँपत बा। आ हम तोहार फैसला से डेरात बानी।
121 एआईएन के बा। हम न्याय आ न्याय कइले बानी, हमरा के अपना अत्याचारी लोग पर मत छोड़ऽ।
122 अपना सेवक के भलाई खातिर जमानत करऽ, घमंडी हमरा पर अत्याचार मत करे।
123 तोहार उद्धार खातिर आ तोहार धार्मिकता के वचन खातिर हमार आँख बेशर्म हो जाला।
124 अपना दया के हिसाब से अपना सेवक के साथे व्यवहार करऽ आ हमरा के आपन नियम सिखावऽ।
125 हम तोहार सेवक हईं। हमरा के समझ दीं ताकि हम तोहार गवाही के जान सकीले।
126 हे प्रभु, तोहरा काम करे के समय आ गइल बा, काहे कि ऊ लोग तोहार नियम के शून्य कर दिहले बा।
127 एही से हम सोना से बेसी तोहार आज्ञा से प्यार करेनी। हँ, महीन सोना के ऊपर।
128 एही से हम तोहार सब कुछ के बारे में सब नियम के सही मानत बानी। आ हमरा हर झूठा तरीका से नफरत बा।
129 पीई के बा। तोहार गवाही अद्भुत बा, एही से हमार प्राण ओकर पालन करेला।
130 तोहार बात के प्रवेश से रोशनी मिलेला। ई साधारण लोग के समझ देला।
131 हम आपन मुँह खोलनी आ हांफत रहनी, काहे कि हम तोहार आज्ञा खातिर तरसत रहनी।
132 तू हमरा के देखऽ आ हमरा पर दया करऽ, जइसे तू अपना नाम से प्रेम करे वाला लोग पर करत रहलू।
133 हमरा कदम के अपना वचन में व्यवस्थित करीं, आ हमरा पर कवनो अधर्म के प्रभुत्व मत होखे।
134 हमरा के आदमी के अत्याचार से बचाव, हम तोहार आज्ञा के पालन करब।
135 अपना सेवक पर आपन चेहरा चमकावऽ। आ हमरा के आपन नियम सिखावऽ।

136 पानी के नदी हमरा आँख से बहत बा, काहे कि उ लोग तोहार नियम के पालन ना करेला।
137 त्जाड्डी के बा। हे प्रभु, तू धर्मी हउअ आ तोहार न्याय सोझ बा।
138 तोहार गवाही जवन तू आज्ञा देले बाड़ू, उ धर्मी आ बहुत वफादार बा।
139 हमार जोश हमरा के खतम कर दिहले बा, काहे कि हमार दुश्मन तोहार बात भुला गइल बाड़े।
140 तोहार वचन बहुत शुद्ध बा, एही से तोहार सेवक ओकरा से प्यार करेला।
141 हम छोट आ तिरस्कृत बानी, तबो हम तोहार उपदेश मत भुलाएब।
142 तोहार धार्मिकता अनन्त धर्म ह, आ तोहार व्यवस्था सच्चाई ह।
143 हमरा पर परेशानी आ पीड़ा पकड़ लेले बा, तबो तोहार आज्ञा हमरा मन से खुश बा।
144 तोहार गवाही के धार्मिकता अनन्त बा, हमरा के समझ दीं, त हम जिंदा रहब।
145 केओपीएच के बा। हम मन से रोवत रहनी; हे प्रभु, हमार बात सुन, हम तोहार नियम के पालन करब।
146 हम तोहरा से पुकारत रहनी। हमरा के बचाव, हम तोहार गवाही के पालन करब।
147 हम सबेरे के भोर रोक के चिल्ला के कहनी कि हम तोहरा वचन पर आशा कइले रहनी।
148 हमार आँख रात के प्रहर के रोकत बा, ताकि हम तोहरा वचन के मनन कर सकीले।
149 अपना दया के हिसाब से हमार आवाज सुनऽ, हे प्रभु, हमरा के अपना न्याय के हिसाब से जिंदा करऽ।
150 ऊ लोग बदमाशी के पीछे चले वाला लोग के नजदीक आ जाला, ऊ लोग तोहार नियम से दूर बा।
151 हे प्रभु, तू नजदीक बाड़ऽ। आ तोहार सब आज्ञा सच्चाई ह।
152 तोहार गवाही के बारे में हम पहिले से जानत बानी कि तू ओकरा के हमेशा खातिर नींव रखले बाड़ू।
153 रेश के बा। हमरा दुख पर विचार करऽ आ हमरा के बचाऽ, काहे कि हम तोहार व्यवस्था के ना भुलात बानी।
154 हमार बात के गुहार लगाईं आ हमरा के बचाईं, हमरा के अपना वचन के अनुसार जिंदा करऽ।
155 दुष्टन से उद्धार बहुत दूर बा, काहे कि ऊ लोग तोहार नियम के खोज नइखे करत।
156 हे प्रभु, तोहार कोमल दया बड़ बा, हमरा के अपना न्याय के अनुसार जिंदा करऽ।
157 हमार सतावे वाला आ दुश्मन बहुत लोग बा। तबो हम तोहार गवाही से ना हटत बानी।
158 हम अपराधी लोग के देखनी आ दुखी हो गईनी। काहे कि उ लोग तोहार वचन के पालन ना कईले।
159 सोचऽ कि हम तोहार उपदेश से कइसे प्रेम करेनी, हे प्रभु, हमरा के अपना दया के अनुसार जिंदा करऽ।
160 तोहार वचन शुरू से सही बा, आ तोहार हर एक धार्मिक न्याय हमेशा खातिर बनल रहेला।
161 शिन के बा। राजकुमार लोग हमरा के बेवजह सतावले बा, लेकिन हमार मन तोहरा वचन के देख के डर से खड़ा बा।
162 हम तोहरा वचन पर खुश बानी, जइसे कि केहू के बहुत लूट मिल जाला।
163 हम झूठ से नफरत करेनी आ घृणा करेनी, लेकिन तोहार नियम से हम प्यार करेनी।
164 हम तोहार धर्म न्याय के चलते दिन में सात बेर तोहार स्तुति करेनी।
165 तोहार नियम से प्रेम करे वाला लोग के बहुत शांति बा, आ ओकरा के कुछुओ ठेस ना पहुंचाई।
166 प्रभु, हम तोहार उद्धार के आशा कइले बानी आ तोहार आज्ञा के पालन कइले बानी।
167 हमार आत्मा तोहार गवाही के पालन कइले बा। आ हम ओह लोग से बहुते प्यार करेनी.
168 हम तोहार उपदेश आ गवाही के पालन कइले बानी काहे कि हमार सब रास्ता तोहरा सोझा बा।
169 टीएयू के बा। हे प्रभु, हमार पुकार तोहरा सोझा आवऽ, हमरा के तोहरा वचन के अनुसार समझ दीं।
170 हमार निहोरा तोहरा सोझा आवे के चाहीं, हमरा के तोहरा वचन के अनुसार बचा द।
171 जब तू हमरा के आपन नियम सिखइब त हमार होठ स्तुति करी।
172 हमार जीभ तोहार वचन के बात करी काहे कि तोहार सब आज्ञा धर्म ह।
173 तोहार हाथ हमरा के मदद करे। काहे कि हम तोहार उपदेश चुनले बानी।
174 हे प्रभु, तोहरा उद्धार खातिर हम तड़पत बानी। आ तोहार नियम हमरा रमणीय ह।
175 हमार जान जिंदा होखे दीं, त ऊ तोहार स्तुति करी। आ तोहार फैसला हमरा के मदद करे।
176 हम भुलाइल भेड़ नियर भटक गइल बानी; आपन सेवक के खोज लीं। काहे कि हम तोहार आज्ञा के ना भुलात बानी।

अध्याय 120 के बा

1 (एक गीत।) हम अपना संकट में प्रभु से पुकारनी, त उ हमार बात सुनले।
2 हे प्रभु, हमरा आत्मा के झूठा होठ से आ धोखा देवे वाला जीभ से बचा द।
3 तोहरा के का दिहल जाई? हे झूठा जीभ, तोहरा साथे का कइल जाई?
4 पराक्रमी लोग के तेज तीर, जुनिपर के कोयला के साथ।
5 धिक्कार बा कि हम मेसेक में प्रवास करत बानी आ केदार के डेरा में रहत बानी!
6 शांति से नफरत करे वाला के साथे हमार प्राण बहुत दिन से रहेला।
7 हम शांति खातिर बानी, लेकिन जब हम बोलत बानी त उ लोग युद्ध खातिर बाड़े।

अध्याय 121 के बा

1 (डिग्री के गीत।) हम आपन आँख पहाड़ी पर उठाइब, जहाँ से हमार मदद आवेला।
2 हमार सहायता यहोवा से मिलेला, जे आकाश आ धरती के बनवले बाड़न।
3 ऊ तोहार गोड़ ना हिलावे दिही, तोहरा के रखे वाला नींद ना आई।

4 देख, जे इस्राएल के रखेला, उ ना नींद पाई, ना नींद।
5 यहोवा तोहार रखवाला हवें, तोहरा दाहिना हाथ पर तोहार छाया हवें।
6 दिन में सूरज तोहरा के ना मारी, ना रात में चाँद।
7 यहोवा तोहरा के सब बुराई से बचाई, तोहार प्राण के बचाई।
8 परमेस् वर तोहार निकले आ भीतर आवे के अब से आ हमेशा खातिर सुरक्षित रखिहें।

अध्याय 122 के बा

1 (दाऊद के एगो गीत।) जब उ लोग हमरा से कहलस कि हमनी के प्रभु के घर में जाइब त हम खुश हो गईनी।
2 हे यरूशलेम, तोहरा फाटक के भीतर हमनी के गोड़ खड़ा हो जाई।
3 यरूशलेम एगो शहर के रूप में बनल बा जवन एक संगे संकुचित बा।
4 जहाँ यहोवा के गोत्र, यहोवा के गोत्र, इस्राएल के गवाही खातिर चढ़ेले, यहोवा के नाम के धन्यवाद देवे खातिर।
5 काहेकि न्याय के सिंहासन, दाऊद के घराना के सिंहासन बा।
6 यरूशलेम के शांति खातिर प्रार्थना करीं, जे तोहरा से प्रेम करेला, उ लोग फलित होईहे।
7 तोहरा देवालन के भीतर शांति होखे आ तोहरा महल के भीतर समृद्धि होखे।
8 हम अपना भाई आ साथी लोग खातिर अब कहब कि तोहरा भीतर शांति होखे।
9 हमनी के परमेश्वर यहोवा के घर के चलते हम तोहार भलाई के खोज करब।

अध्याय 123 के बा

1 (डिग्री के गीत।) हे आकाश में रहे वाला, हम आपन आँख तोहरा ओर उठावत बानी।
2 देखऽ, जइसे नौकरन के आँख अपना मालिकन के हाथ के ओर देखेले आ जइसे कवनो लइकी के आँख अपना मालिक के हाथ के ओर देखेले। त हमनी के नजर हमनी के परमेश्वर यहोवा के इंतजार करत रहेला जब तक कि उ हमनी प दया ना करस।
3 हे प्रभु, हमनी पर दया कर, हमनी पर दया कर, काहे कि हमनी के बहुते तिरस्कार से भरल बानी जा।
4 हमनी के आत्मा आराम से रहे वाला लोग के तिरस्कार से आ घमंडी लोग के तिरस्कार से बहुत भरल बा।

अध्याय 124 के बा

1 (दाऊद के एगो गीत।) अगर हमनी के पक्ष में यहोवा ना रहित त अब इस्राएल कहत कि;
2 अगर हमनी के पक्ष में प्रभु ना रहित त जब आदमी हमनी के खिलाफ उठल रहित।
3 तब उ लोग हमनी के जल्दी से निगल गईल रहले, जब हमनी के खिलाफ उनुकर क्रोध भड़कल रहे।
4 तब पानी हमनी के भारी पड़ गईल रहे, हमनी के आत्मा के ऊपर से धार चल गईल रहे।
5 तब घमंडी पानी हमनी के आत्मा के ऊपर चल गईल रहे।
6 प्रभु के धन्य होखे, जे हमनी के ओह लोग के दाँत के शिकार ना बनवले।
7 हमनी के प्राणी चिरई निहन बच गईल बा, जवन कि चिरई के जाल से निकल गईल बा, जाल टूट गईल बा अवुरी हमनी के बच गईल बानी।
8 हमनी के मदद प्रभु के नाम से बा, जे आकाश आ धरती के बनवले।

अध्याय 125 के बा

1 (एक गीत।) जे लोग प्रभु पर भरोसा करेला, उ लोग सिय्योन पहाड़ निहन होई, जवन दूर नईखे हो सकत, लेकिन हमेशा खाती रहेला।
2 जइसे यरूशलेम के चारो ओर पहाड़ बा, ओइसहीं प्रभु अपना लोग के चारो ओर अब से हमेशा खातिर चारो ओर बाड़े।
3 काहे कि दुष्ट के लाठी धर्मी के भाग्य पर ना टिकी। कहीं धर्मी लोग अधर्म के ओर हाथ ना बढ़ा देवे।
4 हे यहोवा, जे अच्छा बा आ जे मन में सोझ बा ओकरा खातिर भलाई करऽ।
5 जे लोग अपना टेढ़ रास्ता पर मुड़ जाई, त परमेश् वर ओह लोग के अधर्म के काम करे वाला लोग के साथे ले जइहें, लेकिन इस्राएल पर शांति होई।

अध्याय 126 के बा

1 (डिग्री के गीत।) जब प्रभु सिय्योन के बंदी के फेर से मोड़ दिहलन त हमनी के सपना देखे वाला लोग निहन रहनी जा।
2 तब हमनी के मुँह हँसी से भरल आ जीभ गाना से भरल रहे, तब उ लोग गैर-यहूदी लोग के बीच से कहलस कि, "परमेशवर ओह लोग खातिर बहुत बड़ काम कइले बाड़न।"
3 प्रभु हमनी खातिर बहुत बड़ काम कइले बाड़न। जवना से हमनी के खुश बानी जा।
4 हे प्रभु, हमनी के कैद के फेर से दक्खिन के धार निहन मोड़ द।
5 लोर के बोवे वाला लोग खुशी से कटाई करी।
6 जे अनमोल बीज लेके निकल के रोवेला, उ निस्संदेह खुशी से आपन गुच्छा लेके वापस आ जाई।

अध्याय 127 के बा

1 (सुलेमान खातिर एगो गीत।) जब तक प्रभु घर ना बनाई, तब तक ओकरा के बनावे वाला लोग बेकार में मेहनत करीहे, जब तक प्रभु शहर के ना रखले, तब तक चौकीदार बेकार में जाग जाई।
2 तोहनी खातिर भोरे उठल, देर से उठल आ दुख के रोटी खाइल बेकार बा, काहेकि उ अपना प्रियजन के नींद देवेला।
3 देखऽ, लइका-लइकी प्रभु के धरोहर हवें आ गर्भ के फल उनकर इनाम ह।
4 जइसे कवनो पराक्रमी के हाथ में तीर होला। त जवानी के लइका-लइकी भी बाड़े।
5 धन्य बा ऊ आदमी जेकरा के कुंडली भरल बा, ऊ शर्म ना करीहें, बलुक दुआर पर दुश्मनन से बात करीहें।

अध्याय 128 के बा

1 (डिग्री के गीत।) धन्य बा जे भी प्रभु से डेराला। जे अपना राह पर चलेला।
2 काहे कि तू अपना हाथ के मेहनत खाएब, तू खुश रहबऽ आ तोहार भलाई होखबऽ।
3 तोहार मेहरारू तोहरा घर के बगल में फलदार बेल निहन होई, तोहार बच्चा तोहरा मेज के चारो ओर जैतून के पौधा निहन होई।
4 देखऽ कि प्रभु से डेराए वाला आदमी के एही तरह से आशीष मिल जाई।
5 यहोवा तोहरा के सिय्योन से आशीष दिहे, आ तोहरा जिनिगी भर यरूशलेम के भलाई देखब।
6 हँ, तू अपना लइकन के लइकन के देखब आ इस्राएल पर शांति होखब।

अध्याय 129 के बा

1 (डिग्री के गीत।) हमरा जवानी से बहुत बेर उ लोग हमरा के दुख देले बाड़े, इस्राएल अब कहे।
2 उ लोग हमरा के जवानी से बहुत बेर दुख देले बाड़े, लेकिन उ लोग हमरा से जीत ना पवले।
3 हल करे वाला लोग हमरा पीठ पर जोतत रहे, आपन खाई लमहर बनावत रहे।
4 प्रभु धर्मी हवें, ऊ दुष्टन के डोरी के काट दिहले बाड़न।
5 सिय्योन से नफरत करे वाला सब लोग के घबराहट होखे आ पीछे मुड़ जाए।
6 घर के चोटी पर घास जइसन होखे के चाहीं जवन बढ़ला से पहिले मुरझा जाला।
7 जवना से घास काटने वाला आपन हाथ ना भरेला। ना ही जे बान्हेला ओकर छाती के गुच्छा।
8 आ ओहिजा से गुजरे वाला लोग ना कहेला कि, 'परमेशवर के आशीर्वाद तोहनी पर होखे।'

अध्याय 130 के बा

1 (डिग्री के गीत।) हे प्रभु, हम गहराई से तोहरा से पुकारत बानी।
2 प्रभु, हमार आवाज सुन, तोहार कान हमार निहोरा के आवाज पर ध्यान देवे।
3 हे प्रभु, अगर तू अधर्म के निशान लगाईं त के खड़ा होई?
4 लेकिन तोहरा साथे माफी बा कि तोहरा से डर लागे।
5 हम प्रभु के इंतजार करत बानी, हमार प्राण इंतजार करत बा, आ उनुका वचन से आशा करत बानी।
6 हमार प्राण सबेरे के इंतजार करे वाला लोग से जादे प्रभु के इंतजार करेले।
7 इस्राएल परमेस् वर पर आशा रखे, काहेकि यहोवा के दया बा आ ओकरा साथे भरपूर मोक्ष बा।
8 उ इस्राएल के अपना सब अपराध से मुक्त कर दिही।

अध्याय 131 के बा

1 (दाऊद के एगो गीत।) प्रभु, हमार मन घमंडी नइखे, ना हमार आँख ऊँच बा, ना हम बड़का काम में, ना हमरा खातिर बहुत ऊँच काम में आपन व्यायाम करेनी।
2 हम अपना माई से दुध छुड़ावल बच्चा निहन व्यवहार कईले अवुरी शांत कईले बानी।
3 इस्राएल अब से हमेशा खातिर यहोवा पर आशा रखे।

अध्याय 132 के बा

1 डिग्री के एगो गीत। प्रभु, दाऊद आ उनकर सब दुख के याद करीं।
2 ऊ कइसे प्रभु के किरिया खइले आ याकूब के पराक्रमी परमेश्वर के प्रति प्रण कइले।
3 हम अपना घर के तम्बू में ना अइब आ ना ही अपना बिछौना पर चढ़ब।
4 हम अपना आँख के नींद ना देब, ना पलक के नींद देब।
5 जबले हम यहोवा खातिर एगो जगह ना खोजब, याकूब के पराक्रमी परमेश्वर के आवास।
6 हमनी के एफ्राता में सुनले रहनी जा, जंगल के खेत में मिलल।
7 हमनी के उनकर तम्बू में जाइब जा आ उनकर गोड़ पर पूजा करब।
8 हे प्रभु, उठ के अपना विश्राम में जा। तू, आ तोहरा ताकत के सन्दूक।
9 तोहार याजक लोग के धार्मिकता के कपड़ा पहिनावल जाव। आ तोहार संत लोग खुशी से चिल्लाए।
10 अपना सेवक दाऊद के खातिर अपना अभिषिक्त के मुँह मत मोड़ऽ।
11 यहोवा दाऊद के साँच के कसम खइले बाड़न। ऊ ओकरा से ना मुड़ पाई; तोहरा देह के फल से हम तोहरा सिंहासन पर बइठा देब।
12 अगर तोहार लइका हमार वाचा आ हमार गवाही के पालन करीहें जवन हम ओह लोग के सिखाब त ओह लोग के लइका भी तोहरा सिंहासन पर हमेशा खातिर बइठ जइहें।
13 काहे कि यहोवा सिय्योन के चुनले बाड़न। ऊ एकरा के अपना निवास खातिर चाहत कइले बा.
14 हमार हमेशा खातिर आराम इहे ह, हम इहाँ रहब। काहे कि हम एकरा के चाहत बानी।
15 हम ओकरा के भरपूर आशीर्वाद देब, ओकरा गरीब के रोटी से तृप्त करब।
16 हम ओकर याजकन के भी उद्धार के कपड़ा पहिन देब, आ ओकर पवित्र लोग खुशी से जोर से चिल्लाइहें।
17 उहाँ हम दाऊद के सींग के अंकुरित करब, हम अपना अभिषिक्त लोग खातिर एगो दीया बनवले बानी।
18 हम ओकरा दुश्मनन के लाज के कपड़ा पहिनब, लेकिन ओकर मुकुट ओकरा पर पनप जाई।

अध्याय 133 के बा

1 (दाऊद के डिग्री के गीत।) देखऽ, भाई लोग के एकजुटता में रहला केतना बढ़िया आ केतना सुखद बा!
2 ई माथा पर के कीमती मरहम जइसन बा जवन दाढ़ी पर उतरल, हारून के दाढ़ी, जवन उनकर कपड़ा के चोंच तक उतरल।
3 हरमोन के ओस नियर आ सिय्योन के पहाड़न पर उतरे वाला ओस नियर, काहेकि उहाँ परमेश् वर आशीष के आज्ञा देले रहलन, जवन कि हमेशा खातिर जीवन ह।

अध्याय 134 के बा

1 (एक गीत।) देख, हे प्रभु के सब सेवक, जे रात में प्रभु के घर में खड़ा होखब, प्रभु के आशीष करीं।
2 पवित्र स्थान में हाथ उठा के प्रभु के आशीष करीं।
3 आकाश आ धरती के बनावे वाला यहोवा तोहरा के सिय्योन से आशीष देस।

अध्याय 135 के बा

1 तू लोग प्रभु के स्तुति करीं। प्रभु के नाम के स्तुति करीं। हे प्रभु के सेवक लोग, ओकर स्तुति करीं।
2 हे जे प्रभु के घर में, हमनी के परमेश्वर के घर के आँगन में खड़ा होखब।
3 प्रभु के स्तुति करीं; काहेकि यहोवा अच्छा हवें, उनकर नाम के स्तुति गाईं। काहे कि ई सुखद होला।
4 काहेकि यहोवा याकूब के अपना खातिर चुनले बाड़न आ इस्राएल के आपन खास खजाना खातिर चुनले बाड़न।
5 हम जानत बानी कि यहोवा महान हवें आ हमनी के प्रभु सब देवता से ऊपर बाड़े।
6 प्रभु के जवन मन करे, उ स्वर्ग, धरती, समुंदर आ सब गहिराह जगहन में उहे कइलन।
7 ऊ धरती के छोर से वाष्प के चढ़ावेला। बरखा खातिर बिजली बनावेला। ऊ अपना खजाना से हवा निकालेला।
8 उ मिस्र के जेठ बच्चा के मार दिहलस, जवन कि आदमी अवुरी जानवर दुनो के रहे।
9 हे मिस्र, तोहरा बीच में फिरौन आ ओकर सब नौकरन पर चमत्कार भेजले।
10 ऊ बड़का राष्ट्रन के मार दिहलस आ पराक्रमी राजा लोग के मार दिहलस।
11 अमोरी लोग के राजा सीहोन, बाशान के राजा ओग आ कनान के सब राज्य।
12 आऊ आपन लोग के इस्राएल के धरोहर के रूप में आपन जमीन दे दिहलन।
13 हे प्रभु, तोहार नाम हमेशा खातिर बनल रहेला। आ हे प्रभु, हर पीढ़ी तक तोहार स्मारक।
14 काहेकि यहोवा अपना लोग के न्याय करीहे आ उ अपना सेवकन के बारे में पश्चाताप करीहे।
15 गैर-यहूदी लोग के मूर्ति चांदी आ सोना ह, जवन आदमी के हाथ के काम ह।
16 उ लोग के मुँह बा, लेकिन उ लोग नईखन बोलत। आँख बा, बाकिर ऊ नइखे देखत;
17 ओह लोग के कान बा, बाकिर सुनत नइखे। ना ही ओह लोग के मुँह में कवनो साँस बा।
18 जे ओकरा के बनावेला ऊ ओह लोग के जइसन होला, हर केहू ओह लोग पर भरोसा करेला।
19 हे इस्राएल के घराना, प्रभु के आशीष करीं, हे हारून के घराना, यहोवा के आशीष करीं।
20 हे लेवी के घराना, यहोवा के आशीष करीं, जे लोग यहोवा से डेरात बा, प्रभु के आशीष करीं।
21 यरूशलेम में रहे वाला सिय्योन से निकल के यहोवा के धन्यवाद होखे। प्रभु के स्तुति करीं।

अध्याय 136 के बा

1 हे प्रभु के धन्यवाद दीं। काहे कि ऊ भलाई ह, काहे कि ओकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
2 हे देवता लोग के भगवान के धन्यवाद दीं, काहेकि उनकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
3 हे प्रभु के प्रभु के धन्यवाद दीं, काहे कि उनकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
4 जे अकेले बड़हन चमत्कार करेला ओकरा पर, काहे कि ओकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
5 जे बुद्धि से आकाश बनवले बा, ओकरा खातिर, काहेकि ओकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
6 जे धरती के पानी से ऊपर पसरले बा, ओकरा खातिर, काहेकि ओकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
7 जे बड़का रोशनी बनवले बा, ओकरा खातिर, काहेकि ओकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
8 सूरज दिन में राज करे, काहेकि ओकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
9 चाँद आ तारा रात में राज करे, काहे कि ओकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
10 जे मिस्र के जेठ बच्चा के मार दिहलस, ओकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
11 ऊ इस्राएल के ओह लोग के बीच से निकाल दिहलन काहे कि उनकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
12 मजबूत हाथ आ पसरल बांह से, काहे कि ओकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
13 जे लाल सागर के भाग में बांटले बा, ओकरा खातिर, काहेकि ओकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
14 आ इस्राएल के ओकरा बीच से गुजरे के काम कर दिहलन काहे कि ओकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
15 फिरौन आ उनकर सेना के लाल समुन्दर में उखाड़ दिहलस, काहेकि उनकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
16 जे अपना लोग के जंगल में ले गइलन, ओकरा खातिर, काहे कि ओकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
17 जे बड़का राजा लोग के मारत रहे, ओकरा खातिर, काहेकि ओकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
18 नामी राजा लोग के मार दिहलस, काहेकि उनकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
19 अमोरी लोग के राजा सीहोन, काहेकि उनकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
20 बाशान के राजा ओग, काहेकि उनकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
21 आऊ आपन जमीन धरोहर के रूप में दे दिहलन काहे कि उनकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
22 उनकर सेवक इस्राएल खातिर एगो विरासत ह, काहे कि उनकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
23 उ हमनी के नीच अवस्था में हमनी के याद कइलन काहे कि उनकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
24 ऊ हमनी के दुश्मनन से मुक्त कर दिहले बा काहे कि ओकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।
25 उ सब शरीर के भोजन देवेला, काहेकि ओकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।

26 हे स्वर्ग के परमेश्वर के धन्यवाद दीं, काहेकि उनकर दया हमेशा खातिर बनल रहेला।

अध्याय 137 के बा

1 बाबुल के नदी के किनारे हमनी के बइठल रहनी जा, हँ, हम सिय्योन के याद करत रोवत रहनी जा।
2 हमनी के वीणा ओकरा बीच में विलो पर लटका देनी जा।
3 काहे कि उहाँ हमनी के बंदी बना के ले जाए वाला लोग हमनी से एगो गीत के माँग करत रहे। हमनी के बर्बाद करे वाला लोग हमनी से उल्लास के मांग करत रहे कि, "हमनी के सिय्योन के गीत में से एगो गीत गाईं।"
4 हमनी के परदेसी देश में प्रभु के गीत कइसे गाब जा?
5 हे यरूशलेम, अगर हम तोहरा के भुला जाइब त हमार दहिना हाथ ओकर धूर्तता के भुला जाव।
6 अगर हम तोहरा के याद ना करब त हमार जीभ मुँह के छत से चिपक जाए। अगर हम अपना मुख्य आनन्द से यरूशलेम के पसंद ना करीं।
7 हे यहोवा, यरूशलेम के दिन एदोम के लोग के याद करऽ। जे कहलन कि, एकरा के उठाईं, ओकरा के नींव तक उठाईं।
8 हे बाबुल के बेटी, जे नष्ट होखे वाला बा। ऊ खुश होई, जे तोहरा के ओइसन इनाम दी जइसे तू हमनी के सेवा कइले बाड़।
9 ऊ खुश होई जे तोहार छोट-छोट लइकन के पत्थर से टकरा के टकरावेला।

अध्याय 138 के बा

1 (दाऊद के भजन।) हम तोहार पूरा मन से स्तुति करब, देवता लोग के सामने तोहार स्तुति गाब।
2 हम तोहार पवित्र मंदिर के ओर आराधना करब आ तोहार दया आ सच्चाई खातिर तोहार नाम के स्तुति करब, काहेकि तू अपना सब नाम से ऊपर आपन वचन के बढ़ा देले बाड़।
3 जवना दिन हम चिल्लात रहनी, तू हमरा के जवाब देनी आ हमरा के अपना आत्मा में ताकत से मजबूत कईनी।
4 हे प्रभु, धरती के सब राजा जब तोहार मुँह के बात सुन के तोहार स्तुति करीहे।
5 हँ, उ लोग यहोवा के रास्ता में गावेला, काहेकि यहोवा के महिमा बहुत बड़ बा।
6 भले ही प्रभु ऊँच होखस, लेकिन उ नीच लोग के आदर करेलन, लेकिन घमंडी लोग के उ दूर से जानत हउवें।
7 भले हम संकट के बीच में चलब, लेकिन तू हमरा के जिंदा करब, तू हमरा दुश्मन के क्रोध के खिलाफ आपन हाथ बढ़ाईब अवुरी तोहार दाहिना हाथ हमरा के बचाई।
8 प्रभु हमरा से जुड़ल काम के सिद्ध करीहें, हे प्रभु, तोहार दया हमेशा खातिर बनल रहेला, अपना हाथ के काम के मत छोड़ीं।

अध्याय 139 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के, दाऊद के एगो भजन।) हे प्रभु, तू हमरा के खोज के हमरा के जानत बाड़।
2 तू हमार उतरल आ हमार विद्रोह के जानत बाड़ू, तू हमार विचार दूर से समझत बाड़ू।
3 तू हमरा रास्ता आ हमरा लेट के घेरले बाड़ऽ आ हमरा सब रास्ता से परिचित बाड़ऽ।
4 काहेकि हमरा जीभ में एको शब्द नइखे, लेकिन देखऽ, हे प्रभु, तू एकरा के पूरा तरह से जानत बाड़ऽ।
5 तू हमरा के पीछे-पीछे घेर के हमरा पर आपन हाथ रखले बाड़।
6 अइसन ज्ञान हमरा खातिर बहुत अद्भुत बा। ऊ ऊँच बा, हम ओकरा के ना पा सकेनी।
7 तोहरा आत्मा से हम कहाँ जाईं? का हम तोहरा सोझा से कहाँ भागब?
8 अगर हम स्वर्ग में चढ़ब त तू उहाँ बाड़, अगर हम नरक में आपन बिछौना बनावत बानी त देख, तू उहाँ बाड़।
9 अगर हम सबेरे के पाँख लेके समुंदर के छोर पर रहब।
10 उहाँ भी तोहार हाथ हमरा के ले जाई आ तोहार दाहिना हाथ हमरा के पकड़ी।
11 अगर हम कहब कि अन्हार हमरा के ढंक दिही। रात भी हमरा बारे में रोशनी हो जाई।
12 हँ, अन्हार तोहरा से छिपल नइखे। लेकिन रात दिन निहन चमकेला, तोहरा खाती अन्हार अवुरी रोशनी दुनो एक जईसन बा।
13 काहे कि तू हमार बागडोर पकड़ले बाड़ू, तू हमरा के माई के पेट में ढंकले बाड़।
14 हम तोहार स्तुति करब। काहे कि हम भयंकर आ अचरज से बनल बानी, तोहार काम अद्भुत बा। आ कि हमार आत्मा ठीक से जानत बिया।
15 जब हम गुप्त रूप से बनल रहनी आ धरती के निचला हिस्सा में कौतुहल से काम कइले रहनी त हमार धन तोहरा से छिपल ना रहे।
16 तोहार आँख हमार द्रव्य देखलस, लेकिन अपूर्ण रहलन। तोहरा किताब में हमार सब अंग लिखल बा, जवन कि अभी तक कवनो अंग ना रहे।
17 हे भगवान, तोहार विचार हमरा खातिर केतना कीमती बा! केतना बड़हन बा ओह लोग के योग!
18 अगर हम ओह लोग के गिनती करब त बालू से भी जादा संख्या में बा।
19 हे भगवान, तू दुष्टन के मार देबऽ, हे खूनी लोग, हमरा से दूर हो जा।
20 काहेकि उ लोग तोहरा खिलाफ बुराई बोलेला आ तोहार दुश्मन तोहार नाम बेकार में लेत बाड़े।
21 हे प्रभु, का हम ओह लोग से नफरत नइखीं करत जे तोहरा से नफरत करेला? का हम तोहरा खिलाफ उठल लोग से दुखी नइखीं?
22 हम ओह लोग से पूरा नफरत से नफरत करेनी, हम ओह लोग के आपन दुश्मन मानत बानी।
23 हे भगवान, हमरा के खोजीं आ हमरा मन के जानऽ, हमरा के आजमा के हमार विचार जानऽ।
24 देखऽ कि हमरा में कवनो दुष्ट रास्ता बा कि ना आ हमरा के अनन्त रास्ता पर ले जाईं।

अध्याय 140 के बा

1 (मुख्य संगीतकार के, दाऊद के भजन।) हे प्रभु, हमरा के दुष्ट से बचाव, हमरा के हिंसक आदमी से बचाईं।

2 जे लोग अपना मन में बदमाशी के कल्पना करेला। लगातार उ लोग युद्ध खातिर एक संगे जुटल रहेले।
3 ऊ लोग साँप नियर आपन जीभ तेज कइले बा। एडर्स के जहर ओह लोग के होंठ के नीचे बा। सेलाह के बा।
4 हे प्रभु, हमरा के दुष्टन के हाथ से बचाईं। हमरा के हिंसक आदमी से बचाईं; जे हमरा चल के उखाड़ फेंके के मकसद रखले बा।
5 घमंडी लोग हमरा खातिर जाल आ डोरी छिपा के रखले बा। रास्ता के किनारे जाल पसरले बाड़े। उ लोग हमरा खातिर जिन सेट कईले बाड़े। सेलाह के बा।
6 हम यहोवा से कहनी कि तू हमार भगवान हउअ, हे प्रभु, हमार निहोरा के आवाज सुनऽ।
7 हे भगवान प्रभु, हमरा उद्धार के ताकत, तू लड़ाई के दिन हमार माथा ढंकले बाड़।
8 हे प्रभु, दुष्ट के इच्छा मत दीं, ओकर दुष्ट षड्यंत्र के आगे मत दीं। कहीं ऊ लोग अपना के ऊँच ना कर देव. सेलाह के बा।
9 रहल बात हमरा चारो ओर घूमे वाला लोग के माथा के त ओह लोग के होठ के बदमाशी ओकरा के ढंक लेव।
10 ओह लोग पर जरत कोयला गिर जाव, ओकरा के आग में फेंक दिहल जाव। गहिराह गड्ढा में, ताकि उ लोग फेर से उठ के ना उठस।
11 दुष्ट बोले वाला धरती पर स्थापित मत होखे, दुष्ट आदमी के उखाड़ फेंके खातिर शिकार करी।
12 हम जानत बानी कि यहोवा दुखी लोग के मुद्दा आ गरीबन के अधिकार के पालन करीहें।
13 धर्मी लोग तोहार नाम के धन्यवाद दिही, सोझ लोग तोहरा सोझा रहिहे।

अध्याय 141 के बा

1 (दाऊद के भजन।) प्रभु, हम तोहरा से पुकारत बानी, हमरा लगे जल्दी करऽ। जब हम तोहरा से पुकारत बानी त हमरा आवाज के कान करऽ।
2 हमार प्रार्थना धूप के रूप में तोहरा सामने रखल जाव। आ साँझ के बलि के रूप में हमार हाथ उठावल।
3 हे प्रभु, हमरा मुँह के सामने पहरा राखऽ। हमरा होठ के दुआर राखीं।
4 हमरा मन के कवनो बुरा काम में मत झुकाईं आ अधर्म करे वाला लोग के साथे बुरा काम ना करीं आ हम ओह लोग के स्वादिष्ट भोजन ना खाईं।
5 धर्मी लोग हमरा के मार देव। ई दयालुता होई, आ उ हमरा के डांटस। ई एगो बढ़िया तेल होई, जवन हमार माथा ना तोड़ी, काहेकि हमार प्रार्थना भी ओह लोग के विपत्ति में होई।
6 जब उनकर न्यायाधीश लोग पत्थर के जगह पर उखाड़ फेंकल जाई त उ लोग हमार बात सुनी। काहे कि ऊ लोग मीठ होला.
7 हमनी के हड्डी कब्र के मुँह पर बिखराइल बा, जइसे कि धरती पर लकड़ी काट के फाड़ल जाला।
8 हे परमेस् वर प्रभु, हमार नजर तोहरा ओर बा। हमरा आत्मा के बेहाल मत छोड़ऽ।
9 हमरा खातिर जवन जाल डालले बा, आ अधर्म के काम करे वाला लोग के जिन से हमरा के बचाईं।
10 दुष्ट लोग के अपना जाल में गिर जाव, जबकि हम बच जाईब।

अध्याय 142 के बा

1 (दाऊद के मशिल; गुफा में रहला पर एगो प्रार्थना।) हम अपना आवाज से यहोवा से पुकारनी। हम अपना आवाज से प्रभु से आपन विनती कइनी।
2 हम आपन शिकायत ओकरा सोझा उझिल दिहनी। हम ओकरा सोझा आपन परेशानी देखवनी।
3 जब हमार आत्मा हमरा भीतर अभिभूत हो गईल, तबे तू हमार रास्ता जान गईल। जवना रास्ता से हम चलत रहनी, उ लोग हमरा खातिर गुप्त रूप से जाल डाल देले बाड़े।
4 हम अपना दाहिना हाथ से देखनी, लेकिन हमरा के जाने वाला केहु ना रहे। कवनो आदमी हमरा आत्मा के परवाह ना कइलस।
5 हे प्रभु, हम तोहरा से पुकारनी, हम कहनी कि तू हमार शरण हउअ आ जिंदा लोग के देश में हमार हिस्सा हउअ।
6 हमरा पुकार पर ध्यान दीं। काहे कि हमरा के बहुते नीचा करावल गइल बा, हमरा के सतावे वाला लोग से बचाईं। काहे कि उ लोग हमरा से भी मजबूत बाड़े।
7 हमरा जान के जेल से बाहर निकाल द, ताकि हम तोहार नाम के स्तुति कर सकीले, धर्मी लोग हमरा के चारों ओर घूमी। काहे कि तू हमरा साथे भरपूर व्यवहार करबऽ।

अध्याय 143 के बा

1 (दाऊद के भजन।) हे प्रभु, हमार प्रार्थना सुनऽ, हमार निहोरा पर सुनऽ, अपना वफादारी से हमरा के जवाब दीं आ अपना धार्मिकता से।
2 आऊ अपना सेवक के साथे न्याय में मत जाईं, काहेकि तोहरा नजर में केहू जिंदा के भी धर्मी ना ठहरावल जाई।
3 काहेकि दुश्मन हमरा प्राण के सतावले बा। ऊ हमरा जान के जमीन पर गिरा दिहले बा। उ हमरा के बहुत दिन से मरल लोग निहन अन्हार में रहेवा देले बाड़े।
4 एही से हमार आत्मा हमरा भीतर अभिभूत बा। हमरा भीतर के दिल उजाड़ हो गइल बा।
5 हमरा पहिले के दिन याद बा। हम तोहार सब काम के मनन करत बानी; तोहरा हाथ के काम पर मनन करत बानी।
6 हम आपन हाथ तोहरा ओर बढ़ावत बानी, हमार प्राण तोहरा पीछे प्यासल बा, जइसे प्यासल देश। सेलाह के बा।
7 हे प्रभु, जल्दी से हमार बात सुनऽ, हमार आत्मा कमजोर हो गइल बा, हमरा से आपन मुँह मत छिपावऽ, कहीं हम गड्ढा में उतरे वाला लोग जइसन ना होखब।
8 सबेरे हमरा के तोहार दया सुने के काम करऽ। काहे कि हम तोहरा पर भरोसा करत बानी, हमरा के बताईं कि हम कवना रास्ता से चले के बा। काहे कि हम आपन प्राण तोहरा लगे उठावत बानी।
9 हे प्रभु, हमरा के हमरा दुश्मनन से बचाव, हम अपना के छिपावे खातिर तोहरा लगे भागत बानी।
10 हमरा के आपन मर्जी पूरा करे के सिखाव; काहेकि तू हमार भगवान हउअ, तोहार आत्मा अच्छा बा। हमरा के सीधापन के देश में ले जा।
11 हे प्रभु, अपना नाम के खातिर हमरा के जिंदा करऽ, तोहरा धार्मिकता खातिर हमरा जान के संकट से बाहर निकालऽ।

12 आ अपना दया से हमरा दुश्मनन के काट दीं आ हमरा आत्मा के दुख करे वाला सब लोग के नाश कर द, काहे कि हम तोहार सेवक हईं।

अध्याय 144 के बा

1 (दाऊद के भजन।) हमार ताकत यहोवा के धन्यवाद होखे, जे हमरा हाथ के युद्ध करे के सिखावेला आ हमार अँगुरी के लड़ाई करे के सिखावेला।
2 हमार भलाई आ हमार किला। हमार ऊँच बुर्ज आ हमार उद्धारकर्ता। हमार ढाल, आ जेकरा पर हम भरोसा करत बानी; जे हमरा लोग के हमरा अधीन कर देला।
3 प्रभु, आदमी का ह कि तू ओकर ज्ञान करऽ! या आदमी के बेटा के, कि तू ओकर हिसाब लगाईं!
4 आदमी आडंबर जइसन होला, ओकर दिन बीतत परछाई जइसन होला।
5 हे प्रभु, आपन आकाश के झुक के नीचे उतरीं, पहाड़न के छूईं त ऊ धुँआ निकली।
6 बिजली फेंक के ओकरा के बिखेर दीं, आपन तीर निकाल के ओकरा के नष्ट कर दीं।
7 ऊपर से आपन हाथ भेजऽ। हमरा के छुटकारा दिअ आ हमरा के परदेसी लइकन के हाथ से बड़हन पानी से बचाईं।
8 उनकर मुँह व्यर्थ बोलेला आ उनकर दहिना हाथ झूठ के दाहिना हाथ ह।
9 हे भगवान, हम तोहरा खातिर एगो नया गीत गाइब, हम तोहार स्तुति गावेब।
10 राजा लोग के उद्धार देवे वाला उहे ह, जे अपना सेवक दाऊद के चोट पहुंचावे वाला तलवार से बचावेला।
11 हमरा के छुटकारा दऽ आ हमरा के परदेसी लइकन के हाथ से बचाईं, जेकर मुँह व्यर्थ बोलत बा आ ओकर दहिना हाथ झूठ के दाहिना हाथ ह।
12 ताकि हमनी के लइका जवानी में पलल-बढ़ल पौधा नियर होखस। ताकि हमनी के बेटी लोग कोना के पत्थर निहन होखे, जवन महल के समानता के मुताबिक चमकावल होखे।
13 ताकि हमनी के भंडार भरल होखे, जवना में हर तरह के भंडार हो सके, ताकि हमनी के भेड़ हमनी के गली में हजार-दस हजार पैदा करस।
14 ताकि हमनी के बैल मेहनत करे में मजबूत होखे। कि ना घुसल होखे, ना बाहर निकलल होखे। कि हमनी के गली में कवनो शिकायत ना होखे।
15 खुश बा ऊ लोग, जवन अइसन हालत में होखे, ऊ लोग खुश बा, जेकर परमेश्वर प्रभु हवें।

अध्याय 145 के बा

1 (दाऊद के स्तुति के भजन।) हे राजा, हम तोहार बड़ाई करब। आ हम तोहरा नाम के हमेशा खातिर आशीर्वाद देब।
2 हम रोज तोहरा के आशीर्वाद देब। आ हम तोहार नाम के स्तुति हमेशा खातिर करब।
3 प्रभु महान हवें आ बहुत स्तुति करे के बा। आ ओकर महानता के खोजल ना जा सके.
4 एक पीढ़ी दूसरा पीढ़ी तोहार काम के स्तुति करी आ तोहार पराक्रम के बात सुनाई।
5 हम तोहार महिमा के गौरवशाली आदर आ तोहरा अचरज के काम के बात करब।
6 आदमी तोहार भयावह काम के पराक्रम के बात करी आ हम तोहार महानता के बारे में बताइब।
7 ऊ लोग तोहार बड़हन भलाई के याद के भरपूर आवाज उठाई आ तोहार धर्म के बारे में गावेला।
8 प्रभु दयालु आ दया से भरल हवें। क्रोध में धीमा, आ बहुते दया के।
9 प्रभु सबका खातिर भलाई करेलन आ उनकर कोमल दया उनकर सब काम पर बा।
10 हे प्रभु, तोहार सब काम तोहार स्तुति करी। आ तोहार संत लोग तोहरा के आशीर्वाद दिहे।
11 ऊ लोग तोहार राज्य के महिमा के बात करी आ तोहार शक्ति के बात करी।
12 आदमी के बेटा लोग के आपन पराक्रम आ अपना राज्य के महिमा के बारे में बतावे खातिर।
13 तोहार राज्य एगो अनन्त राज्य ह, आ तोहार प्रभु हर पीढ़ी तक बनल रहेला।
14 परमेस् वर सभ गिरल लोग के सहारा देलन आ सभ झुकल लोग के जिंदा कर देलन।
15 सबके नजर तोहरा पर बा। आ तू समय पर ओह लोग के खाना दे देत बाड़ऽ।
16 तू आपन हाथ खोल के हर जीव के इच्छा के पूरा करऽ।
17 प्रभु अपना सब रास्ता में धर्मी बाड़े अवुरी अपना सभ काम में पवित्र बाड़े।
18 प्रभु उनकरा के पुकार करे वाला आ सच्चाई से पुकारे वाला सब के नजदीक बाड़े।
19 उ ओकरा से डेराए वाला के इच्छा पूरा करी, उ ओ लोग के पुकार सुन के ओकरा के बचाई।
20 प्रभु अपना से प्रेम करे वाला सब के बचावेला, लेकिन सब दुष्ट के नाश क दिहे।
21 हमार मुँह परमेश् वर के स्तुति कहत होई, आ हर आदमी उनकर पवित्र नाम के हमेशा खातिर आशीष देवे।

अध्याय 146 के बा

1 तू लोग प्रभु के स्तुति करीं। हे हमार आत्मा, प्रभु के स्तुति करीं।
2 जबले हम जिंदा रहब तबले हम प्रभु के स्तुति करब, जबले हमरा लगे कवनो जीव बा तबले हम अपना भगवान के स्तुति गाब।
3 आपन भरोसा ओह राजकुमारन पर मत राखीं आ ना आदमी के बेटा पर, जेकरा में कवनो सहायता नइखे.
4 ओकर साँस निकलेला, ऊ अपना धरती पर वापस आ जाला। ठीक ओही दिन ओकर विचार नाश हो जाला।
5 धन्य बा जे याकूब के परमेश्वर के मदद खातिर बा, जेकर आशा अपना परमेश्वर यहोवा से बा।
6 ऊ आकाश, धरती, समुंदर आ ओकरा में मौजूद सब कुछ बनवले बा।
7 जवन दबल-कुचलल लोग खातिर न्याय करेला, भूखल लोग के खाना देला। प्रभु कैदियन के ढीला कर देत बाड़न।
8 परमेस् वर आन्हर लोग के आँख खोलेला, प्रभु झुकल लोग के जिंदा करेलन, प्रभु धर्मी लोग से प्यार करेलन।

9 प्रभु परदेसी लोग के बचावेला। ऊ अनाथ आ विधवा के राहत देला, लेकिन दुष्ट के रास्ता उल्टा कर देला।
10 हे सिय्योन, तोहार भगवान, हर पीढ़ी तक प्रभु हमेशा खातिर राज करीहे। प्रभु के स्तुति करीं।

अध्याय 147 के बा

1 रउआ सभे प्रभु के स्तुति करीं, काहे कि हमनी के परमेश्वर के स्तुति गाना अच्छा बा। काहे कि ई सुखद होला; आ तारीफ सुन्दर होला।
2 यहोवा यरूशलेम के निर्माण करेलन, उ इस्राएल के बहिष्कृत लोग के एकट्ठा करेलन।
3 ऊ टूटल दिल के ठीक करेला आ ओह लोग के घाव के बान्ह देला।
4 ऊ तारा के संख्या बतावेला। उ सबके नाम से बोलावेला।
5 हमनी के प्रभु महान हवें आ बहुत ताकत के हवें, उनकर समझ अनंत बा।
6 प्रभु नम्र लोग के ऊपर उठावेलन, दुष्टन के जमीन पर गिरा देला।
7 धन्यवाद के साथे प्रभु के गाईं। हमनी के परमेश्वर के वीणा पर स्तुति गाईं।
8 ऊ आकाश के बादल से ढंकेला, जे धरती खातिर बरखा के तैयार करेला, जे पहाड़ पर घास उगावेला।
9 ऊ जानवर के आपन खाना देला आ काग के बच्चा के जवन रोवत बा।
10 ऊ घोड़ा के ताकत में ना खुश होला आ आदमी के गोड़ में ना खुश होला।
11 प्रभु के ओकरा से डेराए वाला में, जे उनुका दया के आशा करेले, ओकरा में खुश हो जाला।
12 हे यरूशलेम, प्रभु के स्तुति करीं। हे सिय्योन, अपना भगवान के स्तुति करऽ।
13 काहेकि उ तोहार फाटक के सलाख के मजबूत कईले बाड़े। ऊ तोहरा भीतर के लइकन के आशीष देले बा।
14 ऊ तोहार सीमा में शांति बनावेला आ तोहरा के सबसे बढ़िया गेहूं से भर देला।
15 ऊ आपन आज्ञा धरती पर भेजत बा, ओकर वचन बहुत तेजी से चलत बा।
16 ऊ ऊन नियर बर्फ देला आ ठंढा के राख नियर बिखेर देला।
17 ऊ आपन बरफ के टुकड़ा नियर फेंकेला, ओकरा ठंड के सामने के खड़ा हो सकेला?
18 ऊ आपन वचन भेज के ओकरा के पिघला देला, ऊ आपन हवा बहावेला आ पानी बहावेला।
19 ऊ याकूब के आपन वचन, आपन नियम आ न्याय इस्राएल के बतावेला।
20 उ कवनो जाति के संगे अयीसन नईखन कईले अवुरी उनुकर फैसला के बारे में उ लोग ओकरा के नईखन जानत। प्रभु के स्तुति करीं।

अध्याय 148 के बा

1 तू लोग प्रभु के स्तुति करीं। आकाश से प्रभु के स्तुति करीं, ऊँचाई पर ओकर स्तुति करीं।
2 हे ओकर सब स्वर्गदूत, ओकर स्तुति करीं, ओकर सब सेना ओकर स्तुति करीं।
3 हे सूरज आ चाँद, ओकर स्तुति करीं, हे प्रकाश के सब तारा, ओकर स्तुति करीं।
4 हे आकाश के आकाश आ आकाश से ऊपर के पानी, ओकर स्तुति करीं।
5 उ लोग प्रभु के नाम के स्तुति करस, काहेकि उ आज्ञा देले रहले अवुरी उ लोग के रचना भईल बाड़े।
6 ऊ ओह लोग के हमेशा खातिर स्थिर कइले बाड़न आ एगो अइसन फरमान बनवले बाड़न जवन ना खतम होई।
7 हे अजगर आ सब गहिराई से धरती से प्रभु के स्तुति करीं।
8 आग, आ ओला; बर्फ, आ वाष्प के भाव आवेला; तूफानी हवा उनकर वचन पूरा करत:
9 पहाड़ आ सब पहाड़ी; फलदार पेड़ आ सब देवदार के पेड़।
10 जानवर आ सब मवेशी; रेंगत चीज आ उड़त मुर्गी।
11 धरती के राजा आ सब लोग। राजकुमार आऊ धरती के सभे न्यायाधीश लोग।
12 नवही आ लइकी दुनु; बूढ़ लोग, आ लइका-लइकी:
13 उ लोग प्रभु के नाम के स्तुति करस, काहेकि उनुकर नाम ही बढ़िया बा। ओकर महिमा धरती आ आकाश से ऊपर बा।
14 उ अपना लोग के सींग के भी ऊपर उठावेला, जवन कि अपना सब संत लोग के स्तुति करेला। इजराइल के लोग के भी, जवन उनकरा नजदीक के लोग रहे। प्रभु के स्तुति करीं।

अध्याय 149 के बा

1 तू लोग प्रभु के स्तुति करीं। पवित्र लोग के मंडली में प्रभु के एगो नया गीत गाईं आ उनकर स्तुति करीं।
2 इस्राएल जे ओकरा के बनवले बा ओकरा में खुश होखे, सिय्योन के लोग अपना राजा में खुश होखे।
3 नाच में उनकर नाम के गुणगान करस आ वीणा से उनकर स्तुति गावे।
4 काहेकि यहोवा अपना लोग में खुश हो जाला, उ नम्र लोग के उद्धार से सुंदर करीहे।
5 संत लोग महिमा में आनन्दित होखे, अपना बिछौना पर जोर से गावे।
6 उनकरा मुँह में भगवान के ऊँच स्तुति होखे आ हाथ में दुधारी तलवार होखे।
7 गैर-यहूदी लोग से बदला लेवे आ लोग के सजा देवे खातिर।
8 ओह लोग के राजा लोग के जंजीर से बान्हल आ ओह लोग के कुलीन लोग के लोहा के बेड़ी से बान्हल।
9 उनकरा पर लिखल न्याय के अंजाम देवे खातिर उनकर सब पवित्र लोग के इ सम्मान बा। प्रभु के स्तुति करीं।

अध्याय 150 के बा

1 तू लोग प्रभु के स्तुति करीं। उनकर पवित्र स्थान में भगवान के स्तुति करीं, उनकर शक्ति के आकाश में उनकर स्तुति करीं।
2 ओकर पराक्रमी काम खातिर ओकर स्तुति करीं, ओकर महान महानता के अनुसार ओकर स्तुति करीं।
3 तुरही के आवाज से ओकर स्तुति करीं, भजन आ वीणा से ओकर स्तुति करीं।

4 घनघोर आ नाच से ओकर स्तुति करीं, तार वाला वाद्ययंत्र आ अंग से ओकर स्तुति करीं।
5 जोरदार झांझ पर ओकर स्तुति करीं, तेज बाजत झांझ पर ओकर स्तुति करीं।
6 जवना चीज में साँस बा, उ प्रभु के स्तुति करे। प्रभु के स्तुति करीं।